शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा गुट की लड़ाई पर रोक लगाने के लिए कोर कमेटी की बैठक 3 दिसंबर को @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।✻। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-329

पश्चिम बंगाल में सच लिखना या सच दिखाना संभव नहीं रहा

मुगलिस्तान बनने की राह पर पश्चिम बंगाल

कोलकाता, 28 नवंबर। पिछले कई वर्ष से पश्चिम बंगाल की छवि एक ऐसे राज्य की बन चुकी है, जहां आए दिन दंगा-फसाद होता रहता है। लेकिन राज्य का मीडिया इसे दबा देता है या फिर एक कॉलम में इसे समेट देता है। दरअसल यहां के समाचार पत्र और टीवी चैनल सत्ता के शिकंजे में हैं, इसलिए सच लिखना या दिखा पाना इनके लिए संभव नहीं है। ऐसे में मुख्य धारा मीडिया के कुछ समाचार पत्र और टीवी चैनल ही राज्य के हिंदुओं की आवाज उठाते नजर आते हैं। कुछ दिन पहले मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में कार्तिक पूजा पर जेहादियों ने हमला किया। भगवान की प्रतिमा नष्ट कर दी और पंडाल के आस-पास आगजनी की। इस्लामिक जेहादियों ने पुलिस की मौजूदगी में दंगा-फसाद, पत्थरबाजी सब कुछ किया। यह भी खबर आई कि जेहादियों ने पुलिस प्रशासन को भी निशाना बनाया। हैरान करने वाली बात यह रही कि जिन दंगाइयों ने यह हिंसा की, स्थानीय प्रशासन ने उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की, उलटे हिंदू समुदाय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर युवाओं को पुलिस द्वारा प्रताड़ित करने का सिलसिला शुरू हो गया। इस पूरे प्रकरण में हैरनी की बात यह भी रही कि जहां संविधान या नए कानून-2019 के बीएनएस, बीएनएसएस या पुराने कानून आईपीसी या सीआरपीसी में ईशनिंदा की कोई धारा नहीं है, वहीं पश्चिम बंगाल में ईशनिंदा की शिकायत पत्र पर धाराएं पैदा की जा रही हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल यूएन मुखर्जी ने लगभग 110 साल पहले एक पुस्तक लिखी थी। उस पुस्तक का नाम है हिंदूः ए डाइंग रेस यानी हिंदूः एक मरती हुई नस्ल। आजादी के 33 साल पहले लिखी गई इस पुस्तक में मुखर्जी ने पाकिस्तान बनने की भविष्यवाणी कर दी थी। 1914 में लिखी इस पुस्तक का आधार 1911 की जनगणना थी। आज से आजादी के बाद लम्बे समय तक सत्ता में रहने वाली ताकतों ने बदलती जनसांख्यिकी को लेकर जिस तरह आंखें मूंदीं या कहें कि उलटे इसे हवा ही दी, उसने बड़े खतरे का इतिहास, भूगोल और वर्तमान पर नजर डालें। उनकी विचारधाराओं को खंगालें। सच उभरकर सामने आ जाएगा। इसकी सबसे बड़ी वजह है इस्लामिक कट्टरवाद।

> ''बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल के मुसलमानों से मिलकर गांवों से हिंदुओं को भगा रहे हैं। हिंदू अपना घर-दुकान-मकान छोड़कर शहरों में आकर बस रहे हैं। हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार आम दिनचर्या है। मजहबी नफरत से भरे फतवे आम हो गए हैं। मैं खुद इसकी भुक्तभोगी हूं, जिसे सिर तन से जुदा गिरोह के फतवे का सामना आए दिन करना पड़ता है।''
>
> **नाजिया इलाही खान, एडवोकेट**

समाचार पत्र और टीवी चैनल जेहादी सत्ता के शिकंजे में

110 साल पहले मुखर्जी ने जो महसूस किया, समय बीतने के साथ उसे भारत के मानस ने भी महसूस किया है। लेकिन रास्ता ही तैयार किया।

देश के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले नरसंहारों और दंगों पर गौर करें। उनके काबुल से लेकर ढाका तक हिंदू शरीयत के राज में समाप्त हो गए और सनातन मार्ग पर चलने वालों के लिए जो जमीन बची, उसे हिंदुओं के लिए मॉडर्न संविधान के आधार पर टिकाया गया। इसमें मुसलमानों के लिए शरीयत की छूट है, कन्वर्जन की छूट है, चार निकाह की छूट है, अलग पर्सनल लॉ की छूट है, हिंदू तीर्थों पर कब्जे की छूट है। वोट बैंक के लिए इनसे आंखें चुराने और शह देने का सिलसिला जारी है। यह प्रवृत्ति आज राष्ट्र के अस्तित्व के लिए चुनौती के रूप में उभरी है।

1947 में सीरिल जॉन रेडक्लिफ ने अविभाजित भारत के नक्शे पर एक लाइन खींचकर दो देश बना दिए। भारत इसलिए बंटा क्योंकि भारतीय मुसलमानों ने मजहब के आधार पर मुस्लिम लीग के उम्मीदवारों को थोक के भाव जिताया। लेकिन मुस्लिम लीग के 28 विजयी प्रतिनिधि पाकिस्तान की जगह भारत की संविधान सभा में शामिल हुए। ▶10पर

वक्फ संशोधन विधेयक पर केंद्र सरकार ने पैर पीछे खींचे

जेपीसी की रिपोर्ट तैयार थी पर संसद में पेश नहीं हुई

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ (संशोधन) विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का कार्यकाल अगले बजट सत्र तक बढ़ा दिया गया है। समिति की बैठक में विपक्षी सदस्यों के विरोध के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए और समय मांगेगी। इसके बाद समिति के कार्यकाल को बजट सत्र के पहले हफ्ते तक के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया।

समिति का कार्यकाल बढ़ाया, विधेयक गया ठंडे बस्ते में

समिति का कार्यकाल अगले बजट सत्र तक के लिए बढ़ा

वक्फ से जुड़े नए कानून को लेकर फिलहाल दो महीने तक का और इंतजार करना होगा। विपक्ष सदस्यों के हंगामे और बैठक का बहिष्कार करने के बाद वक्फ विधेयक पर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के कार्यकाल को बढ़ाने को लेकर आखिरकार सहमति बन गई है। जेपीसी अब बजट सत्र के पहले हफ्ते में अपनी रिपोर्ट देगी। जो संभवतः 29 जनवरी 2025 से शुरू होगा। हालांकि इसके कार्यकाल को बढ़ाने पर अंतिम फैसला लोकसभा अध्यक्ष का होता है। जो गुरुवार को इसकी अधिकारिक घोषणा कर सकते है। वैसे तो पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जेपीसी को 29 नवंबर को अपनी रिपोर्ट सदन में पेश करनी थी। शीतकालीन सत्र के अपने एजेंडे में सरकार ने इस विधेयक को प्रमुखता से रखा है। ऐसे में माना जा रहा था कि समिति की रिपोर्ट के बाद सरकार इस विधेयक को पारित कराएगी। वक्फ पर गठित जेपीसी के कार्यकाल को बढ़ाने की मांग वैसे तो विपक्ष काफी दिनों से कर रहा था। पिछले दिनों विपक्षी सदस्यों ने इसे लेकर लोकसभा अध्यक्ष से भी मुलाकात की थी। साथ ही उन्होंने समिति के कार्यकाल को बढ़ाने का भरोसा भी दिया था। बुधवार को बुलाई गई समिति की बैठक में विपक्षी सदस्यों ने कार्यकाल को बढ़ाने की मांग की लेकिन जैसे ही इसे अंतिम बैठक के साथ पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 29 नवंबर को इसकी रिपोर्ट सौंपने की जानकारी दी गई, तो विपक्ष सदस्य बिफर गए और हंगामा करने लगे। आखिर में बैठक में जब उनकी बात नहीं सुनी गई, तो विपक्ष सदस्यों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। ▶10पर

हिंदू आस्था के केंद्रों में बढ़ रही जेहादियों की दखलंदाजी

दक्षिण के अयोध्या में हो रही 'बाबर' की घुसपैठ!

तिरुअनंतपुरम, 28 नवंबर (एजेंसियां)। इन दिनों केरल में पवित्र वार्षिक मंडलम-मकरविलक्कू तीर्थयात्रा चल रही है। यह यात्रा सबरीमला मंदिर में स्थित भगवान अयप्पा के दर्शन के लिए होती है। 41 दिवसीय इस यात्रा में प्रतिदिन लाखों भक्त शामिल होते हैं। ये भक्त पहाड़ी मार्ग पर कई किलोमीटर पैदल ही चलते हैं। इस कारण इसे बेहद कठिन यात्रा माना जाता है। यात्रा में शामिल श्रद्धालु पूरी श्रद्धा-विश्वास, त्याग, समर्पण और शुचिता के साथ एक-एक कदम आगे बढ़ाते हैं। कहते हैं कि मार्ग में यदि किसी शव के दर्शन भी हो जाएं तो श्रद्धालु बिना स्नान किए आगे नहीं बढ़ते। ऐसी पवित्र यात्रा को अपवित्र करने का पूरा प्रयास हो रहा है। इसमें केरल की वामपंथी सरकार तो शामिल है ही, साथ में जेहादी तत्व भी मिले हुए हैं।

भगवान अयप्पा के दर्शन के लिए कराई जा रही है वावर की पूजा

हिंदू आस्था को अपवित्र करने में शामिल है वामपंथी केरल सरकार

मार्ग में श्रद्धालुओं को शुद्ध भोजन तक नहीं मिलता है। पीने का पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं भी नहीं हैं। बुजुर्ग श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में विश्राम करने तक की सुविधा नहीं है। जबकि इस मंदिर और यात्रा से राज्य सरकार को करोड़ों रुपए का राजस्व मिलता है। इन सबके बीच कुछ वर्षों से यह झूठा विमर्श खड़ा किया जा रहा है कि भगवान अयप्पा और वावर (बाबर) घनिष्ठ मित्र रहे हैं। इसलिए वावर के दर्शन के बिना भगवान अयप्पा का पूजन अधूरा है। इसके लिए यात्रा मार्ग में एक विशाल मस्जिद बन चुकी है और निरंतर इसका विस्तार भी हो रहा है। इसे वावर मस्जिद कहा जाता है। ▶10पर

दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके में फटा स्कूटर बम!

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में एक स्कूटर में जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट के बाद स्कूटर के आस-पास सफेद पाउडर की धूल बिखरी मिली है। आशंका है कि सफेद पाउडर कोई खतरनाक विस्फोटक है, उसके अंश फॉरेंसिक और बैलिस्टिक जांच के लिए भेजे गए हैं। धमाके से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। हालांकि इस विस्फोट में कोई जान-माल की क्षति नहीं हुई, लेकिन खुफिया एजेंसियों को अंदेशा है कि स्कूटर बम का ट्रायल किया गया। लिहाजा, इसके लिए आगाह रहने की जरूरत है। विस्फोट की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इलाके में धमाके की तेज आवाज सुनी गई है। ▶10पर

मौके पर मिला सफेद पाउडर, बैलिस्टिक जांच के लिए भेजा गया

मानव तस्कर और वेश्यावृत्ति गिरोह के सरगना को पीड़ित लड़कियों ने मार डाला

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल से लड़कियों को भारत लाकर उनसे जबरन देह व्यापार करवाने वाले गिरोह के सरगना को पीड़ित लड़कियों ने ही मार डाला। सरगना सिंटू शेख उर्फ राजा दिल्ली के संगम विहार इलाके से देह व्यापार का अंतरराष्ट्रीय गिरोह चला रहा था। उसके उत्पीड़न से आजिज आकर पीड़ित लड़कियों ने चाय में नींद को गोलियां डालकर उसे सुला दिया और फिर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने दो लड़कियों को गिरफ्तार किया है। उनका साथ देने वाले दो पुरुषों मिरदुल मियां और फरदीन को भी गिरफ्तार किया गया है। पता चला कि सरगना ने बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल से मानव तस्करी के जरिए करीब दो दर्जन लड़कियां को दिल्ली लाकर उन्हें बंधक बना रखा था। वह पूरे देश में लड़कियों को सप्लाई करता था। लड़कियां भयंकर उत्पीड़न और शोषण के दौर से गुजर रही थीं। इससे ऊब कर लड़कियों ने सरगना को हमेशा के लिए खत्म करने की खतरनाक योजना पर काम किया। ▶10पर

चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन

रांची, 28 नवंबर (एजेंसियां)। रांची के मोरहाबादी मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने रांची में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शाम चार बजे हेमंत सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हेमंत सोरेन चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। हेमंत सोरेन के शपथ ग्रहण समारोह में उनके पिता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन और उनकी मां रूपी सोरेन भी मंच पर मौजूद रहीं। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंच पर मौजूद थे। ▶10पर

शपथ ग्रहण में जुटे इंडी गठबंधन के नेतागण

बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की केंद्र से मांग

इस्कॉन संत की रिहाई तक बांग्लादेशियों के वीजा पर रोक लगे

कोलकाता, 28 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बांग्लादेश में हिंदू धार्मिक संत और इस्कॉन के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की रिहाई की मांग करते हुए भारत सरकार से बड़ा कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार बंद नहीं होते और चिन्मय दास रिहा नहीं होते, तब तक भारत को बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीज़ा जारी करना और दोनों देशों के बीच व्यापार पूरी तरह रोक देना चाहिए।शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को कोलकाता के रवींद्र सदन से बांग्लादेश उप-उच्चायोग तक सात भाजपा विधायकों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ रैली का नेतृत्व किया। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ ज्ञापन सौंपा और चिन्मय दास की रिहाई की मांग की। शुभेंदु अधिकारी ने कहा- अगर बांग्लादेश सरकार अल्पसंख्यकों पर अत्याचार रोकने में विफल रहती है, तो भारत को सख्त कदम उठाने चाहिए।

चिन्मय कृष्ण दास, जो बांग्लादेश के सम्मिलित सनातनी जागरण जोट के प्रवक्ता हैं, को ढाका के हजरत शा-हजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। वह चटगांव में एक रैली में शामिल होने जा रहे थे। इसके बाद बांग्लादेश की अदालत ने मंगलवार को उन्हें देशद्रोह के आरोप में जमानत देने से इन्कार कर जेल भेज दिया है। शुभेंदु अधिकारी ने ऐलान किया कि भाजपा 16 दिसंबर को कोलकाता में एक विशाल रैली करेगी। इस रैली का उद्देश्य बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाना है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि स्थिति नहीं बदली तो भाजपा भारत-बांग्लादेश सीमा पर प्रदर्शन शुरू करेगी। शुभेंदु अधिकारी ने भारत सरकार से बांग्लादेशी नागरिकों को वीज़ा जारी करना बंद करने और दोनों देशों के बीच आयात-निर्यात पर अस्थायी रोक लगाने की अपील की। उन्होंने बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में इलाज कराने के बजाय पाकिस्तान जाने की सलाह भी दी है।

चटगांव में लोकनाथ मंदिर पर हमला, कट्टरपंथियों ने मूर्तियां तोड़ीं

ढाका, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली बांग्लादेश सरकार में हिंदुओं पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। इस्कॉन प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद भी चरमपंथी रुकने को तैयार नहीं हैं। इसी क्रम में एक बार फिर से एक और मंदिर पर हमला किया गया है। ताजा मामला चटगांव का है, जहां लोकनाथ मंदिर पर मुस्लिम कट्टरपंथी भीड़ ने हमला कर दिया। लोकनाथ मंदिर चटगांव के फिरंगीबाजार में स्थित है। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने इस घटना का एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें स्पष्ट तौर पर मुस्लिमों की उन्मादी भीड़ को देखा जा सकता है। मुस्लिम कट्टरपंथी खुलेआम सड़कों पर लाठी, ▶10पर

चीनी सेना का दावा : समझौते का हो रहा है पालन

सीमा से चीनी सैनिकों की हो रही है वापसी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत और चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से जारी गतिरोध को समाप्त करने के लिए इलाके से सैनिकों को वापस बुलाने के समझौते को लागू करने में तेजी से प्रगति कर रही है। चीनी रक्षा मंत्रालय की तरफ से गुरुवार को इसकी जानकारी दी गई। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू कियान ने बताया कि पिछले हफ्ते वियतनाम में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून ▶10पर

सदानंद गौड़ा ने कर्नाटक भाजपा में गुटबाजी पर जताया दुख

केंद्रीय नेतृत्व से कार्रवाई करने का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वरिष्ठ भाजपा नेता डी वी सदानंद गौड़ा ने गुरुवार को अपनी पार्टी की कर्नाटक इकाई में गुटबाजी पर दुख जताया और इसे बड़ी त्रासदी बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने पत्रों के बावजूद पार्टी आलाकमान द्वारा कार्रवाई करने में देरी पर भी नाराजगी जताई और उनसे हस्तक्षेप करने और अनुशासनहीनता में लिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। पार्टी के भीतर गुटबाजी और इस पर आलाकमान की चुप्पी पर एक सवाल का जवाब देते हुए गौड़ा ने कहा महाराष्ट्र और हरियाणा में चुनाव होने थे, क्योंकि चुनाव एक बड़ी चुनौती है, इसलिए उन राज्यों में पार्टी के मुद्दों को बाद के लिए अलग रखना स्वाभाविक है, जहां चुनाव नहीं हैं। इसलिए कुछ देरी हो सकती है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे चुप रहेंगे। यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हालांकि, आपके सवाल में सच्चाई है, क्योंकि मैंने दो पत्र लिखे हैं, एक पहले और दूसरा हाल ही में जब असंतोष

पनपने लगा था। लेकिन दोनों का कोई जवाब नहीं आया, जिससे मुझे लगा कि केंद्रीय नेतृत्व यहां के मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा यह एक त्रासदी है कि कर्नाटक, जिसे दक्षिण भारत में भाजपा के लिए प्रवेश द्वार माना जाता है, आज वहां कई दरवाजे हैं। वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व में पार्टी नेताओं का एक समूह, जिसमें भाजपा विधायक रमेश जारकीहोली भी शामिल हैं, राज्य नेतृत्व, खासकर अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र की आलोचना कर रहे हैं और इसी मुद्दे पर पार्टी द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने के बाद, वक्फ भूमि मुद्दे पर समानांतर आंदोलन भी कर रहे हैं। यतनाल और जारकीहोली ने विजयेंद्र की खुलकर आलोचना की है और उन पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ समायोजन की राजनीति करने और अपने पिता और वरिष्ठ नेता बी एस येदियुरप्पा के साथ मिलकर पार्टी को अपने चंगुल में रखने का आरोप लगाया है। यह याद करते हुए कि पार्टी में पहले उन दिग्गजों के नेतृत्व वाले गुटों के बीच बहुत मजबूत गुटबाजी थी, जिन्होंने राज्य में पार्टी का निर्माण किया था – दिवंगत अनंत कुमार और येदियुरप्पा, गौड़ा, जिन्होंने अतीत में राज्य अध्यक्ष के रूप में भी काम किया था, ने कहा कि लेकिन तब दरार कभी सड़कों पर नहीं आई। कर्नाटक भाजपा के इतिहास में, यह पहली बार है कि पार्टी के भीतर आंतरिक भ्रम सड़कों पर आ गया है। यह दर्दनाक है। राज्य में पार्टी के तथाकथित स्वयंभू वरिष्ठ नेत-ाओं में से कोई भी, जिसमें मैं भी शामिल हूं, इसे ठीक करने की स्थिति में नहीं है, जबकि कुछ लोग चीजों को ठीक करने की कोशिश भी नहीं कर रहे हैं क्योंकि इससे उन्हें फायदा होगा, यहां पार्टी में ऐसे नेता भी हैं। इसलिए आलाकमान को हस्तक्षेप करना होगा। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस द्वारा विपक्ष को सुनहरे कटोरे में मुद्दे दिए जाने के बावजूद, गौड़ा ने कहा कि पार्टी में आंतरिक मतभेद इस पर हावी हो रहे हैं और इससे पार्टी कार्यकर्ताओं को दुख हो रहा है। अब मेरे पास पार्टी की कोर कमेटी का हिस्सा होने के अलावा कोई और जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन मैं उस पार्टी की स्थिति को देखकर दुखी हूं जिसने मुझे राज्य में शासन करने के पद सहित सब कुछ दिया। यह एक बड़ी त्रासदी है। दिल्ली चुनाव से पहले कर्नाटक में पार्टी के मामलों पर गंभीरता से विचार करने की पार्टी नेतृत्व से अपील करते हुए पूर्व सीएम ने उनसे अनुशासन पर समझौता न करने का अनुरोध भी किया। उन्होंने कहा कि अगर विस्तृत जांच के बाद गलत लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, तो पार्टी एक बार फिर एकजुट हो जाएगी।

राज्य के लोग भाजपा चाहते हैं

राज्य के लोग भाजपा चाहते हैं। शिग्गांव, संदूर और चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्रों में हाल ही में हुए उप-चुनावों में भगवा पार्टी की हार की ओर इशारा करते हुए गौड़ा ने कहा कि लोग कांग्रेस के कुशासन की नहीं, बल्कि भाजपा में विभाजन और गुटबाजी की चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा के पास अच्छे विचार और एजेंडा होने के बावजूद, हमारे पास इसे भुनाने के लिए मजबूत व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि गुटबाजी की भाजपा की कमजोरी कांग्रेस की ताकत बन गई है। यतनाल और उनकी टीम द्वारा विजयेंद्र को अध्यक्ष के रूप में स्वीकार न करने के सवाल पर गौड़ा ने कहा राज्य अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रीय नेतृत्व ने की थी और उस फैसले को स्वीकार किया जाना चाहिए। अगर किसी को इस बारे में कोई आपत्ति है, तो उन्हें नेतृत्व को बताना चाहिए और सड़कों पर इस पर चर्चा नहीं करनी चाहिए।

गुरुदेव श्री मिश्रीमल का पुण्य स्मृति दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान एवं साध्वी सुशीला कंवर जी के पावन सानिध्य में श्रमण संघीय, घोर तपस्वी, सद्गुरुदेव श्री मिश्रीमल जी की 31 वीं पुण्यतिथि तीन दिवसीय आध्यात्मिक, कार्यक्रम के रूप में मनाई गई। तीसरे दिन गुरुवार को जैन स्थानक हनुमंतनगर में प्रातः 9.15 से 10.30 बजे तक 2-2 सामायिक साधना के साथ सामायिक दिवस के रूप में तप - त्याग के साथ पूज्य गुरुदेव के गुणगान किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दो-दो सामायिक की साधना की। साध्वी सुशीला कंवर जी ने दक्षिण केसरी घोर तपस्वी श्री मिश्रीमलजी के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए पूज्य गुरुदेव के प्रेरक संयमी जीवन से जुड़ें अनेक संस्मरण सुनाए। संयम में उत्साह होना अनिवार्य है। वरना साधक का जीवन मुक्ति के प्रगतिपथ पर आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने संयम के तीन आयामों- संयम में उत्साह, प्रवाह और निर्वाह के माध्यम से पूज्य गुरुदेव के संयमी जीवन के गुणों की विशिष्ट विशेषताओं का उल्लेख किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चानक्य युक्कर वेदिके सुब्बणा गार्डन द्वारा अन्नामा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन तेरापंथ युवक परिषद ने मलनाड इंजीनियरिंग कॉलेज, रेड क्रॉस यूथ विंग, एचडी एफसी बैंक (हासन) और हिम्स ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में मलनाड इंजीनियरिंग कॉलेज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस आयोजन में 208 यूनिट ब्लड का संग्रह हुआ। इस मौके पर मलनाड इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ एजे कृष्णैया, डॉ वेंकटेश राव कोली, रेड क्रॉस संस्थान के चेयरमैन एचपी मोहन, डायरेक्टर उदयकुमार, डिस्ट्रिक मंत्री शबीर अहमद, एचडीएफसी बैंक से क्लस्टर हेड मधुसूदन आर, गिरीश प्रभाकर, तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष नितेश सुर-ाणा, मंत्री मनीष तातेड़, पूर्व अध्यक्ष गौरव गुलगुलिया, उपाध्यक्ष विकास कोठरी, सह मंत्री शरत भंसाली, दिनेश सेठिया, श्रेयांस सुराणा एवं सभी संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री विनायका गेल्लेयरा बल्लगा महादेश्वरा देवस्थान मार्ग रंगनाथपुरा कामाक्षीपल्या में कर्नाटक राज्योत्सवा मनाया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण कर जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

दुर्गा जलप्रपात में तैरने गया डिग्री छात्र डूबा

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। करकला में स्थित दुर्गा गांव में दुर्गा जलप्रपात पर गुरुवार दोपहर एक दुखद घटना घटी, जहां एक कॉलेज छात्र तैरते समय डूब गया। मृतक की पहचान उडुपी के कल्याणपुरा कॉलेज के बी कॉम छात्र जोएल डिसूजा (19) के रूप में हुई है। जोएल अपने छह दोस्तों के साथ दुर्गा जलप्रपात घूमने गया था, जहां कथित तौर पर पानी में खेलते समय उसका संतुलन बिगड़ गया और वह डूब गया। करकला ग्रामीण पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और जांच शुरू की। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

यतनाल के कदम से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने हाईकमान को लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा पार्टी कार्यकर्ता शिवकुमार ने राष्ट्रीय नेताओं को पत्र लिखकर मांग की है कि सड़क पर उतरकर पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के परिवार के बारे में बात करने वाले विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। मांड्या के एक भाजपा कार्यकर्ता शिवकुमार ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को खून से पत्र लिखकर चिंता व्यक्त की है कि अगर बसनगौड़ा पाटिल यतनाल को तुरंत अनुशासित नहीं किया गया, तो कर्नाटक में भाजपा का कोई भविष्य नहीं रहेगा। यतनाल और उनकी टीम द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान पर रोक लगानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि किस आधार पर उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की अनुमति के बिना पार्टी चिह्न का इस्तेमाल कर प्रचार करने की अनुमति दी गयी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पार्टी की सहमति के बिना चलाए जा रहे इस अभियान में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए और इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से

सुलझाना चाहिए। पत्र में शिवकुमार ने दुख जताया कि कर्नाटक भाजपा इकाई में जो घटनाक्रम हो रहा है, वह किसी के लिए अच्छा नहीं है। यतनाल की टीम को कांग्रेस सरकार के खिलाफ लड़ना चाहिए। लेकिन वे हर दिन प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र के परिवार पर निशाना साधते हुए आलोचना कर रहे हैं। यह विकास विपक्षी दलों के लिए अच्छा हो रहा है। येदियुरप्पा पर यतनाल के आरोपों से भाजपा के वफादार कार्यकर्ता और प्रशंसक आहत हैं। उन्होंने पत्र में अनुरोध किया है कि तुरंत हस्तक्षेप करें और यतनाल का मुंह बंद कराएं।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे: बसवराज बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इस्कॉन पुजारी की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में हिंसा पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने गुरुवार को कहा कि दक्षिण एशियाई देश में हिंदुओं पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। सोशल मीडिया पर बोम्मई ने कहा मैं भारत सरकार से सख्त कार्रवाई करने, बांग्लादेश के साथ सीमा को सील करने, देश में बांग्लादेशियों की पहचान करने और उन्हें वापस भेजने का आग्रह करता हूं, चाहे इसके लिए जो भी कीमत चुकानी पड़े। पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि दूसरी बात, संयुक्त राष्ट्र को हस्तक्षेप करना चाहिए और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रोकने चाहिए। उन्होंने कहा बांग्लादेश में हुई घटना चिंता का विषय है और बेहद निंदनीय है। हिंदू बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हैं और उनकी जान और संपत्ति वास्तव में खतरे में है। बोम्मई ने जोर देकर कहा इस्कॉन संत की गिरफ्तारी अनुचित और अवैध थी, बिना किसी उकसावे के और जमानत और उपचार से इनकार करना बांग्लादेश सरकार के तानाशाही रवैये को दर्शाता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा हमारी

सरकार और हमारा समाज बहुत सहिष्णु है, हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश सरकार पूरे समाज का ध्रुवीकरण कर रही है और बांग्लादेश गणराज्य को एक इस्लामी राष्ट्र में बदलने की कोशिश कर रही है। बोम्मई ने कहा बांग्लादेश सरकार को हमेशा याद रखना चाहिए कि उनका देश हमारी सेना के समर्थन से बना है। अगर हिंसा के मुद्दे को नहीं सुलझाया गया तो दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध खतरे में पड़ जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश को याद रखना चाहिए कि सब्जियों से लेकर खाद्यान्न तक, हर चीज का व्यापार भारत पर निर्भर करता है। इसलिए, मैं बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं पर हमले तुरंत रोकने, इस्कॉन भिक्षु को तुरंत रिहा करने और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा शांति बहाल करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने अपना पोस्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ साझा किया है।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, प्रतिवाद और टकराव के लिए काफी समय : विधानसभा अध्यक्ष

बेलगावी के सत्र में हो विकास पर चर्चा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. ने कहा कि सदन के बाहर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, प्रतिवाद और टकराव के लिए काफी समय है।

इसलिए बेलगावी के सत्र में विकास पर चर्चा को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र 9 से 19 दिसंबर तक बेलगावी में होगा। चूंकि कन्नड़ साहित्य

सम्मेलन 20 दिसंबर को मांड्या में होगा, इसलिए सरकार ने सत्र को एक दिन पहले स्थगित करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि बेलगावी में सत्र के पहले दिन होने वाली संसदीय गतिविधि सलाहकार समिति की बैठक में इस पर चर्चा और निर्णय लिया जाएगा। बेल-गावी सत्र में राज्य के मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि खासकर उत्तरी कर्नाटक में चर्चा के लिए अधिक और विशेष समय आरक्षित रखा जाएगा। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेकिन सत्र से पहले और बाद में काफी समय है। वहां चर्चा हो सकती है। उन्होंने कहा कि आयोजन में विकास के मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया जाना चाहिए। उस अवसर पर वक्फ और मुडा मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देने का निर्णय लिया जाएगा। उपचुनाव में चुने गए तीनों विधायक बेलगावी सत्र में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि बेलगावी सत्र के कार्यक्रम का कोई प्रस्ताव नहीं है। अगर विधायक उनकी मौजूदगी में यह बयान दे रहे हैं कि उन्हें फंड नहीं मिल रहा है तो यह संभव नहीं है।

उन्होंने सुझाव दिया कि संबंधित मंत्री विभागों से चर्चा करें और विकास के लिए जनता का सहयोग जरूरी है।

छोटी-छोटी समस्याओं के लिए भी न्यायालय में मुकदमा दायर करने और निषेधाज्ञा लाने से विकास बाधित होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए।

कर्नाटक फिल्म चैंबर ने आईसी बनाने से किया इनकार

महिला आयोग ने दर्ज कराई शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक राज्य महिला आयोग ने जिला प्रशासन को फिल्म चैंबर के खिलाफ एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें एक विस्तारित समय सीमा दिए जाने के बावजूद वे आंतरिक समिति (आईसी) का गठन करने में विफल रहे हैं। आयोग ने कन्नड़ फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) द्वारा यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) अधिनियम के तहत एक आईसी स्थापित करने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया था। केएफसीसी द्वारा कई बार समय-

सीमा बढ़ाने की मांग के बाद, आयोग ने अब जिला प्रशासन को सूचित किया है। महिला आयोग ने शुरुआत में 16 सितंबर को केएफसीसी को आईसी बनाने या इसकी विफलता के लिए वैध कारण बताने के लिए 15 दिन की समय सीमा जारी की थी। यह मांग पीओएसएच अधिनियम के तहत अनिवार्य आवश्यकताओं के अनुरूप है, जो फिल्म उद्योग सहित कार्यस्थलों में महिलाओं के अधिकारों और कल्याण की रक्षा करना चाहता है। सैंडलवुड में इस तरह की समिति के लिए जोर मलयालम फिल्म उद्योग पर हेमा समिति की रिपोर्ट के जारी होने के बाद आया है, जिसने बड़े पैमाने पर यौन उत्पीड़न और अपर्याप्त कामकाजी परिस्थितियों को उजागर किया था। इस रिपोर्ट ने कन्नड़ सिनेमा सहित अन्य फिल्म उद्योगों में इसी तरह की निगरानी व्यवस्था की मांग को बढ़ावा दिया। केएफसीसी ने महिला आयोग को दो बार पत्र लिखकर समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध किया है, लेकिन कथित तौर पर कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। 18 सितंबर को भेजे गए पत्र में आयोग ने आईसी के गठन और कन्नड़ फिल्म उद्योग में काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा, अधिकार और कल्याण के लिए एक विस्तृत कार्य योजना मांगी है। पीओएसएच समिति बनाने के प्रयासों को कन्नड़ फिल्म उद्योग के भीतर भी प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। आयोग द्वारा बुलाई गई बैठक में उपस्थित कई महिलाओं को अपने विचार व्यक्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ा। बैठक के दौरान कथित तौर पर कुछ को चुप करा दिया गया।

गोली मारने के आरोप में तीन गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि 31 वर्षीय एक व्यक्ति को उसके प्रेमी के रिश्तेदारों ने कथित तौर पर हाथापाई के बाद गोली मार दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार रात करीब 8.30 बजे महंतेश नगर में हुई। पुलिस आयुक्त इदा मार्टिन मारबानियांग के अनुसार, मेडिकल सेल्स प्रतिनिधि प्रणीत कुमार और उसका प्रेमी एक अन्य दोस्त के घर पर डिनर पर कुछ बातें कर रहे थे, तभी महिला के रिश्तेदार जिसमें उसकी बहन और भाई शामिल थे, वहां आ गए और उनके और कुमार के बीच हाथापाई हो गई। महिला के एक रिश्तेदार ने पिस्तौल से दो राउंड फायर किए, जिसमें से एक गोली कुमार को लगी। घटनास्थल पर हुई घटना के बारे में बताते हुए इदा मार्टिन मारबानियांग ने बताया कि सबसे पहले कुमार अपने दोस्त के घर डिनर पर गया। वहां उसने एक महिला में अपनी रुचि और इस संबंध में उसे हुई कठिनाइयों के बारे में बताया। इसके बाद दोस्त ने महिला को फोन किया और उसे अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि जब महिला वहां पहुंची तो उसने और कुमार ने स्थिति पर चर्चा की। इसके बाद महिला के परिवार के सदस्य भी वहां पहुंच गए। जिसके बाद यह घटना हुई। पुलिस ने बताया कि एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

लोकायुक्त पुलिस ने पूर्व मुडा आयुक्त से की पूछताछ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) के पूर्व आयुक्त और आईएएस अधिकारी पी एस कांताराजू गुरुवार सुबह कथित मुडा घोटाले के सिलसिले में मैसूरु में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पहले आरोपी हैं। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, कांताराजू ने कहा मुझे 2017 में आयुक्त के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान मुडा की गतिविधियों का विवरण प्राप्त करने के लिए बुलाया गया था। सवाल सिद्धरामैया की पत्नी बी एम पार्वती की जमीन और उससे संबंधित मुआवजे से संबंधित थे। 2017 में एक बैठक में, हमने उन्हें मुआवजे के रूप में एक ऐसी जमीन देने का फैसला किया था जो विकसित नहीं हुई थी। उन्होंने कहा चूंकि मामले की जांच चल रही है, इसलिए मैं विवरण में नहीं जा सकता। अधिकारियों के रूप में, हमारी अपनी सीमाएं हैं। इससे पहले, मुडा के अन्य पूर्व आयुक्त एस पलैया, जी टी दिनेश कुमार और डी बी नटेश इसी मामले में लोकायुक्त पुलिस के समक्ष पेश हुए थे। मैसूरु के डिप्टी कमिश्नर और वर्तमान सांसद कुमार नाइक भी पेश हुए थे। लोकायुक्त एसपी टी जे उदेश टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे। लोकायुक्त पुलिस 27 सितंबर को सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। 25 सितंबर को, निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़े मामलों के लिए बेंगलूरु की एक विशेष अदालत ने मैसूरु स्थित आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर मैसूरु में अधिकार क्षेत्र वाले लोकायुक्त पुलिस को सिद्धरामैया और अन्य के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया। शिकायत के अनुसार, देवराजू ने 25 अगस्त 2004 को जमीन बी एम मल्लिकार्जुन स्वामी को बेच दी थी। इसके अलावा, इसे कृषि भूमि से गैर-कृषि भूमि में बदल दिया गया। 6 अक्टूबर 2010 को मल्लिकार्जुन स्वामी ने अपनी बहन, मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को जमीन उपहार में दे दी। पार्वती ने 2014 में मुडा को ज्ञापन सौंपकर मुडा द्वारा अधिग्रहित उक्त जमीन के मुआवजे की मांग की। 12 दिसंबर 2021 को तत्कालीन मुडा आयुक्त डी बी नटेश ने वैकल्पिक विकसित क्षेत्र पर 50:50 के अनुपात में 14 साइटें आवंटित कीं। पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर हुए घटनाक्रम के बाद, पार्वती ने 3 अक्टूबर को 14 साइटें मुडा को वापस कर दीं। इससे पहले मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले में कर्नाटक लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी जांच के बीच, सीएम सिद्धरामैया की पत्नी डीएम पार्वती और 11 अन्य के खिलाफ उन्हें उपहार में दी गई जमीन के स्वामित्व के संबंध में स्थानीय कोर्ट में एक सिविल याचिका दायर की गई है। यह याचिका मैसूरु में सातवें अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) के समक्ष जमुना द्वारा दायर की गई थी, जो मुडा घोटाले के चौथे आरोपी और जमीन के मालिक जे. देवराजू की भतीजी है। जमुना देवराजू के बड़े भाई मायलारैया की बेटी है।

जमुना ने अपनी याचिका में कहा है कि सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को उपहार में दी गई जमीन देवराजू की नहीं है। उन्होंने दावा किया कि उनके पिता दिवंगत माइलारैया ही असली मालिक थे। सीएम के साले मल्लिकार्जुन स्वामी ने देवराजू से जमीन खरीदकर अपनी बहन सीएम की पत्नी पार्वती को उपहार में दी थी। याचिकाकर्ता जमुना ने कहा कि उनके चाचा देवराजू ने जमीन को धोखाधड़ी से मल्लिकार्जुन स्वामी को बेच दिया था। जमीन उनके पिता माइलारैया के नाम पर थी। उन्होंने आरोप लगाया कि देवराजू ने उनकी मां और भाई मंजूनाथ स्वामी से उनके हस्ताक्षर ले लिए और कहा कि संपत्ति का स्वामित्व उनके नाम पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। बाद में इसे धोखाधड़ी से बेच दिया गया। उन्होंने कहा हमें मुआवजे की जरूरत है और इस संबंध में हमने अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिकाकर्ता जमुना ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से सीएम सिद्धरामैया के साले को उनकी जमीन बेचे जाने के बारे में पता चला और बाद में उन्होंने अदालत में मामला दर्ज कराया। जमुना के भाई मनुजनाथ स्वामी ने कहा है कि देवराजू ने उनके परिवार के साथ धोखाधड़ी की और उनकी जमीन को अपनी संपत्ति बताकर बेच दिया। इसलिए, उनके चाचा, मुडा मामले में आरोपी नंबर चार देवराजू, तीसरे आरोपी सीएम के साले मल्लिकार्जुन स्वामी और दूसरे आरोपी सीएम की पत्नी पार्वती और अन्य के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया गया है। उन्होंने दावा किया यह संपत्ति हमें अपने पिता से विरासत में मिली थी और इसे धोखाधड़ी से सीएम सिद्धरामैया के परिवार को बेच दिया गया। इस संबंध में मामला 21 अक्टूबर को दायर किया गया था और मामले की पहली सुनवाई उसी दिन और फिर 20 नवंबर को हुई थी। मामले की अगली सुनवाई 10 जनवरी, 2025 को तय की गई है।

बस पलटने से पांच छात्र घायल

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोप्पल जिले में गंगावती से लगभग 9 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में प्रगति नगर के पास गुरुवार को बस के सड़क से फिसल जाने से पांच स्कूली बच्चों को मामूली चोटें आईं। बस में 60 छात्र और कुछ शिक्षक सवार थे। वे विजयनगर जिले में विश्व धरोहर स्थल हम्पी के शैक्षणिक दौरे पर थे। गंगावती के पुलिस उपाधीक्षक सिद्धनगौड़ा पाटिल ने कहा कि चालक के नियंत्रण खो देने के बाद बस पलट गई। यह घटना सुबह 4 बजे के आसपास हुई। पांच छात्रों को मामूली चोटें आईं। हमने उनके लिए यादगीर जिले में उनके मूल स्थान गुरुमितकल वापस जाने की वैकल्पिक व्यवस्था की है।

अस्पताल से बच्चे का अपहरण करने के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर की पुलिस ने गुलबर्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस) से अपहृत एक बच्चे को तीन महिलाओं को गिरफ्तार करके बचाया है। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान उमरा एवेज शेख, नसरीन बानू अब्दुल रहीम और फातिमा फैयाज शेख के रूप में हुई है, जो सभी कलबुर्गी की निवासी हैं। पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस डी ने बताया कि उन्होंने सोमवार को नर्सों के वेश में अस्पताल में घुसकर रामकृष्ण सागर और कस्तूरी के बच्चे का अपहरण कर लिया था। उन्होंने कहा कि आरोपी के एक रिश्तेदार के पिछले 6-7 सालों से कोई बच्चा नहीं था और लड़के को गोद लेने के लिए दिशा-निर्देश आड़े आ रहे थे। इसलिए, उन्होंने एक बच्चे का अपहरण करने का फैसला किया और अपने रिश्तेदार से 50,000 रुपये में सौदा किया। आयुक्त ने कहा कि बच्चे को बचाने के अभियान में 800 से अधिक पुलिस अधिकारी और पुलिस कांस्टेबल शामिल थे। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और स्थानीय लोगों द्वारा दी गई जानकारी काम आई।

बदल सकता है कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष का चेहरा!

गृह मंत्री ने जताई संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में मंत्रिमंडल के चेहरों में बदलाव की चर्चा के बीच गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को होनी है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वे इसे लेकर निश्चित नहीं हैं कि इस बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया या उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पार्टी हाईकमान के सामने कैबिनेट में बदलाव का मुद्दा उठाएंगे। हालांकि, परमेश्वर ने कहा कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के चेहरे में बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका फैसला फिलहाल मुख्यमंत्री और पार्टी हाईकमान के पास है।

मौजूदा समय में डीके शिवकुमार केपीसीसी अध्यक्ष हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री से जब पूछा गया कि अगर कैबिनेट में बदलाव होता है तो वह कौन सा पद मिलने की उम्मीद कर रहे हैं, तो परमेश्वर ने कहा कि यह सब पार्टी हाईकमान के फैसले पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा अब तक तो हमने वही किया है, जो उन्होंने हमसे कहा। आगे भी वो जो जिम्मेदारी देंगे, मैं उसे लेने के लिए तैयार रहूंगा।

मैं पार्टी के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार हूं।

कर्नाटक के कथित मुडा घोटाले को लेकर सवाल पर कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा कि जांच लोकायुक्त की तरफ से की जा रही है तो जांच चलने दीजिए। गौरतलब है कि मुडा साइट आवंटन मामले की जांच कर रही लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को अपने पूर्व आयुक्त पीएस कांताराजू से पूछताछ की। सितंबर 2017 से लेकर नवंबर 2019, दो से अधिक वर्षों तक कांताराजू मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) आयुक्त थे। जांच के विवरण साझा नहीं किए गए हैं। बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उनकी पत्नी पार्वती बीएम और उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी समेत कई इस मामले के आरोपी हैं। कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय इस कथित घोटाले की जांच कर रही है।

भाजपा गुट की लड़ाई पर रोक लगाने के लिए कोर कमेटी की बैठक 3 दिसंबर को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भाजपा में गुटबाजी के तूल पकड़ने के बाद 3 दिसंबर को कोर कमेटी की अहम बैठक होगी। मल्लेश्वरम में पार्टी कार्यालय में होने वाली इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, राष्ट्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य येदियुरप्पा और अन्य भी भाग लेंगे।

बताया जा रहा है कि 9 दिसंबर से बेलगावी में शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र के दौरान विधानमंडल के दोनों सदनों विधानसभा और विधान परिषद में चर्चा होने वाले मुद्दों पर कोर कमेटी की बैठक होगी। दरअसल, कहा जा रहा है कि भाजपा में विजयेंद्र और बसनगौड़ा पाटिल यतनाल गुट सड़क पर लड़ रहे हैं और ऐसा लग रहा है जैसे मैं एक किनारा हूं और आप दूसरा किनारा हैं।

आने वाले दिनों में सामंजस्य बिठाने के लिए बैठक हो रही है। हाल ही में तीन निर्वाचन क्षेत्रों में हुए उपचुनावों में, भाजपा दो सीटों पर हार गई, जबकि उसकी सहयोगी जेडीएस भी चन्नपट्टना में हार गई। बताया जा रहा है कि कोर कमेटी पार्टी को संगठित करने पर चर्चा कर रही है, क्योंकि पदाधिकारियों को बदलने की मांग हो रही है। पार्टी के सूत्रों ने कहा कि महासचिव तरुण कुछ मौजूदा पदाधिकारियों से छुटकारा पाने और उन लोगों को नियुक्त करने का प्रयास करेंगे जो भाजपा और संघ परिवार के प्रति वफादार हैं और किसी भी प्रकार के भ्रम की स्थिति के बिना समन्वय सुनिश्चित करेंगे। विजयेंद्र, जो पहले ही पदाधिकारियों को बदलने का संकेत दे चुके हैं, संभावना है कि वह पार्टी के वफादारों को पदाधिकारी नियुक्त कर सकते हैं। भाजपा के अंदर चल रहे कुछ घटनाक्रमों के बीच 3 दिसंबर को होने वाली कोर कमेटी की बैठक का राजनीतिक महत्व बढ़ गया है। ज्ञातव्य है कि राज्य भाजपा में गुटबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। भाजपा में दो गुटों ने खुलेआम जंग का ऐलान कर दिया है और आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। यतनाल और विजयेंद्र का गुट पार्टी के संगठन पर गंभीर असर डाल रहा है और वरिष्ठों की चुप्पी को लेकर आलोचना भी शुरू हो गई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर वरिष्ठों की चुप्पी की वजह क्या है। यह पहली बार नहीं है कि यतनाल ने प्रदेश भाजपा नेतृत्व के खिलाफ बगावत की है। जब बीएस येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री थे तब यतनाल ने येदियुरप्पा पर कई गंभीर आरोप भी लगाए थे। साथ ही विजयेंद्र प्रशासन में किस तरह से दखल दे रहे हैं, इस पर भी गंभीर आरोप लगाए थे। उस अवसर पर, यतनाल अकेले ही बीएसवाई परिवार के खिलाफ बिगुल फूंक रहे थे। लेकिन तब भी उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। यतनाल ने येदियुरप्पा के खिलाफ वरिष्ठ नेताओं से शिकायत की, लेकिन केवल नोटिस जारी किया गया, कोई गंभीर कार्रवाई नहीं की गई। राज्य नेतृत्व को यतनाल के खिलाफ कार्रवाई करने की इजाजत नहीं है। यह केंद्रीय अनुशासन समिति के दायरे में आता है। उस वक्त केंद्र के नेताओं ने भी यतनाल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। उन्होंने सिर्फ बहाना बनाकर नोटिस देकर अपना पल्ला झाड़ लिया। यतनाल ने इसका जवाब दिया और हमेशा की तरह बीएसवाई परिवार के खिलाफ अपना हमला जारी रखा। राज्य में हो रहे विकास पर वरिष्ठों के चुप रहने से यतनाल को भी ताकत मिली। यतनाल टीम भी अब बढ़ रही है। इस टीम में रमेश जारकीहोली, बीपी हरीश, कुमार बंगारप्पा समेत कई नेता शामिल हुए हैं। प्रताप सिम्हा भी लगातार नजर आ रहे हैं। अब यतनाल तेज आवाज में विजयेंद्र गुट को चुनौती दे रहे हैं।

जेडीएस-भाजपा विधायकों को कोई खरीदने को तैयार नहीं : गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि जेडीएस-भाजपा विधायकों को कोई खरीदने को तैयार नहीं है। इसलिए उनके एकजुटता प्रदर्शन से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आमतौर पर जब हम दुकानों पर जाते हैं तो कुछ खरीदने का इरादा रखते हैं। यदि यह बिक्री के लिए नहीं है, तो कीमत नहीं पूछी जाएगी। इसी तरह हम विधायकों को खरीदने के लिए तैयार नहीं हैं। विधायक सीपी योगेश्वर ने बेशक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इसे गंभीरता से लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस कार्यकारिणी की बैठक है। इसमें मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार हिस्सा लेने वाले हैं। मांड्या में शराब की दुकान के लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए आबकारी विभाग के अधिकारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। अगर कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हैं तो मेरा सुझाव है कि तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त से शिकायत की गई तो जांच होगी। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि बेलगावी में ही आपराधिक गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की गतिविधियां बढ़ने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

कलबुर्गी की महिला मुख्य जेल अधीक्षक को धमकी भरा संदेश मिला

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला जेल की मुख्य जेल अधीक्षक आर. अनीता को एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरा ऑडियो संदेश मिला है, जिसमें धमकी दी गई है कि उनकी कार को विस्फोटकों से उड़ा दिया जाएगा। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, धमकी भरा संदेश कलबुर्गी के एक पुलिस इंस्पेक्टर को उनके मोबाइल फोन पर ऑडियो रिकॉर्डिंग के रूप में भेजा गया था। बाद में यह जानकारी अनीता को दी गई।

जवाब में, उनकी सरकारी गाड़ी को लगातार सीसीटीवी निगरानी में रखा गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्य जेल अधीक्षक अनीता ने गुरुवार को कहा कि संदेश भेजने वाले की पहचान अज्ञात है। अनीता ने कहा मुझे इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी दे दी गई है और हमें सतर्क रहना चाहिए। हालांकि, चूंकि मुझे व्यक्तिगत रूप से कोई धमकी भरा संदेश या कॉल नहीं मिला है, इसलिए मैंने कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। उन्होंने कहा अगर मुझे अपने निजी या आधिकारिक फोन पर कोई धमकी भरा कॉल या संदेश मिलता है, तो मैं शिकायत दर्ज कराऊंगी। इस घटना ने अधिकारियों और जेल कर्मचारियों के बीच चिंता पैदा कर दी है। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया कि वे संदेश के स्रोत का पता लगा रहे हैं और जांच शुरू कर दी है। संदेह है कि यह धमकी जेल के भीतर अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए अनीता के हालिया प्रयासों से जुड़ी है। हाल ही में,

कलबुर्गी जेल में कुछ कैदियों को तरजीह दिए जाने की खबरें सामने आईं, जिसके बाद एडीजीपी जेल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया। डेढ़ महीने पहले कार्यभार संभालने के बाद से, अनीता ने जेल परिसर के अंदर गुटखा, बीड़ी और सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने सहित ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए सख्त उपाय लागू किए हैं। इन सुधारों को कैदियों की ओर से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, विचाराधीन कैदियों और कैदियों ने नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध के बावजूद, अनीता दृढ़ रहीं और उपायों में ढील देने से इनकार कर दिया। उन्होंने प्रभावशाली कैदियों को पहले दिए जाने वाले तरजीही व्यवहार को भी समाप्त कर दिया। यह संदेह है कि इन सख्त उपायों से नाखुश असंतुष्ट कैदियों द्वारा धमकी भरा संदेश दिया गया हो सकता है। एक अलग घटनाक्रम में, अनीता पर एक कैदी से फोनपे के माध्यम से कथित तौर पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया है। मुस्तफा की बहन अनीसा द्वारा लगाए गए आरोप में दावा किया गया है कि अनीता ने मुस्तफा से 25,000 रुपये मांगे और 10,000 रुपये अनीता के खाते में ट्रांसफर किए गए, जबकि 2,000 रुपये उसके ड्राइवर श्रीकांत के खाते में भेजे गए। सुप्रीम कोर्ट, गृह मंत्रालय और मुख्यमंत्री के सचिव को संबोधित शिकायत की एक प्रति सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। अनीता ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि जेल में लागू किए गए सख्त उपायों के कारण आरोप उन्हें ब्लैकमेल करने का प्रयास है। अनीता ने कहा वे सुधारों को बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने खुद ही पैसे ट्रांसफर कर लिए और अब मुझे ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहे हैं। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में पहले ही शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है।

महिला से शादी करने पर व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या, 6 गिरफ्तार

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने गुरुवार को चित्रदुर्ग जिले में 20 वर्षीय महिला से भागकर शादी करने वाले 40 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया और 20 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। गिरफ्तार किए गए लोग महिला के परिवार के सदस्य हैं। मृतक की पहचान चित्रदुर्ग शहर के पास कोनानूरू गांव के निवासी मंजूनाथ के रूप में हुई है। मामले की जांच कर रही भरमसागर पुलिस ने 20 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है और बाकी की तलाश शुरू कर दी है। मंजूनाथ की यह दूसरी शादी थी, इससे पहले उसने शिल्पा नाम की महिला से शादी की थी और उसे धोखा दिया था। शिल्पा ने अपने घर पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी और इस मामले में मंजूनाथ को जेल हो गई थी। पुलिस के अनुसार, जेल से बाहर आने के बाद, उसने 20 वर्षीय महिला के साथ संबंध बनाए और वह उससे बेहद प्यार करती थी। मंजूनाथ ने 20 दिन पहले नायकनहट्टी के होसागुड्डा मंदिर में महिला से भागकर शादी कर ली। इस घटना से हैरान महिला के परिवार ने उसे मारने की योजना बनाई और अपनी बेटी और मंजूनाथ को आश्वस्त किया कि वे उनके लिए विवाह समारोह का आयोजन करेंगे। वे महिला को वापस अपने घर ले गए और जब बुधवार को मंजूनाथ उनके घर पहुंचा, तो उनकी पत्नी के परिवार के सदस्यों ने उन पर लाठी, लोहे की छड़ों से हमला कर दिया और उन्हें मार डाला। घटनास्थल पर पहुंचे चित्रदुर्ग के एसपी रंजीत कुमार बंडारू ने कहा कि मृतक के माता-पिता पर भी समूह ने हमला किया और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंजूनाथ की मौत के बाद, मृतक और महिला के बीच कथित तौर पर हुई बातचीत का एक ऑडियो सामने आया है। ऑडियो क्लिप में वह मंजूनाथ को अपने घर आने और उसे अपने साथ ले जाने के लिए मजबूर करती हुई सुनाई दे रही है, नहीं तो वह अपनी जान दे देगी। अंत में, मंजूनाथ उसे अपने साथ ले जाने के लिए सहमत हो जाता है। पुलिस ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

कर्नाटक कांग्रेस के मंत्री मंत्रिमंडल फेरबदल से पहले लॉबिंग में जुटे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस के मंत्री और कैबिनेट में जगह पाने के इच्छुक लोग दिसंबर के आखिरी हफ्ते में शीतकालीन सत्र के बाद होने वाले फेरबदल से पहले जोरदार लॉबिंग में लगे हुए हैं। तीन विधानसभा सीटों के उपचुनाव में मिली शानदार जीत से उत्साहित मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार करीब आठ खराब प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों को कैबिनेट से हटाने और नए चेहरे शामिल करने की कवायद में जुटे हैं।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस हाईकमान ने पहले ही कैबिनेट में फेरबदल के लिए हरी झंडी दे दी है और सिद्धरामैया उपचुनाव के बाद ऐसा करने के इच्छुक हैं, ताकि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) और आदिवासी कल्याण निगम मामलों में उनके खिलाफ कथित भ्रष्टाचार और पक्षपात के आरोपों के मद्देनजर अपनी स्थिति मजबूत कर सकें। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि कैबिनेट में फेरबदल का मामला पूरी तरह से मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री आमतौर पर निर्णय लेने से पहले कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष से सलाह लेते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आलाकमान के साथ भी चर्चा होगी, लेकिन उन्हें नहीं पता कि वे मिलकर क्या निर्णय ले सकते हैं। हमारा आलाकमान मंत्रियों के कामकाज पर रिपोर्ट मांगेगा। यह पार्टी का आंतरिक मामला है जिसका उद्देश्य सुशासन सुनिश्चित करना है। मैंने पिछले 1.4 वर्षों में जो कुछ किया है, उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। वे इसका आकलन करेंगे। सूत्रों ने कहा कि सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली पहले ही इस संबंध में आलाकमान के नेताओं से मिल चुके हैं। इस घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए मंत्री सतीश ने बुधवार को कहा था कि मंत्रिमंडल में फेरबदल का अंतिम निर्णय नई दिल्ली में लिया जाएगा। उन्होंने कहा मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना है और बिना किसी बदलाव के मौजूदा मंत्रिमंडल को जारी रखने का निर्णय भी लिया जा सकता है।

अगर निर्णय लिया जाता है और हमें मंत्रिमंडल से हटा दिया जाता है, तो हमें बेंगलूरु में अपने आवास खाली करने होंगे और अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वापस आना होगा। मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है। जब मुझे पता चलेगा, तो मैं टिप्पणी करूंगा। कृपया इस मामले के बारे में मुख्यमंत्री या हमारे एआईसीसी महासचिव से पूछें। मंत्रियों को पद छोड़ने के लिए कहने की खबरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने स्पष्ट किया यह तत्काल नहीं है। इसके लिए अभी समय है।

मुल्की ट्रेन में हत्या के आरोप में सीरियल किलर गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने खुलासा किया है कि हरियाणा निवासी राहुल, जिसे बोल कर्मवीर ईश्वर जाट के नाम से भी जाना जाता है, 25 अक्टूबर को हुई एक ट्रेन हत्या में शामिल है। बताया जाता है कि राहुल का चिक्कबल्लापुर निवासी मौजाम के साथ सिगरेट को लेकर झगड़ा हुआ था और बाद में उसने मौजाम की गला घोंटकर हत्या कर दी।

इसके बाद वह पीड़ित का मोबाइल फोन, बैग और नकदी लेकर भाग गया। राहुल, एक कुख्यात अंतरराज्यीय सीरियल अपराधी है, जो बलात्कार, हत्या और ट्रेन यात्रियों को निशाना बनाकर लूटपाट सहित कई अपराधों के लिए गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और हरियाणा में वांछित है। उसके जघन्य अपराधों में पुणे में मानसिक रूप से बीमार नाबालिग लड़की का बलात्कार और गुजरात के वापी जिले के उदवाड़ा

रेलवे स्टेशन के पास 19 वर्षीय लड़की का बलात्कार और हत्या शामिल है। जमानत पर रिहा होने के बाद, राहुल ने अपनी आपराधिक गतिविधियों को फिर से शुरू कर दिया। एक अन्य मामले में, राहुल पर 19 नवंबर को पश्चिम बंगाल में कटिहार एक्सप्रेस ट्रेन में एक 60 वर्षीय व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या करने का आरोप है, जिसका मामला हावड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज है। वलसाड, वापी, सूरत और उदवाड़ा की पुलिस ने उसका पता लगाने के लिए 2,000 से अधिक सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की समीक्षा की। आखिरकार सूरत सेंट्रल जेल के एक अधिकारी ने उसकी पहचान की और रेलवे और सूरत पुलिस के संयुक्त अभियान में उसे पकड़ लिया। राहुल ने तेलंगाना में एक महिला की हत्या करने की बात भी कबूल की।

प्रियांक खड़गे ने जापानी कंपनी द्वारा उडुपी स्थित निवेयस सॉल्यूशंस के अधिग्रहण की सराहना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खड़गे ने जापानी प्रौद्योगिकी प्रमुख एनटीटी डेटा द्वारा उडुपी स्थित निवेस सॉल्यूशंस के अधिग्रहण की सराहना की और इसे राज्य के उभरते प्रौद्योगिकी परिदृश्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। इस सौदे को कर्नाटक की बढ़ती तकनीकी क्षमता का प्रमाण बताते हुए, खड़गे ने इस बात पर जोर दिया कि यह अधिग्रहण राज्य सरकार की बेंगलूरु से परे पहल को रेखांकित करता है, जिसका उद्देश्य छोटे क्षेत्रों में तकनीकी नव-ाचार को बढ़ावा देना है। इस रणनीतिक अधिग्रहण में एनटीटी डेटा द्वारा अज्ञात राशि में निवेस सॉल्यूशंस का अधिग्रहण करना शामिल है, जिसमें क्लाउड आधुनिकीकरण, डेटा इंजीनियरिंग

और कृत्रिम बुद्धिमत्ता में विशेषज्ञता वाले लगभग 1,000 गूगल क्लाउड प्लेटफॉर्म (जीसीपी) इंजीनियरिंग पेशेवर शामिल होंगे। खड़गे ने क्षेत्र के बढ़ते तकनीकी महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा यह 2021 में टेक्नोप्रो द्वारा रोबोसॉफ्ट टेक के अधिग्रहण के बाद उडुपी से किसी जापानी प्रौद्योगिकी दिग्गज द्वारा किसी कंपनी का अधिग्रहण करने का दूसरा उदाहरण है। मंत्री ने बताया कि यह सौदा कर्नाटक की तकनीकी प्रतिभा में वैश्विक विश्वास को दर्शाता है और दर्शाता है कि नवाचार न केवल बेंगलूरु में बल्कि राज्य के छोटे तकनीकी समूहों में भी फल-फूल रहा है। एनटीटी डेटा के अधिग्रहण का उद्देश्य कई उद्य-ोगों में परिवर्तनकारी क्लाउड समाधानों की वैश्विक मांग को पूरा करना है, जिससे कंपनी उन्नत क्लाउड इंजीनियरिंग क्षमताओं का लाभ उठा सके।

केएमएफ ने एक करोड़ लीटर दूध संग्रहण का बनाया रिकार्ड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक दूध महामंडल के प्रबंध निदेशक एम.के.जगदीश ने कहा कि महामंडल की शुरुआत 1974 में विश्व बैंक योजना के माध्यम से की गई थी और यह दूध उत्पादन के लिए डेयरी विकास गतिविधियों का आयोजन करके कार्य कर रहा है। कर्नाटक दुग्ध महामंडल विश्व व्यापार समझौते के बाद राज्य के ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों को लाभकारी मूल्य और निरंतर बाजार उपलब्ध कराने तथा वैश्विक बाजार की मांग के अनुसार उपभोक्ताओं को समय पर शुद्ध दूध और बेहतर दुग्ध उत्प-ादों की आपूर्ति करने की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा रहा है।

वर्तमान में कर्नाटक दुग्ध महामंडल के तहत 16 जिला दुग्ध संघों में 15,840 प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां काम कर रही हैं, जो 24,356 गांवों को कवर करती हैं और राज्य में 26.89 लाख ग्रामीण किसान इन दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों के पंजीकृत सदस्य हैं, जिनमें 10.17 लाख महिला सदस्य शामिल हैं। 4,644 दुग्ध उत्पादक महिला सहकारी समितियों सहित कुल 27 लाख दुग्ध उत्पादक सदस्य पंजीकृत हैं। उत्पादकों से प्रतिदिन 90 लाख लीटर दूध एकत्र किया जाता है और 29 करोड़ रुपये की राशि डिलीवरी के माध्यम से सीधे उत्पादकों को दी जाती है।

प्रसंस्कृत दूध को मांग के अनुसार राज्य के भीतर, राज्य के बाहर और विदेशों में बेचा जा रहा है। 28 जून को रिकॉर्ड 1 करोड़ लीटर दूध एकत्र कर इतिहास रचा गया। प्रति दिन औसतन 80 लीटर से अधिक दूध का उत्पादन करने वाले 1,377 प्रगतिशील डेयरी किसानों की पहचान करने के लिए, नवीनतम आधुनिक डेयरी खेती, प्रौद्योगिकी, कम लागत थन प्रबंधन, विभिन्न प्रकार के पशु आहार और हरे चारे का उपयोग आदि पर एक तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई। साथ ही, देश में डेयरी फार्मिंग के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की 103वीं जयंती के अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा प्रजनन, प्रबंधन, रोग नियंत्रण, चारा, साइलेज निर्माण और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर सेमिनार आयोजित किया गया।

उपलब्ध ऋण सुविधाओं एवं अन्य विषयों की जानकारी देने के लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा एक सेमिनार का भी आयोजन किया गया। जिसमें पशुपालन मंत्री के.वेंकटेश ने ज्योति उमेश, (मैसूरु मिल्क यूनियन, औसत दैनिक उत्पादन 1323 लीटर दूध) प्रकाशदेसाई (विजयपुर मिल्क यूनियन, औसत दैनिक उत्पादन 821 लीटर) डॉ. मंजूनाथ.एस, (बेंगलूरु मिल्क यूनियन, औसत दैनिक उत्पादन 761 लीटर) और संतोषकुमार.आर (मंड्याला यूनियन, दैनिक औसत 661 लीटर) समेत अन्य को जिला दुग्ध संघों को सबसे अधिक दूध की आपूर्ति करने वाले दूध उत्पादक के रूप में भी मान्यता देते हुए सम्मानित किया।

जीटी देवेगौड़ा ने रेवन्ना के झूठे दावों पर गंभीर आपत्ति जताई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस के वरिष्ठ नेता जी.टी. देवेगौड़ा ने पार्टी नेता एच.डी. रेवन्ना पर पलटवार किया है, जिन्होंने दावा किया था कि अगर केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने हस्तक्षेप नहीं किया होता, तो उन्हें और उनके बेटे जी.डी. हरीश गौड़ा को 2017 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए झूठे मामले में गिरफ्तार कर लिया जाता। मैसूरु में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, गौड़ा ने रेवन्ना के झूठे दावों पर गंभीर आपत्ति जताई और कहा कि न तो वह और न ही उनका बेटा कभी किसी अवैध गतिविधि में

शामिल थे, जिसके लिए उनकी गिरफ्तारी की जरूरत थी। होलेनरसीपुरा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जेडी(एस) नेता द्वारा इस तरह के सार्वजनिक बयानों से जनता में गलत संदेश जाएगा, इस ओर इशारा करते हुए गौड़ा ने कहा कि वह अगले महीने बेलगावी में होने वाले राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान रेवन्ना से भिड़ेंगे और मीडिया के सामने दिए गए उनके बयानों पर उनसे स्पष्टीकरण मांगेंगे। गौड़ा ने याद किया कि भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने उन्हें कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड (केएचबी) का अध्यक्ष नियुक्त किया था। उन दिनों स्थानीय कांग्रेस और जेडी(एस) नेताओं ने उन पर केएचबी में अनियमितताओं का झूठा आरोप लगाया था और उनके खिलाफ जांच की मांग की थी। स्थानीय कांग्रेस और जेडी(एस) नेताओं द्वारा उनके खिलाफ लगातार बदनामी अभियान चलाए जाने के बावजूद गौड़ा ने कहा कि उन्होंने किसी नेता से संपर्क नहीं किया और मदद नहीं मांगी। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या रेवन्ना मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की ओर इशारा कर रहे थे, जिन्होंने 2017 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार का नेतृत्व भी किया था, जो उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयासों के पीछे थे, गौड़ा ने कहा कि सिद्धरामैया ने राजनीतिक रूप से उनका विरोध किया हो सकता है, लेकिन वह इस तरह की संकीर्णता पर उतरकर उन्हें जेल भेजने की साजिश नहीं करेंगे। जब गौड़ा का ध्यान रेवन्ना के इस कबूलनामे की ओर आकर्षित किया गया कि 2006-07 में अपने पिछले गठबंधन के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा भाजपा को सत्ता सौंपने के रास्ते में वे ही आए थे, तो गौड़ा ने कहा कि यह एक तथ्य है कि रेवन्ना ने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा को भाजपा को सत्ता हस्तांतरित करने के खिलाफ राजी किया था। कारण पूछे जाने पर गौड़ा ने दावा किया कि रेवन्ना येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा-जद(एस) गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते थे, लेकिन पार्टी विधायक कुमारस्वामी को यह जिम्मेदारी सौंपने के पक्ष में थे। गौड़ा ने कहा कि जब यह स्पष्ट हो गया कि वे डीसीएम नहीं बन रहे हैं, तो रेवन्ना ने गठबंधन तोड़ने के लिए जद(एस) सुप्रीमो पर दबाव डाला।

डीवाईएफआई ने पुलिस कमिश्नर के इस्तीफे की मांग को लेकर किया सड़क जाम

प्रदर्शन के दौरान एएसआई घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के सदस्यों ने गुरुवार को पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर राव और राव सर्किल पर सड़क जाम कर प्रदर्शन किया।

यह प्रदर्शन 27 नवंबर को कुलूर में प्रदर्शन की अनुमति न मिलने के बाद किया गया, जहां पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की थी।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस कमिश्नर के खिलाफ नारे लगाए गए। प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम करने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रदर्शन के बाद तुरंत यातायात को सुचारू कर दिया गया। इस बीच, प्रदर्शन के दौरान सहायक उपनिरीक्षक मुथप्पा को चोटें आईं और उन्हें पुलिस वाहन में अस्पताल ले जाया गया।

प्रस्ताव ठुकराने पर नर्स पर हमला करने वाला गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी के एक निजी अस्प-ताल में एक युवक ने एक नर्स पर हमला किया, जिससे वह घायल हो गई। प्रकाश जाधव ने महिला पर उस समय चाकू से हमला किया जब वह अस्पताल में काम कर रही थी।

वह इस बात से नाराज था कि उसने उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उसने उससे मुकाबला किया और अपनी जान बचाकर भाग निकली। पुलिस ने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, लेकिन वह खतरे से बाहर है। वह उसका पड़ोसी था और बार-बार उससे शादी करने के लिए कहता था। लगातार मना करने पर, उसने उसके पिता से संपर्क किया, लेकिन उसे उससे दूर रहने को कहा गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस कांस्टेबल ने आत्महत्या की कोशिश की

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेलगावी में गुरुवार को आत्महत्या करने की कोशिश कर रहे एक पुलिस कांस्टेबल को उसके सहकर्मियों ने बचा लिया। विट्ठल मुन्नाल के पास से एक हस्तलिखित नोट बरामद किया गया, जिसमें उसने अपने वरिष्ठ अधिकारी, सर्कल इंस्पेक्टर धारेगौड़ा पाटिल द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पत्र में, मुन्नाल ने आरोप लगाया कि पाटिल नियमित रूप से अपने कनिष्ठों को परेशान करते थे,

महिला अधीनस्थों का अपमान करते थे, रिश्वत लेने के लिए कनिष्ठों का इस्तेमाल करते थे और सहकर्मियों के खिलाफ जातिवादी गालियाँ देते थे। इंस्पेक्टर ने ऐसा करने से इनकार करने वालों को दंडित करने का कार्यक्रम निर्धारित किया। उन्होंने कार्यालय में निरंकुश तरीकों का इस्तेमाल किया। उन्होंने उन लोगों को भी अनुपस्थित चिह्नित किया, जो उपस्थित थे, लेकिन उनके तरीकों से सहमत नहीं थे। मुन्नाल ने कहा कि उन्होंने पुलिस शिकायत प्राधिकरण सहित शहर और राज्य स्तर पर अपने वरिष्ठों को पत्र की प्रतियां भेजी हैं।

करारी हार के बाद महाविकास अघाड़ी में फूट की आवाज

अब उद्धव सेना और कांग्रेस अलग अलग चुनाव लड़ेगी

मुंबई, 28 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद महाविकास अघाड़ी (मविआ) के सहयोगी दलों में दरारें उभरने लगी हैं। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने आगामी चुनाव अकेले लड़ने के संकेत दिए हैं। शिवसेना (यूबीटी) की बैठक में कार्यकर्ताओं ने महाविकास अघाड़ी के साथ गठबंधन जारी रखने पर सवाल उठाते हुए स्वतंत्र चुनाव लड़ने की मांग की है। वहीं, कांग्रेस ने भी इसे स्वीकार करते हुए अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी का इशारा दिया है।

बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) ने बांद्रा स्थित मातोश्री बंगले पर पार्टी पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि महाविकास अघाड़ी में रहकर चुनाव लड़ने से शिवसेना (यूबीटी) को नुकसान हुआ है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव अपने बल पर लड़ने की मांग की है। हालांकि, पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने अभी तक इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

शिवसेना (यूबीटी) के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि महाविकास अघाड़ी को विधानसभा चुनाव में भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, हम इस नुकसान के कारणों पर चर्चा के लिए बैठक करेंगे, लेकिन अगर शिवसेना (यूबीटी) अलग होकर चुनाव लड़ने का विचार करती है, तो कांग्रेस भी इसके लिए तैयार है। वडेट्टीवार ने आगे कहा कि

आगामी चुनाव अलग-अलग लड़ने से कांग्रेस को 288 विधानसभा क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने का मौका मिलेगा।

महाविकास अघाड़ी के तीन मुख्य घटक दल शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी के बीच अब चुनावी हार के बाद खुलकर मतभेद सामने आ रहे हैं। गठबंधन में समन्वय की कमी और अलग-अलग रणनीतियों ने अघाड़ी के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के स्वतंत्र चुनाव लड़ने की घोषणाओं से गठबंधन में बड़ी फूट के संकेत मिल रहे हैं।

महाविकास अघाड़ी में बढ़ते असंतोष के बाद अंदर की कलह अब राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महाविकास अघाड़ी की चुनावी हार के बाद दलों के बीच बढ़ता असंतोष गठबंधन के टूटने का कारण बन सकता है। आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले यह स्थिति महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकती है। ऐसा माना जा रहा है कि शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता उद्धव ठाकरे पर एमवीए से अलग हो जाने का दबाव बनाने लगे हैं। उद्धव ठाकरे के साथ हुई बैठक में 20 शिवसेना (यूबीटी) के विधायकों में से ज्यादातर ने अनुरोध किया कि उन्हें अब एमवीए से अलग हो जाना चाहिए।

शिवसेना (यूबीटी) का जमीनी कैडर बिखर गया है और विधानसभा चुनावों में एकनाथ शिंदे की सेना के साथ नजर आया है। हालांकि उद्धव ठाकरे के साथ-साथ पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता जैसे आदित्य ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्ष पेश करन के लिए गठबंधन बनाए रखने के इच्छुक हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने कहा, हमारे कई विधायकों का मानना है कि शिवसेना (यूबीटी) के लिए स्वतंत्र रास्ता अपनाने, अपने दम पर चुनाव लड़ने और किसी गठबंधन पर निर्भर न रहने का समय आ गया है। शिवसेना का कभी भी सत्ता के पीछे भागने का इरादा नहीं था। यह (सत्ता) स्वाभाविक रूप से तब आएगी जब हम अपनी विचारधारा पर अडिग रहेंगे।

शिवसेना (यूबीटी) के लिए विधानसभा चुनाव के नतीजे सबसे बड़ा झटका थे, जिसमें एमवीए की 46 सीटों (सेना-यूबीटी की 20, कांग्रेस की 16 और एनसीपी-एसपी की 10 सीटों सहित) की संख्या शिंदे सेना की संख्या से कम थी। सेना (यूबीटी) को 9.96 फीसदी वोट मिले, जो शिंदे सेना से लगभग 3 फीसदी कम है। यह छह महीने पहले के लोकसभा नतीजों मुकाबले बहुत बढ़ी गिरावट है। जब शिवसेना (यूबीटी) को 16.72 फीसदी वोट मिले थे।

अब शिवसेना (यूबीटी) नेताओं का मानना है कि एमवीए को छोड़कर अकेले चलना ही पार्टी के लिए अपने आधार से जुड़ने और इसे शिंदे सेना की ओर जाने से रोकने का एकमात्र तरीका है। हाल ही में हुए चुनावों में हारे एक सेना (यूबीटी) उम्मीदवार ने कहा, सेना ने हमेशा मराठी क्षेत्रवाद और हिंदुत्व को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस और एनसीपी का झुकाव ज्यादा धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी है। भाजपा की शानदार सफलता को देखते हुए, जिसका श्रेय कई लोग हिंदू वोटों के एकीकरण को देते हैं, कांग्रेस और एनसीपी को समायोजित करने के लिए हिंदुत्व के प्रति झुकाव कम होने को लेकर सेना (यूबीटी) के भीतर चिंता बढ़ रही है।

11 महीने में 994 बार मिली विमान को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। साल 2024 में भारत में विभिन्न एयरलाइनों के करीब 1000 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली हैं। केंद्रीय उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया भारत में विभिन्न एयरलाइनों को 994 बम की धमकियां मिलीं, जो सभी फर्जी साबित हुईं।

मोहोल ने बताया कि अगस्त 2022 से लेकर 13 नवंबर 2024 तक कुल 1,143 बम धमकी भरे कॉल या संदेश प्राप्त हुए। इनमें से 27 धमकियाँ अगस्त से दिसंबर 2022 के बीच आईं, जबकि 2023 में ये संख्या बढ़कर 122 हो गई। सबसे अधिक, जनवरी 2024 से लेकर नवंबर 2024 तक, कुल 994 धमकियां मिलीं। इन फर्जी धमकियों के खतरे का सामना करने के लिए मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम-1982 और विमान (सुरक्षा) नियम-2023 में संशोधन करने की योजना बनाई है। इस योजना के तहत हर हवाईअड्डे पर एक विशेष समिति तैनात की गई है जो बम धमकी के खतरों का आकलन करती है और आवश्यक कार्रवाई करती है।

यासीन मलिक से जुड़े हत्या-अपहरण का केस दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद आतंकवादी यासीन मलिक के दो महत्वपूर्ण केस जम्मू से दिल्ली स्थानांतरित किए जाने की सीबीआई की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यासीन मलिक से जवाब मांगा है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने 14 दिसंबर तक यासीन मलिक से जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

जम्मू की एक निचली अदालत ने यासीन मलिक को मुकदमे की कार्यवाही में शारीरिक रूप से उपस्थित होने के लिए कहा था। इसके बाद सीबीआई ने निचली आदेश को कोर्ट में चुनौती दी और कहा कि अगर यासीन मलिक को दिल्ली के तिहाड़ जेल से जम्मू ले जाया जाता है तो उसकी सुरक्षा को खतरा हो सकता है। सुप्रीम

कोर्ट ने पहले कहा था कि यासीन मलिक को जम्मू ले जाने के बजाय जेल में ही उससे जिरह करने के लिए अस्थायी अदालत कक्ष स्थापित किया जा सकता है। यासीन मलिक के खिलाफ जम्मू कोर्ट में लंबित एक मामला चार भारतीय वायुसेना अधिकारियों की हत्या से संबंधित है, जबकि दूसरा मामला 1989 में पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मुहम्मद सईद की बेटी रुबिया सईद के अपहरण से संबंधित है।

एनआईए ने रवांडा से आतंकी सलमान खान का कराया प्रत्यर्पण

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देकर अफ्रीकी देश रवांडा भागने वाले इस्लामी आतंकी सलमान रहमान खान को सीबीआई-एनआईए ने प्रत्यर्पित करवाने में सफलता पाई है। रवांडा ने उसे बुधवार 27 नवम्बर को भारतीय एजेंसी के हाथों सौंप दिया। उसे अब भारत लाया गया है।

सलमान रहमान खान बेंगलुरु में काम करने वाले आतंकी संगठनों को पैसा और हथियार देता था। वह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। पॉक्सो के मामले में बंद होने के दौरान जेल में ही एक आतंकी सरगना ने उसका ब्रेनवाश किया था। इसके बाद बाहर निकल कर आतंकी बन गया और लश्कर में शामिल हो गया और वारदात करने के बाद रवांडा भाग गया। इस मामले को बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया। सलमान रहमान खान के खिलाफ इंटरपोल से नोटिस जारी करवाया गया और रवांडा की एजेंसियों की मदद से उसको गिरफ्तार कर लिया गया।

पीएम के गृह प्रदेश में पीएम जन आरोग्य योजना घोटाला

गुजरात के 7 अस्पतालों पर कार्रवाई, कई और लिप्त

अहमदाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)। नवंबर की शुरुआत में अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल मे कथित तौर पर गैर जरूरी एंजियोप्लास्टी की गई थी, जिसके चलते पीएम जन आरोग्य योजना के तहत इलाज कराने वाले दो मरीजों की मौत हो गई।

ध्यान देने की बात यह है कि पिछले एक साल में केंद्र की इस योजना के गुजरात में दुरुपयोग के ऐसे कई मामले में सामने आए हैं। इसके चलते करीब 7 अस्पतालों के खिलाफ एक्शन लिया गया है।

बताया जा रहा है कि केंद्र की इस योजना के तहत धोखाधड़ी का यह मामला अहमदाबाद के ख्याति अस्पताल का था। इसको लेकर राज्य सरकार द्वारा ख्याति अस्पताल के मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसकी वजह यह है कि अस्पताल में बेवजह सर्जरी की गईं थीं और इसके बावजूद मरीजों की मौत हो गई। दावा है कि यह सारा खेल केवल इसलिए किया गया है कि पीएम जन आरोग्य योजना के तहत अवैध तरीके से वित्तीय लाभ लिया जा सके।

गुजरात में पीएमजेएवाई योजना के तहत कथित धोखाधड़ी का यह मामला पहला नहीं है, बल्कि राज्य के स्वास्थ्य सचिव धनंजय द्विवेदी ने बताया था कि पिछले साल एसएएफयू ने 95 अस्पतालों का निरीक्षण किया। इनमें से कई अस्पतालों में अनियमितताएं पाई गई थीं, जिसके चलते उन करीब 20 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया। इस दौरान अस्पतालों ने योजना के 1024 लाभार्थियों से 44 रुपए की राशि वसूली थी, जिसे लोगों को वापस करवाया गया।

राज्य सरकार ने करीब 95 अस्पतालों का निरीक्षण किया था लेकिन इनमें से सात में इतनी ज्यादा अनियमितताएं थीं कि उन्हें योजना से ही निलंबित कर दिया गया।

इतना ही नहीं इनसे तगड़ा जुर्माना भी वसूला गया। ख्याति अस्पताल के केस की बात करें तो इसे 13 नवंबर को मोदी सरकार की स्कीम से निलंबित करके ब्लैकलिस्ट में डाल दिया गया था। आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टर्स ने एक गांव के सात मरीजों की बेवजह एंजियोप्लास्टी कर डाली।

ख्याति अस्पताल के विजिटिंग कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रशांत वजीरानी पर आरोप है कि उन्होंने इस योजना से अवैध लाभ कमाने के लिए सर्जरी की। अहमदाबाद स्थित नारीत्व महिला मेडिकल स्टूडियो को 25 अक्टूबर को पीएमजेएवाई से निलंबित कर दिया गया था और उस पर 1.22 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। राजकोट में बेबी केयर चिल्ड्रन हॉस्पिटल का स्वामित्व और संचालन बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हिरेन मशरू के पास है।

एसएएफयू और पीएमजेएवाई के तहत भुगतान के लिए अनुबंधित बीमा कंपनी के ऑडिटरों ने जांच की। जांच में पाया गया कि अस्पताल ने कथित तौर पर 18 बच्चों की पैथोलॉजिकल लैब रिपोर्ट में हेराफेरी की और 98 बच्चों की झूठी एक्स-रे रिपोर्ट अपलोड की, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जाए।

कुछ इसी तरह मेसर्स बड़ौदा मेडिकेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित दो अस्पताल से लेकर, ऊना के एवरेस्ट अस्पताल, अहमदाबाद के शिव अस्पताल और जूनागढ़ के समन्वय अस्पताल के खिलाफ, अनियमितता को लेकर एक्शन लिया गया है।

2019 में खोला गया था सियाचिन, पर जुड़ नहीं पाए टूरिस्ट

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 28 नवंबर। दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन हिमखंड पर पर्यटकों को घूमने की अनुमति एक बार फिर चर्चा में है और सेना इस कोशिश में है कि पर्यटक सियाचिन हिमखंड तथा गलवान वैली का दौरा कर आप वहां की परिस्थितियों से रूबरू हों पर सच्चाई यह है कि सितंबर 2019 को पहली बार सियाचिन में पर्यटकों को न्यौता दिया गया था आने का पर वह पर्यटकों को फिलहाल उतनी संख्या में आकर्षित नहीं कर पाया जितनी उम्मीद लगाई गई थी। इसके पीछे कई कारण रहे थे जिसमें सबसे बड़ा कई प्रकार की अनुमतियां प्राप्त करना भी था। हालांकि अब इन सभी अनुमतियों को प्राप्त करने की बाधाएं हटा ली गई हैं पर अभी भी इसे विदेशी पर्यटकों के लिए पूरी तरह से खोला जाना प्रतिक्षित है।

सियाचिन हिमखंड के प्रति एक कड़वी सच्चाई यह है कि इस युद्धस्थल पर 13 अप्रैल 2024 को 39 साल पूरे हो चुके हैं भारत व पाक की सेनाओं को बेमानी जंग को लड़ते हुए। यह विश्व का सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित युद्धस्थल ही नहीं बल्कि सबसे खर्चीला युद्ध मैदान भी है जहां होने वाली जंग बेमायने है क्योंकि लड़ने वाले दोनों पक्ष जानते हैं कि इस युद्ध का विजेता कोई नहीं हो सकता। इस बिना अर्थों की लड़ाई के लिए पाकिस्तान ही जिम्मेदार है जिसने अपने मानचित्रों में पाक अधिकृत कश्मीर की सीमा को एलओसी के अंतिम छोर एनजे-9842 से सीधी रेखा खींच कर कराकोरम दर्रे तक दिखाना आरंभ किया था। चिंतित भारत सरकार ने तब 13 अप्रैल 1984 को ऑपरेशन मेघदूत आरंभ कर उस पाक सेना को इस हिमखंड से पीछे धकेलने का अभियान आरंभ किया जिसके इरादे इस हिमखंड पर कब्जा कर नुब्रा घाटी के साथ ही लद्दाख पर कब्जा करना था।

13 अप्रैल ही के दिन 1984 में कश्मीर में सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा करने के लिए सशस्त्र बलों ने अभियान छेड़ा था। इसे ऑपरेशन मेघदूत का नाम दिया गया। यह सैन्य अभियान अनोखा था क्योंकि दुनिया की सबसे बड़ी युद्धक्षेत्र में पहली बार हमला शुरू किया गया था। सेना की कार्रवाई के परिणामस्वरूप भारतीय सैनिक पूरे सियाचिन ग्लेशियर पर नियंत्रण हासिल कर रहे थे।

ऑपरेशन मेघदूत के 39 साल बाद आज भी रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण सियाचिन ग्लेशियर पर भारत का कब्जा है। यह विजय भारतीय सेना के शौर्य, नायकत्व, साहस और त्याग की मिसाल है। विश्व के सबसे ऊंचे और ठंडे माने जाने वाले इस रणक्षेत्र में आज भी भारतीय सैनिक देश की संप्रभुता के लिए डटे रहते हैं। ये ऑपरेशन 1984 से 2002 तक चला था यानि पूरे 18 साल तक। भारत और पाकिस्तान की सेनाएं सियाचिन के लिए एक दूसरे के सामने डटी रहीं। जीत भारत की हुई। आज भारतीय सेना 70 किलोमीटर लंबे सियाचिन ग्लेशियर, उससे जुड़े छोटे ग्लेशियर, 3 प्रमुख दर्रों (सिया ला, बिलाफोंद ला और म्योंग ला) पर कब्जा रखती है। इस अभियान में भारत के करीब 1 हजार जवान शहीद हो गए थे। हर रोज सरकार सियाचिन की हिफाजत पर करोड़ों रुपए का खर्च आता है।

यह उत्तर पश्चिम भारत में काराकोरम रेंज में स्थित है। सियाचिन ग्लेशियर 76.4 किमी लंबा है और इसमें लगभग 10,000 वर्ग किमी विरान मैदान शामिल हैं। सियाचिन के एक तरफ पाकिस्तान की सीमा है तो दूसरी तरफ चीन की सीमा अक्साई चीन इस इलाके को छूती है। ऐसे में अगर पाकिस्तानी सेना ने सियाचिन पर कब्जा कर लिया होता तो पाकिस्तान और चीन की सीमा मिल जाती। चीन और पाकिस्तान का ये गठजोड़ भारत के लिए कभी भी घातक साबित हो सकता था। सबसे अहम ये कि इतनी ऊंचाई से दोनों देशों की गतिविधियों पर नजर रखना भी आसान है।

भारत सरकार ने इसके बाद कभी भी सियाचिन हिमंखड से अपनी फौज को हटाने का इरादा नहीं किया क्योंकि पाकिस्तान इसके लिए तैयार ही नहीं है। नतीजतन आज जबकि इस हिमखंड पर सीजफायर ने गोलाबारी की नियमित प्रक्रिया को तो रूकवा दिया है पर प्रकृति से जूझते हुए मौत की आगोश में जवान अभी भी सो रहे हैं, पाकिस्तान सेना हटाने को तैयार नहीं है।

चिल्ले कलां से एक महीने पहले ही कांपी कश्मीर वादी, लद्दाख भी सर्द

जम्मू, 28 नवंबर (ब्यूरो)। कश्मीर वादी चिल्ले कलां के 40 दिनों की सर्दी के काल से पहले ही कांप उठी है। लद्दाख का भी यही हाल है। कश्मीर और लद्दाख में भयानक सर्दियों की शुरुआत से एक महीने पहले ही लोगों को जनजीवन प्रभावित करने वाली शीत लहर की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच आज गुरुवार (28 नवंबर) को मौसम विभाग ने अगले 72 घंटों के दौरान बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस क्षेत्र में तीन पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है, जिससे तापमान में और गिरावट आने की आशंका है। गुरुवार को श्रीनगर में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट देखी गई। यहां पारा माइनस 2.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो साल के इस समय के न्यूनतम तापमान से काफी कम है। इसे कश्मीर में कड़ाके की सर्दी की स्थिति की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। तापमान में यह गिरावट चिल्लेकलां की शुरुआत है, जो कश्मीर में 40 दिनों की सबसे कड़ाके की सर्दी की अवधि है। यह आमतौर पर 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 जनवरी तक चलती है। रात के समय की ठंड भी पूरे क्षेत्र में बढ़ गई है और वादी में शून्य से 2 और शून्य से 5 डिग्री के बीच न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। हालांकि, दक्षिणी जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां शोपियां सबसे ठंडा स्थान रहा। यहां न्यूनतम तापमान माइनस 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र में भी भीषण शीत लहर की स्थिति है। लेह में तापमान शून्य से 8.8 डिग्री सेल्सियस नीचे, करगिल में शून्य से 8.3 डिग्री सेल्सियस नीचे और द्रास माइनस 12.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा। 40 दिन की कड़ाके की सर्दी यानी चिल्ले कलां से पहले भीषण ठंड के आगमन ने मौसम विभाग के उस पूर्वानुमान को सही साबित कर दिया है जिसमें कहा गया था कि इस साल सर्दियां बहुत अधिक पड़ेंगी। इन 40 दिनों के दौरान, क्षेत्र में तेज ठंड, लगातार बर्फबारी और श्रीनगर की डल झील के कुछ हिस्सों सहित जमे हुए जल निकाय देखे जाते हैं। इस तरह के तापमान में उतार-चढ़ाव घाटी की कठोर मौसम स्थितियों को उजागर करते हैं, जहां रातें जम जाती हैं और यहां तक कि कई क्षेत्रों में दिन का तापमान भी शून्य से ऊपर नहीं जा पाता है। फिलहास आम लोग और अधिकारी तापमान में और गिरावट और इससे होने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हैं। खासकर शोपियां, कुपवाड़ा, गुरेज, तंगधार और पीर पंजाल के दक्षिण जैसे दूरदराज और अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लोगों ने तैयारी कर ली है। जम्मू कश्मीर में पिछले एक सप्ताह से लगातार तीन कमजोर पश्चिमी विक्षोभ चल रहे हैं, जबकि 29 नवंबर की शाम से 3 दिसंबर तक और 7 से 8 दिसंबर के बीच ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

चित्रकूट का हर मठ-मंदिर होगा स्वच्छ और सुंदर : योगी

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की

चित्रकूट, 28 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को चित्रकूट के एक दिवसीय दौरे के दौरान जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और अन्य प्रमुख योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में सीएम योगी ने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जल जीवन मिशन, पशुपालन, चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं, पर्यटन विकास, औद्योगिक कॉरिडोर, लिंक एक्सप्रेसवे और अन्य परियोजनाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करें। वहीं उन्होंने महाकुंभ को लेकर विशेष तैयारी करने के निर्देश दिए। साथ ही मठ-मंदिरों की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण को लेकर भी निर्देशित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कलेक्ट्रेट परिसर में चन्दन का पौधा भी लगाया।

मुख्यमंत्री ने अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनाने पर जोर दिया। कहा अपराध पर पूर्ण लगाम लगाया जाए। ऐसे अराजकतत्वों, जिनसे समाज में भय उत्पन्न होने की संभावना हो, उनको चिन्हित कर जेल भेजा जाए। अपराधियों में भय तथा भयमुक्त समाज की स्थापना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि जो पेशेवर पशु, वन, खनन और भूमाफिया है, उनपर प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए। ट्रैफिक की स्थिति ठीक रहे इसके लिए अतिरिक्त पुलिस बल लगाया जाए। मुख्यमंत्री ने मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिलाओं, बालिकाओं को सरकार की योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि चित्रकूट धार्मिक स्थल होने के नाते यहां पर अवैध गांजा, कच्ची शराब आदि नशों पर प्रभावी कार्रवाई होना चाहिए।

उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि बुन्देलखंड लिंक एक्सप्रेस-वे, डिफेंस कॉरीडोर, राम वनगमन मार्ग, औद्योगिक कॉरीडोर परियोजना के लिए जो भूमि का अधिग्रहण किया जाना है, उसको तत्काल पूरा कराया जाए तथा जो धनराशि मुआवजा की अभी तक नहीं मिली है उसके लिए यूपीसीडा से पत्राचार करें तथा उसकी एक कॉपी मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेजी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट क्षेत्र में जहां लिंक एक्सप्रेसवे जुड़ रहा है वहां पर निवेश के लिए होटल आदि प्रस्ताव के लिए लैण्डमैप बनाया जाए। विद्युत आपूर्ति सही रहे किसी तथा उपभोक्ता को गलत रीडिंग का बिल न भेजा जाए। जनपद में विद्युत की समस्या नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से कहा कि आपरेशन काया कल्प के अन्तर्गत सभी विद्यालयों में शौचालय की व्यवस्था रहे। जिलाधिकारी से कहा कि समय सीमा के अन्दर सभी बच्चों को यूनीफार्म, मोजा, जूता स्वेटर मिल जाए इसकी जिम्मेदारी प्रधानाचार्य व शिक्षकों को दी जाए। जिला विद्यालय निरीक्षक से कहा कि जो विद्यालयों के भवन निर्माण के कार्य अधूरे हैं, उन कार्यों की रिर्पोट बनाकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत करें कि सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा रिवाईज स्टीमेट क्यों बनाया गया है, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों के लिए धनराशि देने के लिए शासन ने निर्णय लिया है, उनके भी प्रस्ताव बनाकर भेजें। साथ ही जो शिक्षकों की कमी है उसके लिए जिलाधिकारी के माध्यम से पत्र भेजकर एक कॉपी मुख्यमंत्री कार्यालय को भी भेजी जाय। सीएम ने कहा कि जो संस्कृत विद्यालय के लिए सरकार द्वारा योजना लागू की गयी है, उसपर भी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने ग्राम सचिवालय के मामले पर जिला पंचायत राज अधिकारी से कहा कि गांव के लोगों को सभी प्रकार की सुविधाएं गांव में मिलनी चाहिए।

उन्होंने जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल योजना पर जिलाधिकारी से कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्लम्बर की तैनाती संचालन हेतु अवश्य की जाए। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जो सड़कें तोड़ी गयी हैं अवशेष बचे सड़कों को मरम्मत करायें, यह कार्य जनवरी 2025 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण हो जाए। पशु पालन विभाग की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि गोवंशों को सूखा भूसा न खिलाकर हरा चारा व चोकर की व्यवस्था की जाए, किसी भी ग्राम पंचायत का भुगतान अवशेष नहीं रहना चाहिए। नियमित रूप से गौशालाओं का निरीक्षण किया जाए। गोवंशो के लिए ठण्ड से बचाव के उपाय होना चाहिए। किसी भी पशु की भूख, प्यास व ठण्ड से मृत्यु नहीं होना चाहिए, नहीं तो आपलोगों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी।

उन्होंने जिलाधिकारी से राजस्व वादों के निस्तारण पर पूछा कि इतने मामले क्यों लम्बित पड़े हैं। इनका तत्काल निस्तारण कराया जाए। किसी भी गरीब के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। जो मामले जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी आदि के स्तर पर आते हैं, तो यह सभी अधिकारी स्वयं प्रत्येक दिन कम से कम दस मामलों को चेक अवश्य करें। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा जिलाधिकारी 15 दिन में करें और कार्यों को समय सीमा के अन्दर पूर्ण करायें। अगर कोई गुणवत्ता पूर्ण कार्य नहीं हो रहा है तो उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिन गांव में मार्गों की कनेक्टिविटी नहीं है उन सभी के प्रस्ताव धर्मार्थ कार्य के अन्तर्गत शासन को भेजा जाए। कामदगिरि परिक्रमा मार्ग की नियमित सफाई व्यवस्था रहे। सिंगल यूज प्लास्टिक नहीं दिखनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी से कहा कि वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास हेतु जो रोप-वे का निर्माण कार्य कराया जाना है, इसका प्रस्ताव बनाकर भेजे तथा वन विभाग से जो एनओसी. प्राप्त होनी है उसको तत्काल कराएं। वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास के कार्य वाल्मीकि जयंती के पहले पूर्ण हो जाना चाहिए। रामघाट के सौन्दर्यीकरण के कार्यों में प्रगति कराई जाए, तुलसी जन्मस्थली के पर्यटन विकास कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण कराएं। साथ ही समिति गठित करके क्वालिटी की जांच भी करायी जाए। उन्होंने अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग से कहा कि यमुना पुल से तुलसीदास जी के मंदिर तक सड़क निर्माण हेतु फोरलेन का प्रस्ताव धर्माथ कार्य योजना के अन्तर्गत बनाकर भेजें। कटान को रोकने के लिए सिंचाई विभाग भी कार्ययोजना तैयार करे, उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विकास के कार्यों के प्रस्ताव अधिक से अधिक बनाकर उपलब्ध करायें धनराशि तत्काल अवमुक्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट का जो निर्माण कार्य अवशेष है उसको तेजी से कराया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंग्लिश मीडियम प्राइमरी विद्यालय, सोनेपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कक्षा 4 व 5 के छात्र-छात्राओं से नाम, कौन सी कक्षा में पढ़ रहे हैं, किताब पढ़ पाते हैं कि नहीं, आदि सवाल पूछे एवं बच्चों को चाकलेट भी दिये। तत्पश्चात् स्मार्ट क्लास का भी निरीक्षण किया एवं छात्र-छात्राओं से क्या सीखा, नाम एवं मेन्यू के अनुसार खाना मिलता है कि नहीं, इस बाबत जानकारी ली, जिस पर छात्र-छात्राओं ने बताया कि मेन्यू के अनुसार खाना मिलता है। मुख्यमंत्री ने जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालय में फर्नीचर की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।

वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज पर वक्फ बोर्ड जता रहा दावा

कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाने की हो रही पहल

लखनऊ, 28 नवंबर (एजेंसियां)। देश की संसद में विपक्षी पार्टियों द्वारा वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक-2024 के खिलाफ किए जा रहे विरोध के बीच उत्तर प्रदेश से वक्फ बोर्ड की एक और मनमानी सामने आ रही है। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 115 साल पुराने कॉलेज को वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति बताते हुए नोटिस भेजा गया। वैसे तो ये घटना 6 साल पहले की है, लेकिन अब ये एक मुद्दा बनकर फिर सामने है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उदय प्रताप कॉलेज को विश्वविद्यालय बनाने की सिफारिश करने वाले हैं।

वाराणसी के भोजूवीर क्षेत्र में एक कॉलेज है उदय प्रताप कॉलेज। अपने में 115 वर्ष पुरानी विरासत को समेटे इस कॉलेज को महाराजा राजर्षि सिंह जू देव ने 1909 में बनवाया था। ये एक ऑटोनॉमस कॉलेज है। कॉलेज के परिसर के अंदर भी कई कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जिसमें उदय प्रताप इंटर कॉलेज, उदय प्रताप पब्लिक स्कूल, मैनेजमेंट कॉलेज, रानी मुरार बालिका इंटर कॉलेज और उदय प्रताप ऑटोनॉमस कॉलेज शामिल हैं। इस पूरे कॉलेज में मौजूदा वक्त में 15,000 के करीब विद्यार्थी हैं।

असल मामला ये है कि यहीं पर कॉलेज परिसर के अंदर ही 100 मीटर की दूरी तय करते ही एक मस्जिद भी है, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोग नमाज पढ़ने के लिए आते हैं। इसी इलाके के रहने वाले एक मुस्लिम व्यक्ति वसीम अहमद के दिमाग में मुस्लिम कट्टरपंथ और मजहबी कीड़ा कुलबुलाने लगता है और वह 2018 में लखनऊ स्थित वक्फ बोर्ड के प्रादेशिक मुख्यालय में एक आवेदन देता है और उदय प्रताप कॉलेज को वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति बता देता है। उसी के आवेदन को आधार बनाकर वक्फ बोर्ड कॉलज प्रशासन को नोटिस जारी कर उस पर अपना हक जता देता है। इसके बाद कॉलेज ने जवाब दिया कि जिस मस्जिद के बल पर इसे वक्फ की सम्पत्ति बताया जा रहा है वह असल में अवैध है और कॉलेज प्रशासन की पूरी सम्पत्ति इंडाउमेंट ट्रस्ट की है, जो कि खरीदी या बेची नहीं जा सकती है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उदय प्रताप कॉलेज के स्थापना दिवस कार्यक्रम में वाराणसी पहुंचे थे। उन्होंने कॉलेज को आने वाले वक्त में विश्वविद्यालय बनाने की बात कही थी। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि किसी भी सूरत में कॉलेज को वक्फ बोर्ड नहीं ले सकता है।

संभल हिंसा

मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक गिरफ्तार

पोस्टर जारी होने के बाद पुलिस का ऐक्शन

संभल, 28 नवंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा में पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में फरहत को गिरफ्तार किया है। फरहत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अब तक 27 गिरफ्तारियां और सात एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। पुलिस ने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है। कहा है कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने शिकायत की है कि हिंसा के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, एसपी मीडिया सेल और ज्ञानवापी मस्जिद समिति के सचिव पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया।

जैन ने स्पष्ट किया कि उन्होंने मौके पर कोई नारेबाजी नहीं की और एएसआई सर्वे के बाद पुलिस के संरक्षण में वहां से लौटे थे। उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए कि मैं जय श्रीराम के नारे लगाते हुए वहां भीड़ लेकर गया और हिंसा भड़काई, जबकि यह पूरी तरह गलत है। मैं प्रशासन और अधिकारियों के साथ वहां गया था। मुरादाबाद मंडलायुक्त अंजनेय कुमार सिंह ने बुधवार को पुष्टि की कि इस घटना में तीन नाबालिग भी शामिल थे। यह हिंसा मस्जिद पर किए गए सर्वे के दौरान हुई।

जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुए पत्थरबाजी की घटना के बाद संभल पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। अतिरिक्त एसपी श्रीशचंद ने कहा, हमने सुरक्षा को सख्त किया है और आवश्यक स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। हम सभी कार्यक्रमों को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल हिंसा का कोई संकेत नहीं है और कल शाही जामा मस्जिद में नमाज अदा की जाएगी। पुलिस ने सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा सुनिश्चित की है।

बाबा बागेश्वर की पद यात्रा में शामिल हुए राजा भैया

हिंदुओं को एकजुट करने का बड़ा प्रयास हो रहा: राजा भैया

झांसी, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्मी हिंदुओं को एकजुट करने के लिए पदयात्रा पर निकले बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री पदयात्रा के 8वें दिन गुरुवार 28 नवंबर को बुंदेलखंड पहुंचे। यूपी के कुंडा से विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया झांसी में इस पद यात्रा में शामिल हुए। इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी भाग लिया। यह यात्रा शुक्रवार 29 नवंबर की सुबह ओरछा के लिए रवाना होगी और करीब 8

किलोमीटर की यात्रा के बाद राजा रामचंद्र के दरबार में इसका समापन होगा। यात्रा के दौरान राजा भैया ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री की यह यात्रा राष्ट्रहित और धर्महित में है। यह यात्रा हिंदू समाज को एकजुट करने का एक बड़ा प्रयास है। जब हिंदू संगठित होगा तो धर्म और राष्ट्र मजबूत होगा।

फिरौती के लिए अपहरण कर मासूम बच्चे को मार डाला

सुल्तानपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर जिले के शहर के गांधीनगर मोहल्ले में सोमवार रात पड़ोसी आसिफ ने पांच लाख की फिरौती के लिए व्यापारी शकील के बेटे ओसामा को अगवा कर लिया। उसी रात उसकी रस्सी से गला कसकर हत्या कर दी। शव अपने ही बेड के नीचे छिपा ऊपर सोता रहा और पुलिस को गुमराह करने के लिए परिजनों के साथ मिलकर बच्चे की तलाश में जुटा रहा। बुधवार भोर में पुलिस ने आसिफ को गिरफ्तार कर शव बरामद कर लिया। वारदात में शामिल उसके पिता, चाचा-चाची और चचेरी बहन को भी जेल भेज दिया।

गांधीनगर निवासी शकील अहमद का शाहगंज चौकी के पास दोना-पत्तल का कारोबार है। उनका पुत्र मोहम्मद ओसामा (11) उर्फ साहिल 25 नवंबर रात करीब आठ बजे घर से बरात देखने निकला और फिर लौटकर नहीं आया। कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। मंगलवार को अलग-अलग नंबरों से ओसामा के परिजनों को कॉल करके पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी गई। पुलिस ने सभी नंबरों को सर्विलांस पर लगाया।

एक नंबर की लोकेशन शकील के घर के बगल में मिली। आसपास के घरों की जांच के बाद पुलिस ने शकील के मकान के ठीक सामने रहने वाले आसिफ के घर की तलाशी ली, जहां उसके बेड के नीचे ओसामा का शव मिला। उसके हाथ-पैर रस्सी से बंधे थे। मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आसिफ ने बताया कि

उस पर काफी कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए अपहरण की योजना बनाई। ओसामा को छोड़ने के लिए पांच लाख रुपए की फिरौती मांगी। बात 3.74 लाख रुपए पर बन भी गई थी।

हत्यारोपी आसिफ ने ओसामा की हत्या कर उसकी लाश को 36 घंटे तक अपने बेड के नीचे छिपाकर रखा था। जिस रस्सी से उसने उसामा का गला घोंटा था, वो बालक के गले में कसी मिली थी।

बेड के नीचे लाश थी और सोमवार की रात आसिफ उसी बेड पर सोया था। पुलिस की जांच में ये भी सामने आया है कि ओसामा की हत्या करने के बाद वह अपने कमरे में ताला लगाकर बरात चला गया था। रात करीब एक बजे वह वापस आया और ओसामा की खोजबीन में लगे लोगों से मिला। उनसे पूछा कि क्या अभी तक बच्चा नहीं मिला। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया था।

दोना-पत्तल विक्रेता शकील की दो संताने थीं। बड़ा बेटा ओसामा उर्फ साहिल केएनआईसीई में कक्षा चार का छात्र था। उसका एक छोटा भाई आहिल (02) है। बड़े बेटे की हत्या से गम में डूबी उसकी मां सलमा बार-बार यही कह रही थी कि मेरे मासूम बच्चे ने किसी का क्या बिगाड़ा था। हत्यारोपी को फांसी दो। क्यों उसने ऐसा कर दिया। आसिफ ने ओसामा को छोड़ने के लिए पांच लाख रुपए फिरौती मांगी थी। घरवालों के मना करने पर उसने धनराशि कम की। बताया जाता है कि आसिफ 3.74 लाख रुपए की फिरौती पर मान गया था। हालांकि, इस बात की अधिकारिक पुष्टि कोई नहीं कर रहा है। आरोपी को पकड़ लिया गया है। उसने रस्सी से ओसामा का गला घोंटने की बात स्वीकारी है। हमें पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार है। हत्यारोपी के परिवार के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।-सोमेन बर्मा, पुलिस अधीक्षक, सुल्तानपुर

संपादकीय

शाश्वत तनाव कब तक?

आखिर संभल कब तक जलेंगे, उबलेंगे और शाश्वत हिंसक तनाव का आधार बनते रहेंगे? उप्र के संभल के स्थान पर किसी और जिले का नाम लिया जा सकता है। हम अयोध्या विवाद को देख चुके हैं। कई अनाम मौतें भी हुईं। संतोष है कि प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का एक हिस्सा बन चुका है। अनुमान है कि मार्च, 2025 तक मंदिर-निर्माण सम्पन्न हो जाएगा। अयोध्या के बाद मथुरा और काशी के सांप्रदायिक विवाद अदालतों में हैं। एक चिरस्थायी आरोप है अथवा पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि हिंदू मंदिर तोड़ कर मस्जिदें बनाई गईं। ऐसी करीब 1800 मौजूदा मस्जिदें हैं, जो हिंदू मंदिरों पर बनाई गईं। यह अधिकृत डाटा है, अलबत्ता मुसलमान आशंका जताते रहे हैं कि उनकी हजारों मस्जिदों के वजूद खतरे में हैं। मुस्लिम सांसद ओवैसी ऐसा ही बयान देते रहे हैं। हमारा बुनियादी सवाल यह है कि क्या इन 1800 मस्जिदों के भी सर्वे कराए जाएंगे? जांच या वैज्ञानिक परीक्षण कराए जाते रहेंगे? यदि सर्वे किए जाएंगे, तो जाहिर है कि एक निश्चित भीड़ उसका विरोध करेगी। उस भीड़ के हाथों में लाठी-डंडे, हॉकियां, रिवॉल्वर या पिस्तौल और पत्थर भी होंगे। ज्यादातर स्थानों पर हिंदू-मुसलमान सांप्रदायिक तनाव ही फैलते हैं। अलबत्ता संभल की तरह भीड़ पुलिस को भी निशाना बना सकती है। पुलिसकर्मियों पर घातक हमले किए जा सकते हैं। तनाव दंगों के हालात में बदलने लगता है। मस्जिद के पैरोकार आरोप लगाते रहे हैं कि उपासना स्थल कानून, 1991 का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है, जबकि 2022 में तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली न्यायिक पीठ ने फैसला सुनाया था और उपासना स्थल कानून की धाराओं की व्याख्या भी की थी कि सर्वे, जांच या वैज्ञानिक परीक्षण से पूजा-स्थल का चरित्र नहीं बदलता।

> अयोध्या के बाद मथुरा और काशी के सांप्रदायिक विवाद अदालतों में हैं। एक चिरस्थायी आरोप है अथवा पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि हिंदू मंदिर तोड़ कर मस्जिदें बनाई गईं। ऐसी करीब 1800 मौजूदा मस्जिदें हैं, जो हिंदू मंदिरों पर बनाई गईं। यह अधिकृत डाटा है, अलबत्ता मुसलमान आशंका जताते रहे हैं कि उनकी हजारों मस्जिदों के वजूद खतरे में हैं। मुस्लिम सांसद ओवैसी ऐसा ही बयान देते रहे हैं। हमारा बुनियादी सवाल यह है कि क्या इन 1800 मस्जिदों के भी सर्वे कराए जाएंगे? जांच या वैज्ञानिक परीक्षण कराए जाते रहेंगे? यदि सर्वे किए जाएंगे, तो जाहिर है कि एक निश्चित भीड़ उसका विरोध करेगी। उस भीड़ के हाथों में लाठी-डंडे, हॉकियां, रिवॉल्वर या पिस्तौल और पत्थर भी होंगे। ज्यादातर स्थानों पर हिंदू-मुसलमान सांप्रदायिक तनाव ही फैलते हैं। अलबत्ता संभल की तरह भीड़ पुलिस को भी निशाना बना सकती है। पुलिसकर्मियों पर घातक हमले किए जा सकते हैं।

बहरहाल उन्मादी, मजहबी भीड़ को कौन समझाए, नतीजतन जहां भी अदालत ने सर्वे या वैज्ञानिक जांच के आदेश दिए हैं, वे शाश्वत हिंसक तनाव की 'रक्तभूमि' बन गए हैं। क्या हम इन हालात को खत्म नहीं कर सकते? क्या 'दफन अतीत' को कुरेदते रहना ही ऐतिहासिक है? बेशक यह ऐतिहासिक यथार्थ है कि 500-700 साल पहले कुछ आततायी, आक्रांता मुगल बादशाहों ने तत्कालीन हिंदू मंदिरों को खंडित कर 'मलबा' बनवाया और उन पर मस्जिदों का निर्माण कराया। ऐसा निर्माण ही इस्लाम-विरोधी है। आज 21वीं सदी में उन पुराने आक्रमणों और अत्याचारों को 'दफन इतिहास' मानते हुए क्या भूला नहीं जा सकता? वे ऐतिहासिक गलतियां तो नहीं थीं, क्योंकि हिंदू धर्म के प्रतीकों को कुचलने के लिए मुगल शासकों ने वे सांप्रदायिक हमले किए थे। फिर भी माफ करना तो हमारी प्राचीन संस्कृति रही है। मंदिर-मस्जिद की कानूनी लड़ाई लड़ते रहने से अंतिम हासिल क्या होगा? कमोबेश 1800 हिंदू मंदिरों का नए सिरे से निर्माण, पुनरोत्थान तो संभव नहीं है। एक डाटा के अनुसार, करीब 22000 ट्रायल कोर्ट जज हैं, जिनकी अदालत में 4.5 करोड़ से अधिक केस लंबित हैं, लिहाजा वे भी दबाव में रहते होंगे! उनके फैसले भी सवालिया हो सकते हैं, क्योंकि उन्हें अनुभव भी कम है, नतीजतन मंदिर-मस्जिद विवाद शाश्वत तनाव और हिंसा का बीजारोपण करते रहे हैं। मणिपुर का भी उदाहरण हमारे सामने है, जब उच्च न्यायालय ने एक समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के आशय से राज्य सरकार को सर्वे कराने का फैसला दिया था। उससे उपजा सामाजिक और जातीय संघर्ष आज दावानल में बदल चुका है, जो अभी तक सरकारों के नियंत्रण के बाहर है। सर्वे की आड़ में ताजमहल और कुतुबमीनार को भी खोदने की चर्चाएं सामने आई हैं, लेकिन अदालतों ने ऐसे ऐतिहासिक खिलवाड़ को खारिज कर दिया। दरअसल अपनी सांस्कृतिक हकीकत को हासिल करने के बजाय यह हिंदूवादी राजनीति ज्यादा है।

हिंदू पक्ष दावा करता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी

धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हमारी सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए मारकाट कब थमेगी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

> संभल की ज़िला अदालत ने शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश एक याचिका के आधार पर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि यह हिंदू मंदिर स्थल पर बनी है। इस आदेश के कारण स्थानीय मुस्लिम निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने इसे अपने धार्मिक अधिकारों और विरासत पर हमला माना। जब सर्वेक्षण का विरोध करने के लिए बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई तो विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट बताती हैं कि प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों दोनों को चोटें आईं और मौतें हुईं। भारत में धार्मिक स्थलों पर चल रहे विवाद, विशेष रूप से ऐतिहासिक धर्मांतरण के दावों से जुड़े विवादों ने सांप्रदायिक संवेदनशीलता को बढ़ा दिया है।

संभल में दायर याचिका वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के शाही ईदगाह के लिए दायर याचिकाओं की तरह ही है। मुख्य मुद्दा यह है कि कानून-'पूजा स्थल अधिनियम, 1991' को कैसे समझा जाता है। संभल की ज़िला अदालत ने शाही जामा मस्जिद का सर्वेक्षण करने का आदेश एक याचिका के आधार पर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि यह हिंदू मंदिर स्थल पर बनी है। इस आदेश के कारण स्थानीय मुस्लिम निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया, जिन्होंने इसे अपने धार्मिक अधिकारों और विरासत पर हमला माना। जब सर्वेक्षण का विरोध करने के लिए बड़ी भीड़ इकट्ठा हुई तो विरोध प्रदर्शन हिंसा में बदल गया। रिपोर्ट बताती हैं कि प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई, जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन अधिकारियों दोनों को चोटें आईं और मौतें हुईं। भारत में धार्मिक स्थलों पर चल रहे विवाद, विशेष रूप से ऐतिहासिक धर्मांतरण के दावों से जुड़े विवादों ने सांप्रदायिक संवेदनशीलता को बढ़ा दिया है। वाराणसी और मथुरा में इसी तरह के मामलों ने ऐसे उदाहरण स्थापित किए हैं जो धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को खतरे में डालने वाले सर्वेक्षणों या कानूनी कार्रवाइयों के रूप में देखे जाने पर सार्वजनिक अशांति में योगदान करते हैं। संभल की जामा मस्जिद का विवाद अयोध्या, काशी और मथुरा में चल रहे मामलों के बीच बढ़ा है। हिंदू पक्ष दावा करता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। मुस्लिम पक्ष जामा मस्जिद को लेकर हिंदू पक्ष की दावों को खारिज करता है। हालिया लड़ाई कानूनन लड़ी जा रही है, जिसमें अदालत की ओर से आए मस्जिद के सर्वे ऑर्डर पर काम हो रहा है। संभल के सिविल जज की अदालत में विष्णु शंकर जैन की ओर से जामा मस्जिद को लेकर वाद दायर किया गया। सुप्रीम कोर्ट के वकील हरिशंकर जैन और केला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरि समेत 8 वादी हैं। वादियों ने भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और संभल जामा मस्जिद समिति को

विवाद में पार्टी बनाया है। याचिका में कहा गया-'मस्जिद मूल रूप से एक हरिहर मंदिर था, जिसे 1529 में मस्जिद में बदल दिया गया। मंदिर को मुगल सम्राट बाबर ने 1529 में ध्वस्त कराया था। बाबरनामा और आइन-ए-अकबरी किताब में इस बात का उल्लेख है कि जिस जगह पर जामा मस्जिद बनी है, वहाँ कभी हरिहर मंदिर हुआ करता था।' मुस्लिम पक्ष भी मानता है कि जामा मस्जिद बाबर ने बनवाई थी और आज तक मुसलमान इसमें नमाज पढ़ते आ रहे हैं। हालांकि मुस्लिम पक्ष कानूनी विवाद में सुप्रीम कोर्ट के 1991 के उस ऑर्डर को आधार बनाकर अपना विरोध दर्ज कराता है, जिसमें अदालत ने कहा था कि 15 अगस्त 1947 से जो भी धार्मिक स्थल जिस भी स्थिति में हैं, वह अपने स्थान पर बने रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या पर फैसले के समय भी इस पर ज़ोर दिया था। इसके जरिए मुस्लिम पक्ष संभल की जामा मस्जिद पर हक़ जताता है और हिंदू पक्ष के दावे, किसी अन्य न्यायिक कार्यवाही को कानून की अवहेलना बताया है। याचिकाकर्ताओं के दावे के बारे में कानून क्या कहता है? याचिकाकर्ताओं ने मस्जिद स्थल पर अपना दावा स्थापित करने के लिए एक दीवानी मुकदमा दायर किया। दीवानी मुकदमों में, प्रारंभिक दावों को आम तौर पर अंकित मूल्य (प्रथम दृष्टया) पर स्वीकार कर लिया जाता है, अगर मुकदमा विचारणीय माना जाता है तो बाद में और सबूत पेश किए जा सकते हैं। हालाँकि, कोई भी दावा जो पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने की कोशिश करता है, उसे पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के तहत वर्जित किया जाता है। इस अधिनियम का उद्देश्य धार्मिक स्थलों की यथास्थिति को बनाए रखना है जैसा कि वे 15 अगस्त, 1947 को मौजूद थे। पूजा स्थल अधिनियम, 1991 क्या कहता है? अधिनियम पूजा स्थलों के किसी भी रूपांतरण पर रोक लगाता है और यह अनिवार्य करता है कि उनका धार्मिक चरित्र वैसा ही रहना चाहिए जैसा वह 15 अगस्त, 1947 को था। विशेष रूप से, धारा 3 किसी भी पूर्ण या आंशिक रूप से किसी अन्य संप्रदाय या संप्रदाय के पूजा स्थल में रूपांतरण पर रोक लगाती है। धारा 4 में कहा गया है कि उस तिथि को किसी स्थान के धार्मिक चरित्र में परिवर्तन के सम्बंध में कोई भी कानूनी कार्यवाही समाप्त (समाप्त) कर दी जाती है, जिससे ऐसे रूपांतरणों के सम्बंध में नए मुकदमे दायर नहीं किए जा सकते। उल्लेखनीय रूप से, यह अधिनियम अपने अधिनियमन के समय पहले से ही विचाराधीन विवादों पर लागू नहीं होता है, जैसे बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि मामला, जिसने समकालीन विवादों में इसके आवेदन को जटिल बना दिया है। न्यायालयों ने इन टाइटल मुकदमों को कैसे अनुमति दी है? पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों के बावजूद, अदालतों ने ज्ञानवापी और मथुरा जैसे स्थानों से सम्बंधित टाइटल मुकदमों को बनाए रखने योग्य क़रार देकर अनुमति दी है सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई एक महत्त्वपूर्ण टिप्पणी ने संकेत दिया कि अधिनियम के तहत किसी स्थान की धार्मिक प्रकृति को बदलना प्रतिबंधित है, लेकिन इसके ऐतिहासिक चरित्र की जांच अभी भी अनुमेय हो सकती है। इस व्याख्या ने ज़िला न्यायालयों को अधिनियम की मंशा का सीधे उल्लंघन किए बिना ऐसी याचिकाओं पर विचार करने का आधार प्रदान किया है। संभल के मामले में, न्यायालय ने यह निर्धारित करने से पहले सर्वेक्षण का आदेश दिया कि क्या दीवानी मुकदमा विचारणीय है।

दृष्टिकोण

रेवड़ी संस्कृति विकास पथ में रोड़ा

रेवड़ी शब्द के साथ संस्कृति शब्द का उपयोग कदाचित उचित नहीं माना जा सकता है, क्योंकि संस्कृति शब्द अपने आप में व्यापक व्याख्या समेटे हुए है, तथापि सामान्य लोगों को आसानी से समझ में आ जाए, संभवतः रेवड़ी के साथ संस्कृति शब्द प्रचलन में है। हाल ही में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नवीनतम नतीजों में 288 विधानसभा सीटों में से 230 सीटें बीजेपी गठबंधन ने जीती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने 28 जून 2024 को मुख्यमंत्री माझी लडक़ी (लाडक़ी) बहिना योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के जरिए महाराष्ट्र में 21 से 65 साल की महिलाओं को हर महीने 1500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है। राज्य सरकार को महिलाओं के कुल 1.12 करोड़ आवेदन मिले थे, जिनमें से 1.06 करोड़ आवेदन स्वीकृत किए गए थे। ऐसा अनुमान है कि इस बार के चुनावों में महिलाओं ने भाजपा गठबंधन के पक्ष में खूब मतदान किया जिस वजह से महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की पुनः सरकार बनने जा रही है। फ्रीबीज यानी मुफ्त की रेवडियों का यह एक और उदाहरण कहा जा सकता है जिससे प्रभावित होकर महाराष्ट्र की महिलाओं ने एकतरफा मतदान कर चुनाव पूर्व सारे अनुमानों को झुठला दिया है। भारत 50 साल पहले भी विकासशील राष्ट्र था और आज विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के बाद भी विकासशील देश का ही तमगा गले में लटकाए घूम रहा है। आखिर क्या वजहें हैं कि द्वितीय विश्व युद्ध में पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके जर्मनी और जापान जैसे देश अपने विजन, राष्ट्रप्रेम, दूरदर्शी निर्णयों और कठोर परिश्रम के बलबूते विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़े हुए हैं, जबकि विश्व की सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला देश भारत अभी भी हमारे नेताओं की अदूरदर्शिता, पब्लिक फंड के गलत इस्तेमाल, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और मुफ्त की रेवडियां बांटने की राह पर चलते हुए विश्व की सर्वाधिक गरीबी की रेखा वाले देशों में से एक की श्रेणी में बना हुआ है। इस साल 2024 के वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में भारत 127 देशों में 105वें स्थान पर है और भारत का स्कोर 27.3 है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। भारत में गरीबी के प्रमुख कारणों में भ्रष्टाचार, शिक्षा की कमी, धन का असमान वितरण, जनसंख्या विस्फोट, जाति व्यवस्था, लोगों की स्वार्थपरक मानसिकता, अमीर-गरीब की खाई और राजनीतिक वित्तीय कुप्रबंधन शामिल हैं। भले ही भारत ने दुनिया के टॉप-10 धनी देशों में जगह बना ली हो, लेकिन कर्जदार देशों की लिस्ट में भी भारत आठवें स्थान पर मौजूद है। भारत पर 2023 तक 3057 अरब डॉलर का कर्ज था। रेवड़ी संस्कृति, जिसे अंग्रेजी में फ्रीबीज कल्चर भी कहते हैं, यद्यपि कई मायनों में मानव एवं सामाजिक कल्याण के दृष्टिकोण से अच्छा भी मानी जाती है। फ्रीबीज की शुरुआत सन् 1956 से हुई मानी जा सकती है, जब मध्याह्न भोजन योजना पहली बार वर्ष 1956 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू की गई थी। ऐसा माना जाता है कि आंध्र प्रदेश में एनटी रामाराव की 2 रुपए किलो चावल योजना ने आज के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की नींव रखी थी। तेलंगाना की रायथु बंधु और ओडिशा की कालिया योजनाओं ने किसानों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अग्रदूत के रूप में कार्य किया है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च के एक अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्य महिलाओं को सिलाई मशीन, साडियां और साइकिलें उपलब्ध कराते हैं, जिससे इन उद्योगों की बिक्री को बढ़ावा मिलता है, जिसे संबंधित उत्पादन के कारण अपव्यय के बजाय उत्पादक निवेश माना जा सकता है। महिलाओं के लिए बस पास जैसी फ्रीबीज सुविधाएं महिलाओं को क्रियाशील कार्यबल में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती हैं जिससे महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलता है। तथापि भारत के निर्वाचन आयोग को चुनावों के दौरान मुफ्त वाली घोषणाओं की प्रभावी निगरानी और उनके विनियमन को सुनिश्चित करने की जरूरत है। नागरिकों को भी अल्पकालिक लाभ से प्रभावित होने के स्थान पर राजनीतिक दलों के दीर्घकालिक विकास एजेंडे के आधार पर मतदान के समय देशहित में निर्णय लेने के लिए शिक्षित किए जाने की जरूरत है। चुनाव जीतने के लिए फ्रीबीज पर अत्यधिक निर्भरता के बजाय, राजनीतिक दलों को सामाजिक सुरक्षा तंत्रों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जैसे कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल, सुदृढ़ शिक्षा प्रणाली, रोजगार सृजन और व्यापक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, ताकि सामाजिक, आर्थिक असमानता के मूल कारणों का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सके। रेवड़ी कल्चर एक चुनावी हथकंडा है, जो तात्कालिक लाभ देने के बावजूद दीर्घकालिक रूप से देश की आर्थिक प्रगति में बाधा डालता है। आज राजनीतिक दलों को मुफ्त की घोषणाओं से आगे बढक़र दीर्घकालिक विकास योजनाओं की दिशा में काम करने की जरूरत है। चूंकि आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास के मार्ग को अपनाना ही लोगों के हित में है, अतएव सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी योजनाएं लाई जाएं जो पारदर्शी, लक्षित, जनहित में टिकाऊ हों तथा राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक धन का दुरुपयोग न करती हों। वर्तमान समय में दिल्ली, पंजाब में आप सरकारें, हिमाचल, तेलंगाना में कांग्रेस सरकारों के अलावा कई राज्यों और केंद्र सरकार भी पीएम किसान सम्मान निधि और 5 किलो मुफ्त राशन जैसी मुफ्त की रेवडियां बांटकर मतदाताओं को लुभाने में कहीं पीछे नहीं हैं।

कुछ अलग

नई क्रांति की शुरुआत

कल जो हमारे कातिल थे, आज हमारे साथ हुए अपराधों की सजा सुनाने के लिए न्याय का हथौड़ा पीट रहे हैं। उनकी आंखों का रंग बदल गया है। कल तक उनसे खून बरस रहा था, वे रक्तवर्णी हो रही थीं, आज उनसे शांति के पैगाम आ रहे हैं, मानवधर्मी सफेद पताकाएं फहरा रही हैं। शांति कपोतों का मोल बढ़ गया। अपने दोनों हाथों से उन्हें किसी मंच से उड़ाओगे, तो उस मंच की अभ्यर्थना कर रही हजारों की भीड़ गदगद हो जाएगी। लोग लिबास बदलने की तरह अपने मूल्य और आदर्श बदल रहे हैं। इनसानों की बस्तियां जलाने वाले लोग अब फायर ब्रिगेड के जाबांज कर्मचारी बन आग पर पानी की बौछार करते नजर आते हैं। अरे यही तो थे जो कल इस जलती हुई आग पर तेल डालने का काम कर रहे थे, और इसे अपना पुण्य कर्म बता रहे थे। अमानवीयता का सैलाब गुजर गया। पीछे घोंघे, पत्थर, कूड़ा-कर्कट ही नहीं छोड़ गया, कुछ सरकटी लाशें भी छोड़ गया। अजब मंजर था वह। लोग तिरंगे फहरा कर, भारत माता की जय चिल्लाते हुए एक-दूसरे की पीठ में छुरे घोंप रहे थे। अब जब मुखौटा बदलने का वक्त आया तो लोग एक-दूसरे की पीठ थपथपा कर घायलों के जख्मों पर मरहम लगाते देखे जा रहे हैं। दंगों का सैलाब गुजर गया, अब सम्मान पत्र बांटने वाले, या अपना अभिनंदन स्वयं ही करवा लेने वाले सामने आ रहे हैं, कि देखो बंधु, हमने दंगों की इस पीड़ा को अपने बदन पर नहीं, बल्कि अपनी आत्मा पर झेला है। इसीलिए तो फसाद और खून के उन दिनों में हमने घिरे हुए अभागों की भूख-प्यास की सुध ली। उनके अटूट लंगर की कड़ी को टूटने नहीं दिया। हम उन्हें अपनी पीठ थपथपाते हुए देखते रहे कि हां, उत्पाती दिनों में इन लोगों ने दस रुपए की पानी की बाल्टी बीस रुपए में बेची है। वे मुंह मांगी कीमत प्राप्त कर सके, इसके लिए यह भी हो सकता है कि उन अशांत दिनों में उन्होंने पानी की आपूर्ति खुद ही बाधित कर दी हो। अब कारवां गुजर जाने के बाद उसके गुब्बार को पछाडऩे के लिए, जल आपूर्ति से लेकर भूख आपूर्ति तक करते हुए अब समय सारथी बन हर तरह की प्रवंचना से जूझ जाने का संदेश दे रहे हैं। एक चेहरे पर समयानुसार दूसरा चेहरा लगा लेना, और अपनी पीठ खुद ही थपथपा अपने आपको क्रांतिवीर घोषित कर देने का यह उद्घोष हम हर क्षेत्र और हर समय में देखते-सुनते आ रहे हैं। इन दिनों इसका रिवाज कुछ अधिक हो गया है, क्योंकि सुना है जो असल हकदार थे, वे तो इस पहचान और अभ्यर्थना के मेले में लुट गए साहिब, और तमाशबीन दुकानें सजा कर बैठ गए, जहां आपके लिए पुरस्कार से लेकर सम्मान पत्र तक सब नीलाम हो रहे हैं। आधी रात को 'खून का बदला खून' चिल्लाने वाले शूरवीर सुबह होते ही सूरजमुखी बन कर शांति का सूरज उगा देने के पैरोकार बन गए, क्योंकि यह बात तो उनके बड़े-बूढ़े पहले ही बता गए थे, कि बरखुरदार गंगा जाओ तो गंगाराम बन जाओ, और जमना जाओ तो जमनादास बनने की घोषणा कर दो। कालांतर में यह समझ उन्हें दलबदलू बनने की प्रेरणा देती है। अपनी टोपी बदल कर वे कभी शर्मिन्दा न हुए, बल्कि इसे आत्मावलोकन कह अपनी समझ का नया पड़ाव हमें समझा इसे न्यायसंगत ठहरा गए। आजकल दलबदलू कानून भी उनका अवरोध नहीं कर पाते। गठजोड़ संस्कृति आ गई है। लोग एक-दूसरे के विरुद्ध कीचड़ उछालते हुए चुनाव लड़ते हैं, बाद में सत्ता पर कब्जा जताने के लिए एक-दूसरे के साथ गठजोड़ करते हुए उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं होती। अलग-अलग दर्शनों से प्रतिबद्धता जताने वाले भी कितनी जल्दी एक न्यूनतम सांझे कार्यक्रम पर पहुंच जाते हैं, और अपने-अपने हिस्से की विजयमाला बांट करके पहन लेते हैं।

देश दुनिया से

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट 'द फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्ड' ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे। वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं। बढ़ता

शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं-किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

आप का नजरिया

मेडिकल संस्था का बचाव

लोगों को अस्पताल, व्यवस्था को नए नियम और सरकार को औपचारिकताओं को बदलने का समाधान चाहिए, ताकि भोटा के राधास्वामी चैरिटेबल ट्रस्ट पर मंडरा रहा गतिरोध खत्म हो जाए। जमीन पर इरादों की फेहरिस्त ने कभी राधास्वामी सत्संग ब्यास के नाम, हमीरपुर के भोटा में लैंड सीलिंग एक्ट में मिली छूट का मोहल्ला बना दिया, लेकिन कानून की नई जुंबिश ने वर्षों पहले स्थापित चैरिटेबल अस्पताल का अस्तित्व हिला दिया है। दरअसल जमीन के जिस टुकड़े पर अस्पताल चलता है, उसे एक अलग संस्था में निरूपित करके राधा स्वामी सत्संग ब्यास, इस फर्ज की निरंतरता को बरकरार रखना चाहता है, वरना अस्पताल के मुख्य गेट पर चस्पां नोटिस बता रहा है कि जीवनदान न मिला तो दिसंबर की पहली तारीख इसके अस्तित्व की अंतिम सांस लेगी। जाहिर है मसले के केंद्रबिंदु में हिमाचल सरकार के सामने सीमित विकल्प हैं। या तो आंख मूंद कर भारत सरकार द्वारा निर्देशित लैंड सीलिंग एक्ट की भावना में मुख्य ट्रस्ट को अस्पताल की जमीन अन्य संस्था को ट्रांसफर करने से छूट न दे या अपनी इच्छाशक्ति से कानून की परिपाटी को ही बदल दे। सरकार के लिए निर्णायक होने की एक वजह तो यह है कि भोटा अस्पताल को बचाने के लिए जनता सामने आ गई है। रोजाना इसके बचाव के समर्थन में जनता ने ठान लिया है कि वह अपने संघर्ष की दीवार खड़ी करती रहेगी। सरकार के लिए यह तोहफा आसान नहीं। खासकर लैंड सीलिंग एक्ट की धाराओं ने हिमाचल की सामाजिक धरती हिलाई है। कानून की शक्ल में सामाजिक सुरक्षा की पैरवी का ही असर है कि यहां सियासत के बिल्ले अब स्थानीय निकायों तक झगड़ालू हो गए। खेत छोटे, झगड़े बड़े हो गए और अब आवासीय सुविधाओं की खोज, एक टेढ़ा अरमान साबित हो रही है, लेकिन जिस उद्देश्य से लैंड सीलिंग कानून अपनाया गया, उसके नतीजे कुछ और कहते हैं। लैंड सीलिंग एक्ट से खेती के अधिकार कृषि मजदूरी की संपत्ति होनी चाहिए थी, लेकिन अब हिमाचली परिदृश्य में आयातित उत्पाद और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विश्राम दिखाई देता है। यह दीगर है कि लैंड सीलिंग के बाद गैर हिमाचली को भूमि की खरीद पर लगी पाबंदियों ने धारा 118 को सियासी पहलवान बना दिया। हिमाचल की इन्वेस्टमैंट खोज, पर्यटन की मौज और यहां आकर बसने का ओज अब धारा 118 के समानांतर एक साम्राज्य सरीखा है और जिसके तहत बंटती है विशेषाधिकार की पहुंच और प्रभावशाली संपर्क। खैर, जमीनों की तफतीश में कानूनों के ढेरियां भी असफल हैं, क्योंकि इस मर्ज ने दवा के बजाय, बीमारियां ही पैदा की। जिस राज्य में लैंड सीलिंग एक्ट ने बड़े खेतों के स्वामी दरकिनार कर दिए, वहां नए लैंड लॉर्ड चमत्कृत हुए। इन्हें आप भू-माफिया के रूप में देखें या धार्मिक आचरण के जमघट में नए श्रद्धास्थल के रूप में देखें, एक बड़ा हिमाचल इनके कब्जे में है। राधास्वामी आश्रमों की शृंखला में हिमाचल का एक बड़ा रकबा जिस संस्था के नाम है, वह अपने उद्देश्यों की परिपाटी में आखिर इतनी बेरहम कैसे हो सकती है कि एक सामाजिक दायित्व के अधीन चल रहे अस्पताल के अस्तित्व को जमीन का विरोध बना दे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के तेवर कड़े, गंडापुर ने कहा-हुकूमत के विरोध में धरना जारी रहेगा

इस्लामाबाद, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के तेवर अब और गरम हो गए हैं। संघीय राजधानी के डी-चौक पर करो या मरो विरोध प्रदर्शन के खत्म होने के बाद पार्टी के बड़े नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के संवाददाता सम्मेलन ने हुकूमत की चिंता बढ़ा दी है। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर के मुताबिक, डी-चौक पर विरोध प्रदर्शन के लिए पहुंचे पीटीआई के काफिले का नेतृत्व कर कल शाम लौटे गंडापुर ने अपने प्रांत की खूबसूरत घाटी मानसेहरा में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शहबाज हुकूमत पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हुकूमत इस मुगालते में मत रहे कि आंदोलन खत्म हो गया है। इस्लामबाद में हुकूमत ने निहत्थे पीटीआई कार्यकर्ताओं पर जुल्म की इंतहा की है। उन्हें गोलियों से भूना है। इससे कोई डरने वाला नहीं है। पीटीआई का देशव्यापी धरना बंद नहीं होगा। वह जारी रहेगा। अली अमीन गंडापुर ने कहा कि पीटीआई ने हमेशा कानून और लोकतंत्र की सर्वोच्चता को कायम रखते हुए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा पीटीआई प्रमुख इमरान खान को जेल में डाल दिया गया है। आठ फरवरी के चुनाव में पीटीआई का जनादेश चुरा (छीन) लिया गया। इसके खिलाफ जुबान खोलने की बड़ी कीमत अदा करनी पड़ रही है।

अन्याय का शांतिपूर्ण विरोध करने पर गोलियों से भुनवाया जा रहा है। पीटीआई नेता और मुख्यमंत्री गंडापुर ने साफ किया कि जब तक पार्टी की मांगें पूरी नहीं की जातीं तब तक धरना जारी रहेगा।

उन्होंने घोषणा की कि पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए (शहीद) प्रत्येक कार्यकर्ता के परिवार को 10 मिलियन रुपये प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने सरकार को आगाह किया कि वह निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करने से बाज आए। डी-चौक पर शांति के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राजधानी में संघीय कैबिनेट बैठक को संबोधित किया।

न्यूज ब्रीफ

इमरान खान, बुशरा बीबी, अली गंडापुर समेत 75 के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज

रावलपिंडी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और पार्टी के कई अन्य नेताओं के खिलाफ आतंकवाद का मामला दर्ज किया गया है। रावलपिंडी के नसीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में इमरान खान की बहन अलीमा खान, उमर अयूब, शेरयार रियाज समेत 75 अन्य लोगों के नाम हैं। खबर के अनुसार, एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि इमरान खान ने कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों को 22 नवंबर को इस्लामाबाद की ओर मार्च करने के लिए उकसाया। बुशरा बीबी के सोशल मीडिया बयान ने कार्यकर्ताओं को उकसाया। इन सब पर सड़कों को अवरुद्ध करने की साजिश रचने, पुलिस अधिकारियों पर लाठियों, गुलेल, पत्थरों और ईंटों से हमला करने का भी आरोप है। एफआईआर में पाकिस्तान दंड संहिता की 15 अन्य धाराएं भी शामिल हैं। इससे पहले हक्ला इंटरचेंज के पास हिंसक टकराव के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल की मौत और अन्य के घायल होने के बाद तक्षशिला पुलिस स्टेशन में इमरान खान पर एक अन्य मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में अली अमीन गंडापुर, सालार खान काकर और शाहिद खट्टक समेत अन्य के नाम भी दर्ज हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लगभग सालभर से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं। पीटीआई उनकी मांगों को लेकर मुखर है।

खैबर पख्तूनख्वा में भी हालत नाजुक, अमेरिका ने जारी की एडवायजरी , नागरिकों से कहा तुरंत छोड़ें इलाका

वाशिंगटन। पाकिस्तान में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार चरम पर है। बीते दिनों पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के कार्यकर्ताओं ने इस्लामाबाद में पैदल मार्च निकाला था। उधर, खैबर पख्तूनख्वा में भी हालत नाजुक हैं। वहां पिछले दिनों आतंकी हमला हुआ था। इसके बाद अब अमेरिका ने अपने नागरिकों को खैबर पख्तूनख्वा के इलाके में जाने से रोक दिया है। अमेरिका ने एडवायजरी जारी कर कहा है कि उसके नागरिक खैबर, पेशावर गोल्फ क्लब, खैबर रोड, होटल सेरेना समेत अनेक इलाकों में 16 दिसंबर तक न जाएं। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों से कहा है कि 16 दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान इस इलाके और आसपास के क्षेत्रों में जाने से बचें और अपनी यात्रा की योजनाओं पर फिर से पुनर्विचार करें। अमेरिकी ने अपने नागरिकों से कहा है कि वह आतंकवाद के कारण इस इलाके में यात्रा न करें। इसलिए सलाह जारी की गई है उस सलाह को ध्यान में रखें। यदि आप किसी कारणवश इन इलाकों में मौजूद हैं तो तत्काल वह इलाका छोड़ दें। अमेरिकी द्वारा जारी इस अलर्ट के बाद माना जा रहा है कि पाकिस्तान में कोई बड़ा आतंकवादी हमला इस अवधि में हो सकता है।

एचटीएस विद्रोही समूह ने सीरियाई सैन्य ठिकानों पर किया हमला, 89 लोगों की मौत

दमिश्क । हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) विद्रोही समूह और उसके सहयोगी गुटों ने अलेप्पो प्रांत के ग्रामीण इलाकों में सीरियाई सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला किया। इन झड़पों में 89 लोगों की मौत हो गई, जिसमें एचटीएस और उसके समर्थक गुटों के 52 लड़ाके और सीरियाई सरकारी बलों के 37 सैनिक शामिल थे। रिपोर्ट में सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के हवाले से बताया गया कि एचटीएस और अल-फतह अल-मुबीन ऑपरेशन रूम के गुटों ने ऑपरेशन शुरू होने के 12 घंटे से भी कम समय में 21 गांवों, कस्बों और रणनीतिक स्थलों पर नियंत्रण कर लिया। पांच सीरियाई सैनिकों को एचटीएस ने बंधक बनाया और हथियार डिपो, बख्तरबंद वाहन और भारी हथियार भी जब्त कर लिए। ऑब्जर्वेटरी ने बताया कि हमले के जवाब में, रूसी युद्धक विमानों ने अटारीब शहर के आसपास विद्रोहियों गुटों के ठिकानों पर वैक्यूम मिसाइलों का उपयोग करके हमले किए। सीरियाई सरकारी बलों ने अटारीब, दारत इज्जाज और आसपास के गांवों पर सैकड़ों तोपों और रॉकेटों से बमबारी की। एक दिन पहले, एचटीएस की तैयारियों कारण पश्चिमी अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में अतारिब और आसपास के गांवों से नागरिकों को बड़ी संख्या में पलायन करना पड़ा था।

बांग्लादेश में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की याचिका पर हाई कोर्ट ने कहा-सरकार निश्चित रूप से गौर करेगी

ढाका, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में हुई हिंसा में एक वकील की हत्या से उपजे हालात पर आज हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की याचिका को खारिज करते हुए हाई कोर्ट ने कहा कि सरकार निश्चित रूप से इस पर गौर करेगी।

यह याचिका वकील मोनिरुज्जमां ने बुधवार को दायर की। इसमें इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने और किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए चटगांव और रंगपुर में आपातकालीन उपाय लागू करने की मांग की गई। हाई कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अटॉर्नी जनरल को तलब किया। आज सुनवाई के दौरान वकील मोनिरुज्जमां ने कहा कि अब समय आ गया है कि इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाया जाए। इस पर हाई कोर्ट ने जवाब दिया कि सरकार निश्चित रूप से इस पर गौर करेगी। इससे पहले अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल बैरिस्टर अनीक आर हक और डिप्टी अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदउद्दीन ने हाई कोर्ट के जस्टिस फराह महबूब और जस्टिस देबाशीष रॉय चौधरी की पीठ को सरकार के रुख से अवगत कराया। हाई कोर्ट को बताया गया कि राज्य ने इस्कॉन के एक पूर्व नेता की गिरफ्तारी के बाद चटगांव में एक वकील की हत्या पर केंद्रित अशांति या अराजकता पैदा करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। यह मामला सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता पर है। घटना के संबंध में तीन मामले दर्ज किए गए हैं और 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस मुद्दे से उत्पन्न किसी भी अशांति को रोकने के लिए काम कर रही हैं। इसके बाद अटॉर्नी जनरल एमडी असदुज्जमान ने कहा कि कुछ पार्टियां कई तरह से देश को अस्थिर करने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देते हुए हाल के मुद्दों के संबंध में राजनीतिक दलों के साथ चर्चा शुरू की है। हाई कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी कानून व्यवस्था खराब करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम के बाद गाजा में शांति के प्रयास शुरू

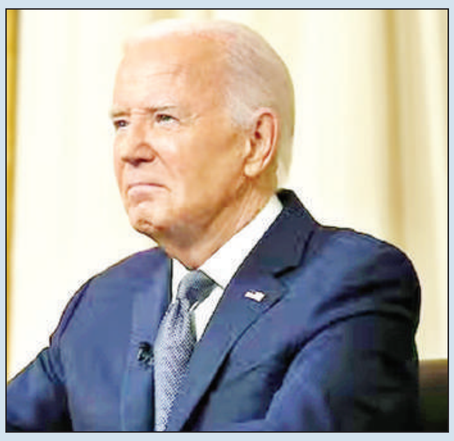

वॉशिंगटन। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच युद्धविराम बुधवार 27 नवंबर सुबह से लागू हो गया। लेबनान समझौते की घोषणा करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह गाजा में युद्धविराम के प्रयासों को फिर से शुरू करेंगे, जहां 14 महीनों से लड़ाई जारी है। उन्होंने इजरायल और हमास दोनों से बातचीत का आग्रह किया। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भी कहा कि बाइडेन तुर्की, कतर, मिस्र और क्षेत्र के अन्य देशों से बातचीत करेंगे। हालांकि, गाजा में भी इसी तरह के समाधान की उम्मीद कम ही दिख रही है, क्योंकि इजरायली अधिकारी हमास के खिलाफ अपना हमला जारी रखने की बात कर रहे हैं। इजरायली कृषि मंत्री और आंतरिक सुरक्षा कैबिनेट के सदस्य अवि डिचर ने कहा कि गाजा फिर कभी इजरायल के लिए खतरा नहीं बनेगा। हम वहां एक निर्णायक जीत हासिल करेंगे। लेबनान अलग है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में बंधक बनाए गए 101 इजरायली नागरिकों को घर वापस लाने और हमास को खत्म करने का संकल्प लिया है। दूसरी ओर हमास ने उम्मीद जताई है कि हिजबुल्लाह के साथ युद्धविराम से गाजा में प्रगति हो सकती है। हमास के अधिकारी सामी अबू जुहरी ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि यह समझौता (हिजबुल्लाह के साथ) एक ऐसे समझौते का रास्ता खोलेगा जो गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को समाप्त करे।' समूह ने इजरायली बंधकों के बदले में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करने की मांग की है और गाजा से इजरायल की वापसी पर जोर दिया है। इन मागों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत ठप है और दोनों एक-दूसरे पर गतिरोध के लिए आरोप लगा रहे हैं।

मेक्सिको के कदम से खुश डोनाल्ड ट्रंप ने कहा-अवैध प्रवेश पर लगेगी रोक

वाशिंगटन/मेक्सिको सिटी, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज प्रवासियों के अवैध प्रवेश को लेकर मेक्सिको के कदम पर खुशी जताई है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ पर लिखा, मेक्सिको की नई राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम पार्डो के साथ काफी सकारात्मक बातचीत हुई। वह मेक्सिको के जरिये संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवासन रोकने, हमारी दक्षिणी सीमा को प्रभावी ढंग से बंद करने पर सहमत हो गई हैं।

उन्होंने कहा, हमने इस बारे में भी बात की कि संयुक्त राज्य अमेरिका में बड़े पैमाने पर नशीली दवाओं के प्रवाह को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। बातचीत बहुत सार्थक रही। मेक्सिको तुरंत प्रभाव से लोगों को हमारी दक्षिणी सीमा पर जाने से रोकेगा। यह कदम संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध घुसपैठ को रोकने की दिशा में लंबा रास्ता तय करेगा। ट्रंप ने इसके लिए मेक्सिको की राष्ट्रपति पार्डो का आभार जताया है।

मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम पार्डो ने भी ट्रंप से हुई बातचीत का ब्यौरा एक्स हैंडल पर साझा किया है। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बातचीत में मैंने उन्हें उस व्यापक रणनीति के बारे में बताया जो मेक्सिको ने मानवाधिकारों का सम्मान करते हुए प्रवासन घटना से निपटने के लिए अपनाई है। सीमा पर पहुंचने से पहले प्रवासियों और उनके जत्थे की जांच की जाती है।

पार्डो ने कहा कि हम मेक्सिको की सीमाओं को बंद नहीं करने जा रहे। हम सरकारों और लोगों के बीच सेतु बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथ अच्छी बातचीत हुई। हमने अपनी संप्रभुता के ढांचे के भीतर सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को मजबूत करने और नशीली दवाओं की खपत को रोकने के लिए देश में चलाए जा रहे अभियान के बारे में भी चर्चा की।

बर्फबारी

सियोल में भारी बर्फबारी के बाद चारों ओर सफेद परत सी नजर आ रही।

नेपाल की विदेश मंत्री चीन रवाना, बीजिंग के बजाय चेंगदू में होगी द्विपक्षीय बैठक

काठमांडू, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा गुरुवार को चीन की आधिकारिक यात्रा पर रवाना हुई हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर उनकी बीजिंग यात्रा अब चेंगदू तक ही होने वाली है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक चेंगदू में ही होगी। डॉ. राणा की विदेश मंत्री के रूप में यह पहली चीन यात्रा है। विदेश मंत्रालय के कार्यवाहक सचिव अमृत राई और अन्य अधिकारियों ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उन्हें विदाई दी।

अपनी यात्रा के दौरान विदेश मंत्री राणा शुक्रवार को सिचुआन प्रांत के चेंगदू में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने वाली हैं। यह यात्रा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अगले सप्ताह चीन की योजनाबद्ध यात्रा से पहले की गई है। चेंगदू में चीनी विदेश मंत्री वांग के साथ अपनी बैठक के दौरान विदेश मंत्री राणा ओली के नेतृत्व वाली सरकार का संदेश देने और पीएम के प्रस्तावित चीन भ्रमण के एजेंडा और चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत परियोजनाओं को लागू करने के संबंध में नेपाल का प्रस्ताव पेश करेंगी। इसके बाद मंत्री राणा के शनिवार को नेपाल लौटने का कार्यक्रम है।

युद्ध विराम के दौरान दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना और हिजबुल्लाह के आतंकी भिड़े

बेरूत, 28 नवंबर (एजेंसियां)।

लेबनान में दो माह के युद्ध विराम को प्रभावी हुए 24 घंटे से ज्यादा का वक्त गुजर चुका है। अधिकतर क्षेत्रों से इजराइली सुरक्षा बल (आईडीएफ) और हिजबुल्लाह के आतंकवादी पीछे हट चुके हैं। मगर लड़ाई रुकने के कुछ घंटों बाद दक्षिणी लेबनान के कुछ इलाकों में आईडीएफ के जवानों और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच झड़प हो गई। इसमें हिजबुल्लाह को काफी क्षति हुई।

युद्ध विराम लागू होने के बाद ज्यादातर हिस्सों से आईडीएफ के जवान और हिजबुल्लाह के लड़ाके पीछे हट चुके हैं। लेबनान की सेना दक्षिणी लेबनान में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ रही है।

आईडीएफ और हिजबुल्लाह के बीच बुधवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों में जमीनी भिड़ंत जरूर हुई लेकिन सुबह चार बजे शुरू हुआ संघर्ष विराम का प्रभाव दिखने लगा है। आईडीएफ ने कहा कि हिजबुल्लाह ने कई जगह संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोशिश की। उसके लड़ाके दक्षिणी लेबनान के कुछ क्षेत्रों में प्रवेश की कोशिश करने लगे।

चेतावनी के बावजूद जब वह नहीं रुके तो गोलीबारी करनी पड़ी। इस दौरान कई लड़ाके मारे गए। कुछ घबराकर पीछे लौट गए। चार लड़ाकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आईडीएफ ने कहा कि अगर युद्ध विराम के दौरान हिजबुल्लाह ने उल्लंघन की हरकत की तो लेबनान में और शक्तिशाली हमले किए जाएंगे। हालांकि आईडीएफ के आला अधिकारी ने उम्मीद जताई कि हिजबुल्लाह युद्ध विराम की शर्तों का सम्मान करेगा। इस अधिकारी ने दोहराया कि अगर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन हुआ तो इजराइल पूरे लेबनान में कार्रवाई करने के लिए तैयार रहेगा।

आईडीएफ ने कहा कि बुधवार को युद्ध विराम लागू होने के कुछ ही घंटों बाद उसके सैनिकों ने निषिद्ध क्षेत्र में पाए गए संदिग्धों पर गोली चला दी। इससे पहले बेरूत में इजराइली वायुसेना के हमले में हिजबुल्लाह के ऑपरेशन अधिकारी जफर अली समाहा की मौत हो गई। इस हमले में हिजबुल्लाह की हवाई इकाई में कमांड की अधिकांश श्रृंखला का सफाया हो गया।

लेबनानी संसद के सदस्य और हिजबुल्लाह के सक्रिय कार्यकर्ता हसन फदलल्लाह ने कहा कि अब अगर इजराइल हमला करता है तो आतंकवादी समूह को अपना बचाव करने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि युद्ध विराम समझौते में 60 दिनों की अवधि शामिल है।

इस दौरान इजराइली सेना दक्षिणी लेबनान से हटेगी। वहां लेबनान की सेना तैनात होगी और हिजबुल्लाह लितानी नदी के उत्तर में आगे बढ़ेगा।

आदर्श ने की शानदार बल्लेबाजी ग्लोबल स्टार्स ने जीता मैच

लखनऊ 28 नवंबर (एजेंसियां) ।

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डिवीजन में ग्लोबल स्टार्स ने केवाई स्पोर्ट्स क्लब को हरा दिया। इस मैच में आदर्श यादव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 76 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में आर्यावर्त ने ब्लेज विलो को छह विकेट से मात दे दी।

केवाई स्पोर्ट्स क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाये। अपनी टीम में सबसे अधिक जितेन्द्र गौतम ने 61 रन का योगदान दिया। वहीं आलोक सिंह ने 25 रन बनाये, जबकि सलामी बल्लेबाज आदर्श यादव ने 22 रन का योगदान दिया। ग्लोबल स्टार्स ने तीन विकेट खोकर 204 रन बना लिये और मैच को सात विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अमर चंद्रा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 11 चौकों की मदद से 41 बाल पर 59 रन बनाये। वहीं आदर्श ने अपनी टीम में सर्वाधिक चार चौकों और चार छक्के की मदद से 77 बाल पर 76 रन बनाये। वहीं दूसरे मैच में ब्लेज विलो ने पहल बल्लेबाजी करते हुए 206 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज आर्यमन पांडेय ने 15 रन का योगदान दिया। वहीं वात्सल्य ने अपनी टीम में सर्वाधिक 66 रन बनाये। आर्यन ने 44 रन का योगदान दिया। वहीं आर्यावर्त क्रिकेट एकेडमी ने चार विकेट खोकर 208 रन बना लिएऔर मैच को छह विकेट से जीत लिया। मनोज पटेल ने अपनी टीम में सर्वाधिक 46 रन बनाये।

रोनाल्डो, मेसी के 100 गोल वाले क्लब में शामिल हुए लेवांडोव्स्की

रोम । पोलैंड के पेशेवर फुटबॉलर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये उपलब्धि केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम थी। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत के दौरान ही चैंपियंस लीग में अपने 100वां गोल पूरे किये। इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वां गोल दागा। चैंपियंस लीग में सबसे अधिक 140 गोल रोनाल्डो के नाम हैं जबकि मेसी के नाम 129 गोल दर्ज हैं। लेवांडोव्स्की ने 100 गोल करने पर कहा, 'यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में इतने गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर उत्साहित हूं। लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में यहां तक पहुंचे हैं। वहीं मेसी ने 123 और रोनाल्डो ने 137 मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी। बार्सिलोना की टीम इस जीत के साथ ही लीग में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है।

न्यूज ब्रीफ

आईएलटी 20 क्रिकेट लीग 11 जनवरी से शुरु होगा

दुबई। आईएलटी 20 क्रिकेट लीग के तीसरे सत्र का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसमें पहला मुकाबला गत चैंपियन एमआई अमीरात और दुबई कैपिटल्स के बीच 11 जनवरी को होगा। इस टूर्नामेंट में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पंद्रह मैच खेले जाएंगे जबकि अबू धाबी में 11 मैच होंगे। शेष आठ मैचों का आयोजन प्रतिष्ठित शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। एक महीने तक चलने वाले टूर्नामेंट में कुल 34 मैच खेले जाएंगे। इसका फाइनल 9 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा। आईएलटी20 में छह फ्रेंचाइजी टीम एमआई अमीरात, दुबई कैपिटल्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स, डेजर्ट वाइपर, गल्फ जाइंट्स और शारजाह वारियर्स भाग लेंगी। आंद्रे रसेल, सुनील नारायण (अबू धाबी नाइट राइडर्स), डेविड वार्नर, निकोलस पूरन, जेसन रॉय, लॉकी फर्ग्यूसन जैसे विश्व के शीर्ष क्रिकेटर इस प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष कोए

नई दिल्ली। विश्व एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने अपने भारत दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और 2036 ओलंपिक खेलों की मेज़बानी की दावेदारी पर खुशी जतायी है। गौरतलब है कि पिछले साल नवंबर में, 141वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) सत्र के दौरान मोदी ने कहा था कि भारत 2036 ओलंपिक की मेज़बानी के लिए पूरी तरह तैयार होगा और इसके सफल आयोजन के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेगा। कोए ने कहा, मुझे खुशी है कि भारत जैसे देश, जिसमें जुनून, प्रतिबद्धता और क्षमता है, ओलंपिक खेलों की मेज़बानी में रुचि दिखा रहे हैं जबकि ओलंपिक के लिए बोली लगाना आसान नहीं होता, यह एक कठिन और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया है। कोए ने प्रधानमंत्री मोदी से अपनी मुलाकात के दौरान भारत से अपने संबंधों के बारे में भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उनके दादा भारतीय थे, जिनका जन्म पंजाब में हुआ था और वह ज़्यादातर समय दिल्ली में रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार का दिल्ली में एक होटल था और उनके दादा खेलों के महत्व को अच्छी तरह समझते थे।

पंड्या की सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी, एक ही ओवर में 29 रन बनाकर बड़ौदा को जीत दिलायी

नई दिल्ली । आठ साल बाद सैयद मुश्ताक अली घरेल क्रिकेट टूर्नामेंट खेलते हुए ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का शानदार प्रदर्शन जारी है। बड़ौदा की ओर से खेलते हुए पंड्या ने तमिलनाडु के खिलाफ मैच में एक ओवर में 29 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। पंड्या ने ये रन तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह के एक ही ओवर में बना दिये। उन्होंने इस ओवर में 4 छक्के और एक चौका लगाया। गुरजपनीत को हाल ही में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2025 सत्र के लिए हुई नीलामी में 2.2 करोड़ रुपये में खरीदा था। पंड्या के 30 गेंद में 69 रनों की सहायता से बड़ौदा ने तमिलनाडु को अंतिम गेंद पर 3 विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की। तमिलनाडु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एन जगदीशन के अर्धशतक से 6 विकेट पर 221 रन बनाए थ। वहीं विजय शंकर ने 22 गेंद में 42 रन बनाये।

विरोध प्रदर्शनों से पाकिस्तान की चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खतरे में पड़ी

लाहौर। पाकिस्तान में जारी विरोध प्रदर्शनों को देखते हुए अब उसकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। जिस प्रकार से राजनीतिक हालात खराब हो रहे हैं और हिंसा बढ़ रही है। उसी को देखते हुए श्रीलंकाई ए टीम को अपना दौर रद्द कर बीच में ही स्वदेश लौटना पड़ा है। इसके बाद से ही ये सवाल उठने लगे हैं कि ऐसे हालातों में चैंपियंस ट्रॉफी कैसे खेली ज सकेगी। ये सब घटनाक्रम अब शुक्रवार को होने वाली आईसीसी बोर्ड की बैठक में भी उठेगा। इसी बैठक में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम पर फैसला होगा। ऐसे में राजनीतिक अराजकता और हिंसा से पाक क्रिकेट बोर्ड की दावेदारी कमजोर पड़ेगी। कुछ और प्रतिभागी देशों के भी सुरक्षा चिंता व्यक्त किए जाने के कारण, इस आयोजन को पाक से बाहर ले जाने की आशंका बढ़ गयी है।

आईपीएल नियमों के कारण धोनी और ऋषभ की कमाई में आया भारी अंतर

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां) ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी से जहां कई खिलाड़ी रातो रात करोड़पति बन गये। वहीं कई की कीमतें घटी हैं। लीग के नये रिटेंशन नियमों से भी कई खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को आईपीएल के पहले सीजन में जितने पैसे मिले थे। उससे कहीं कम इस बार मिले हैं। धोनी अपनी ही टीम में कीमत के मामले में नौवें नंबर पर आ गये हैं। वहीं अगर धोनी की तुलना 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ पंत से की जाती है तो जितनी धोनी की साल भर की कमाई है उतनी ऋषभ की दो मैचों की कमाई है।

नीलामी में ऋषभ पंत पर सबसे बड़ी बोली लगी और उन्हें लखनऊ पर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा। वहीं धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 4 करोड़ रुपए में रीटेन किया है। सीएसके ने आईपीएल के लिए 5 खिलाड़ी रीटेन किए, जिसमें सबसे कम पैसे धोनी को ही मिले हैं। इसका कारण आईपीएल का नया नियम है जिसमें धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रीटेन किया जाना था और इसमें 4 करोड़ से अधिक नहीं दिये जा सकते। आईपीएल 2025 से पहले अनकैप्ड प्लेयर को लेकर कुछ नियम बदले थे, जिसमें 5 साल पहले संन्यास ले चुके क्रिकेटर को अनकैप्ड मानने पर सहमति बनी थी। इसी कारण ऋतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा, मथीशा पथिराणा और शिवम दुबे जैसे नये खिलाड़ियों को भी धोनी से ज्यादा पैसे देकर रीटेन किया गया है।

वहीं सबसे महंगे खिलाड़ी ऋषभ और धोनी की कमाई में अंतर देखा जाये तो ऋषभ की टीम यदि फाइनल खेलती है तो वह पूरे सीजन में 16 या 17 मैच खेलेगी. अगर हम इसे 17 मैच मान लें कि पंत को एक मैच के औसतन 1.80 करोड़ रुपए मिलेंगे। इसी तरह अगर चेन्नई सुपरकिंग्स फाइनल में पहुंचे और धोनी 17 मुकाबलों में उतरें तो उनकी प्रति मैच कमाई 23.52 लाख रह जाएगी। धोनी और पंत की इस कमाई में मैच फीस शामिल नहीं है। आईपीएल में पहले मैच फीस नहीं मिलती थी। साल 2025 से अब खिलाड़ियों को मैच फीस भी मिलेगी. इसी तरह यदि सीएसके नॉकआउट राउंड में पहुंचने में नाकाम रहे और धोनी ग्रुप स्टेज के सारे मुकाबले खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 28.57 लाख रुपए रहेगी। अगर लखनऊ नॉकआउट राउंड से बाहर हो जाए और पंत सारे ग्रुप मैच खेलें तो उनकी प्रति मैच फीस 1.92 करोड़ रुपए रहेगी। यदि लखनऊ सुपर जायंट्स नॉकआउट राउंड से पहले ही बाहर हो जाती है तो ऋषभ को दो मैच में औसतन 3.84 करोड़ रुपए मिलेंगे। यह धोनी के पूरे साल के वेतन से थोड़े ही कम होंगे।

बजरंग पूनिया ने सरकार पर बदले की कार्रवाई का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां) ।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने खेलों से चार साल के लिए निलंबित किये जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सरकार बदले की कार्रवाई कर रही है और अगर वह भाजपा में जाते हैं तो ये निलंबन हटा लिया जाएगा। इससे पहले बजरंग को जांच के लिए नमूना देने से मना करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया था। वहीं नाडा ने कहा कि बजरंग ने 10 मार्च को राष्ट्रीय टीम के लिए चयन ट्रायल के दौरान नमूना देने से इनकार करके नियमों का उल्लंघन किया। डोपिंग रोधी संस्था ने सबसे पहले इस पहलवान को 23 अप्रैल को इस उल्लघंन के लिए निलंबित किया था। जिसके बाद खेल की विश्व संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। बजरंग ने कहा, 'यह हैरानी की बात नहीं है क्योंकि ट्रायल का यह मामला पिछले एक साल से चल रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि मैंने नाडा को नमूना देने से इनकार नहीं किया है। जब वे डोप जांच के लिए मेरे घर आए थे तो वे एक 'एक्सपायरी किट लेकर आए थे। मैंने इसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया है। पूनिया और उनकी साथी पहलवान ओलंपियन विनेश फोगाट इस साल के शुरु में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। बजरंग ने अपने बचाव में कहा, 'आप किसी भी खिलाड़ी को 'एक्सपायरी किट नहीं दे सकते। जहां तक ??मेरा सवाल है तो मेरी टीम वहां थी इसलिए उन्होंने यह देख लिया। वे 'एक्सपायरी किट लेकर आए थे। मैंने मूत्र का नमूना दिया था लेकिन फिर मेरी टीम ने किट की जांच की और पाया कि यह 'एक्सपायर (तारीख खत्म होना) हो चुकी थी। इसलिए हमने किट का वीडियो बनाया और हमने नाडा को मेल किया। लेकिन उन्होंने अपनी गलती स्वीकार नहीं की।

इस पहलवान ने कहा कि सरकार भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चल रहे धरने में शामिल होने के कारण उनसे बदला लेना चाहती है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह भी लगता है कि महिला पहलवानों के समर्थन में हमारे विरोध प्रदर्शन के कारण वे बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं।

अंशकालिक खेल प्रशिक्षकों के रिक्त पदों पर ऑनलाइन आवेदन 2 दिसम्बर तक

जौनपुर, 28 नवंबर (एजेंसियां) ।

उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न खेलों- एथलेटिक्स, तीरन्दाजी, नेटबाल, टेबुल-टेनिस, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, बैडमिन्टन, ताइक्वाण्डो, वुशू, तैराकी, लॉन टेनिस, बास्केटबाल, वॉलीबाल, भारोत्तोलन, हॉकी, जूडो, बाक्सिंग, क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, स्क्वैश, शूटिंग, कुश्ती, साफ्ट टेनिस, क्याकिंग एण्ड केनोइंग, रोइंग, कराटे खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों के 107 रिक्तों पदों को जेम पोर्टल के माध्यम से सेवा प्रदाता फर्म के माध्यम से भरकर चयन सम्बन्धी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इस संबंध में गुरुवार को हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी डॉ. अतुल कुमार सिन्हा ने बताया कि पूरे प्रदेश में लगभग 450 पद रिक्त थे जिन्हें सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से भरा जा रहा है। सभी जनपदों से आवेदन पत्र भरने को कहा गया है। अभी लगभग 107 पद खाली हैं। उसे भरने की प्रक्रिया चल रही है। ये प्रक्रिया लगातार चलती रहती है क्योंकि यह पद संविदा पर होते हैं। लोग सरकारी नौकरी मिलने के बाद छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे में दोबारा उसी पद पर लोगों की नियुक्ति की जाती है। यह प्रक्रिया पूरे प्रदेश में लगातार चलती रहती है। उक्त 27 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों हेतु आवेदन करने की तिथि बढ़ायी गयी है। आवेदन करने के लिए रिक्तियां पोर्टल पर 26 नवम्बर से प्रदर्शित हो रही है तथा पोर्टल पर आवेदन करने की अन्तिम तिथि 2 दिसम्बर है। पात्र अभ्यर्थी जो उक्त पदों पर कार्य करने के इच्छुक हैं वे अविलम्ब अपना आवेदन आनलाइन पोर्टल पर भर लें ताकि चयन प्रक्रिया के दौरान उनको सम्बन्धित फर्म द्वारा निर्धारित तिथि पर बुलाया जा सके।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अनकैप्ड ऑलराउंडर की ऑस्ट्रेलियाई टीम में एंट्री

कैनबरा, 28 नवंबर (एजेंसियां) ।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट के लिए टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। वेबस्टर को फिटनेस से जूझ रहे मिचेल मार्श के कवर के रूप में शामिल किया है। मार्श की तरह वेबस्टर भी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर हैं।

पर्थ में ऑस्ट्रेलिया की 295 रन से हार के बाद मार्श की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। हालांकि कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिया था कि वे एडिलेड में 13 सदस्यीय टीम के साथ ही जाएंगे, लेकिन खिलाड़ी की फिटनेस की चिंता को लेकर वेबस्टर को टीम में शामिल किया गया है। 30 वर्षीय खिलाड़ी वेबस्टर का पिछले 18 महीनों में शेफील्ड शील्ड में शानदार प्रदर्शन रहा है। इसके अलावा हाल ही में इंडिया-ए के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में भी अच्छा प्रदर्शन किया था।

वेबस्टर ने कहा कि मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ (ऑस्ट्रेलिया ए के लिए) कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। ए टीम के लिए खेलना टेस्ट से एक कदम नीचे है इसलिए यह आपको अच्छा महसूस कराता है। एनएसडब्ल्यू (न्यू साउथ वेल्स) खेल के अंत में %बेल्स% (चयन अध्यक्ष जॉर्ज बेली) से कॉल प्राप्त करना वास्तव में गर्व का क्षण था और मैं टीम में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि पहला टेस्ट मैच जीतकर भारतीय टीम ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। दूसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर), जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

मीराबाई विश्व चैंपियनशिप से बाहर रहेगी, ज्ञानेश्वरी करेंगी भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली, 28 नवंबर (एजेंसियां) ।

मीराबाई चानू अगले सप्ताह 6 दिसंबसर से बहरीन के मनामा में होने वाली भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। चानू ने कहा है कि उन्होंने ये फैसला अपना 'रिहैबिलिटेशन जारी रखने के लिए लिया है। चानू ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किग्रा श्रेणी में चौथे स्थान पर रहने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा, 'पेरिस ओलंपिक के बाद से ही मीरा अभी भी रिहैबिलिटेशन में हैं। वह इस विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी।कोच के अनुसार चानू के नहीं रहने से राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। पिछले साल एशियाई खेलों में चोट लगने के बाद से ही मीराबाई की फिटनेस को लेकर पेरिस ओलंपिक के दौरान भी चर्चा होती रही। एशियाई खेलों में पदक जीतने का उनका सपना पिछले साल टूट गया था क्योंकि वह सिर्फ यही ट्रॉफी नहीं जीत पाई हैं। कोच ने कहा, ' चानू के लिए स्वस्थ होना अहम है क्योंकि हमें 2026 राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की तैयारी शुरू करनी होगी। चानू के नहीं रहने से राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। ज्ञानेश्वरी 49 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

विलियम्सन की शानदार वापसी पर 33 वां शतक पूरा नहीं कर पाये

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियम्सन ने चोट से उबरकर टेस्ट क्रिकेट में अच्छी वापसी करते हुए. इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट मैच में 93 रन बनाये पर वह अपना 33 वां शतक पूरा नहीं कर पाये। इस मैच में दबाव के बीच ही विलयम्सन ने अच्छी बल्लेबाजी की। वह तेज गेंदबाज गट एटकिंसन का शिकार बने। विलियम्सन की पारी से उनकी टीम अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ये साल 2018 के बाद पहला मौका है जब विलियम्स टेस्ट में नर्वस नाइंटीज का शिकार बने। इससे पहले वह पिछली पारियों में 90 रनों से ऊपर पहुंचने के बाद शतक लगाने में सफल रहे थे। विलियम्सन ने 197 गेंदों में 93 रन बनाए जिसमें 10 चौके शामिल थे। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की पर विलियम्सन की अच्छी पारी से मेजबान टीम पांच विकेट पर 225 रन बनाने में सफल रही। वं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट ने इस मैच में उतरते ही अपना 150वां टेस्ट मैच खेला। रूट 150 टेस्ट खेलने वाले इंग्लैंड के चौथे बल्लेबाज हैं! इससे पहले इंग्लैंड की ओर से जेम्स एंडरसन ने 188 जबकि स्टुअर्ट ब्रॉड ने 167 टेस्ट खेले हैं। विलियम्सन इस बार आईपीएल नीलामी में नहीं बिके। वहीं पिछले साल वह गुजरात टाइटंस की टीम में थे पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। माना जा रहा है कि इसी कारण उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला।

हुआई ने लांच किए नई मेट 70 सीरीज के स्मार्टफोन

नई दिल्ली,28 नवंबर (एजेंसियां)।

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी हुआई ने अपनी नई मेट 70 सीरीज़ के स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। यह हुआई का पहला ऐसा ऑपरेटिंग सिस्टम है, जिसमें ओपन-सोर्स एंड्रॉयड कोड का उपयोग नहीं किया गया है।

हारमनीओएस नेक्स्ट को एंड्रॉयड और आईओएस के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है और यह हुआई के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाने का वादा करता है।

मेट 70 सीरीज़ में तीन वेरिएंट्स— मेट 70, मेट 70 प्रो और मेट 70 प्रो+ शामिल हैं। मेट 70 की कीमत 5,499 चीनी युआन (लगभग 759 अमेरिकी डॉलर) से शुरू होती है।

जबकि मेट 70 प्रो+ की शुरुआती कीमत 8,499 चीनी युआन (लगभग 1,170 अमेरिकी डॉलर) है। इन स्मार्टफोन्स में उन्नत प्रोसेसर, बेहतर कैमरा फीचर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फोटो एडिटिंग टूल्स शामिल हैं।

हुआई ने इन स्मार्टफोन्स के जरिए क्षमताओं को ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रस्तुत किया है। हुआई ने मेट एक्स6 नामक एक फोल्डेबल स्मार्टफोन भी पेश किया, जिसकी कीमत 12,999 चीनी युआन (लगभग 1,700 अमेरिकी डॉलर) है। इस डिवाइस में फोल्डिंग तकनीक और बेहतर स्क्रीन फीचर्स हैं।

हारमनीओएस नेक्सट में ऐप्स के इंटीग्रेशन पर खास ध्यान दिया गया है, ताकि इसका उपयोगकर्ता अनुभव बेहतर बनाया जा सके। 2019 में अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद हुआई को गूगल के एंड्रॉयड से बाहर कर दिया गया था, जिसके चलते कंपनी ने अपना ऑपरेटिंग सिस्टम विकसित किया। हारमनीओएस नेक्स्ट अब हुआई के तकनीकी विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कंपनी ने इस इकोसिस्टम के तहत ऐप डेवलपर्स को जोड़ने के लिए कई कदम उठाए हैं। लांकि मेट 70 सीरीज़ और हारमनीओएस नेक्स्ट मुख्य रूप से चीनी बाजार पर केंद्रित हैं, हुआई ने पुराने डिवाइसों के लिए भी सॉफ्टवेयर अपग्रेड जारी करने का संकेत दिया है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने लगातार दूसरे महीने नीतिगत दर घटाई, बैंक ने आगामी वर्षों के लिए भी अर्थव्यवस्था की पुनरावृत्ति में गिरावट का अनुमान लगाया

सियोल। दक्षिण कोरिया के केंद्रीय बैंक ने नवंबर माह में अपनी प्रमुख नीति दर में कटौती की घोषित करते हुए अर्थव्यवस्था के मुक्काम विकास की उम्मीद दर को घटाने की घोषणा की। बैंक ऑफ कोरिया ने दूसरे महीने भी बारीकी से नीतिगत ब्याज दर में चौथाई प्रतिशत की कटौती की और उसे तीन प्रतिशत किया। इस साल के पूर्वानुमानों को कम करते हुए बैंक ने आगामी वर्षों के लिए भी अर्थव्यवस्था की पुनरावृत्ति में गिरावट का अनुमान लगाया। बैंक ने अपने उद्योग के नजरिए से अधिक उधार लेने की लागत में कमी और मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए इस कदम की चेतावनी जारी की। उच्च मुद्रास्फीति और अधिक घरेलू ऋण के परिणाम स्थिति में जोखिम उलझा हुआ है, जो अर्थव्यवस्था को एक नया धक्का पहुंचा सकता है। इस पहल के हिसाब से बैंक ने अक्टूबर में भी नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की थी, परन्तु अब भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बाजार गतिविधियों में वैशिष्ट्य, उद्योग व्यापार संघर्ष और निर्यात के मामले में कोहराम बना रहेगा, जिससे अर्थव्यवस्था के विकास में धीमापन की संभावना है। बैंक ने वही उम्मीद जताई कि भविष्य में घरेलू खपत में वृद्धि हो सकती है, लेकिन विशेष रूप से न केवल निर्यात में, बल्कि प्रमुख उद्योगों में भी प्रतिस्पर्धा और व्यापार नीतियों की मजबूती की आवश्यकता है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज क्यूआईपी से 6,000 करोड़ की राशि जुटा लेगी, आवासीय भूखंडों और अपार्टमेंट कारोबार का विस्तार करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने क्यूआईपी के माध्यम से संस्थागत निवेशकों से 6,000 करोड़ रुपये की राशि जुटाने का एलान किया है। यह कम्पनी का उद्देश्य है आवासीय भूखंडों और अपार्टमेंट कारोबार का विस्तार करना। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए क्यूआईपी स्कीम पेश की है। इस मुद्दे पर बाजार सूत्रों की मानें तो गोदरेज प्रॉपर्टीज को इस दिशा में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया जाहिर की गई है और कंपनी भविष्य में भी मजबूती बनाए रखने के लिए 6,000 करोड़ रुपये की राशि जुटा रही है। इस संपूर्ण राशि की गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अनुमानित मूल्य 2,727.44 रुपये प्रति शेयर पर निश्चित की है। कंपनी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर है और इसकी मुख्य उपस्थिति दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु में है। हाल ही में कंपनी ने हैदराबाद बाजार में भी कदम रखा है। गोदरेज प्रॉपर्टीज की इस स्कीम से संस्थागत निवेशकों को नए अवसरों का लाभ उठाने का मौका मिलेगा, जिससे कंपनी के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा।

सरस आजीविका मेला ने व्यापार मेले में 26 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, आठ करोड़ रुपये का कारोबार किया

नई दिल्ली । ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों ने बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी वाले सरस आजीविका मेला-2024 ने भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईटीटीएफ) में रिकॉर्ड तोड़ा। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसकी प्रमुखता दी। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं और राज्य समन्वयकों ने इस मेले में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान प्राप्त किया। भारत सरकार द्वारा आयोजित 43वें व्यापार मेले में सरस मेले ने आठ करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया, जिससे पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। पंचायती राज मंत्रालय के मंडप का विषय पंचायत विकसित भारत 2047 था और यहां ग्रामीण भारत में जारी डिजिटल परिवर्तन का अवलोकन किया गया। यह मेला सशक्त बनाने के लिए कांस्य पदक से सम्मानित था, जो भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित व्यापार मेले के दौरान बहुत उपयोगी साबित हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मुगलिस्तान बनने ...

पाकिस्तान तो बनवा लिया, पर ये लोग पाकिस्तान गए ही नहीं। यह वोट बैंक का असर है। थोक वोट बैंक की परिणति है। इस थोक वोट बैंक के असर को तब की कांग्रेस और आज की कांग्रेस जैसी पार्टियों ने गहराई से समझा और अब तक उसे भुनाने की कोशिश जारी है। मकसद है देश भले बंट जाए लेकिन सत्ता बनी रहे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज उसी राह पर यानी मुस्लिमपरस्ती की दिशा में सरपट दौड़ रही हैं।ममता बनर्जी ने अपनी तानाशाही में मुस्लिम तुष्टीकरण के नाम पर हिंदुओं के खिलाफ कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे लगता है कि वे पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश, पाकिस्तान या फिर अफगानिस्तान बनाने पर तुली हैं। ममता बनर्जी की वोट बैंक की राजनीति के कारण बंगाल के कई इलाके मुस्लिम बहुल हो चुके हैं और हिंदुओं का इन इलाकों में जीना दूभर हो गया है। राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या एक करोड़ से भी ज्यादा हो चुकी है। इस घुसपैठ ने राज्य की जनसंख्या के समीकरण को बदल दिया है। उन्हें सियासत के चक्कर में देश में वोटर कार्ड, राशन कार्ड जैसी सुविधाएं मुहैया करवा दी जाती हैं और इसी आधार पर वे देश की आबादी से जुड़ जाते हैं।

इन्हें बांग्लादेश के रास्ते पहले पश्चिम बंगाल में प्रवेश दिलाया जाता है। फिर राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड बनवाकर जम्मू से केरल तक पहुंचा दिया जाता है। नौबत यहां तक आ गई है कि ममता बनर्जी के करीबी और तृणमूल कांग्रेस के नेता फिरहाद हकीम कोलकाता के ही एक हिस्से को मिनी पाकिस्तान कहते हैं और पाकिस्तानी पत्रकार को वहां घुमाने ले जाते हैं। इसकी वजह पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी है, जिसका असर राजधानी कोलकाता से लेकर पूरे राज्य में दिखता है।

भारत के दस सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले राज्यों की सूची देखें तो दूसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल आता है। 2011 की जनगणना के मुताबिक पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की आबादी 2.46 करोड़ है। लेकिन घुसपैठ की वजह से यह संख्या असल में कहां तक पहुंच चुकी है, इसे दावे से कोई नहीं बता सकता। यहां की ममता बनर्जी सरकार को अपनी इस मुस्लिम परस्त राजनीति का लाभ भी मिला। 2021 में हुए चुनावों में तृणमूल कांग्रेस ने 42 मुसलमानों को टिकट दिए और केवल एक की हार हुई।दरअसल, बांग्लादेशी मुसलमानों को 1971 से एक योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत, बंगाल, बिहार और दूसरे प्रांतों में बसा कर इस्लामिस्तान बनाने की योजना चल रही है। फरवरी, 2018 में तब के सेनाध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने इस ओर इशारा किया था। लेकिन सत्ता के लिए मुसलमानों को वोटबैंक की तरह इस्तेमाल करने वालों को दुश्मन मुल्कों के मुसलमानों पर प्रेम लुटाने और उन्हें अपनी हद में पनाह देने से भी गुरेज नहीं है। कुछ समय पहले अमेरिकी पत्रकार जेनेट लेवी ने अपने लेख द मुस्लिम टेकओवर ऑफ वेस्ट बंगाल में ऐसी आशंका भी व्यक्त की है कि पश्चिम बंगाल जल्द ही एक इस्लामिक देश बन जाएगा! जेनेट लेवी ने दावा किया है कि भारत का एक और विभाजन होगा और वह भी तलवार के दम पर। जेनेट का दावा कपोल-कल्पना नहीं है। आशंका व्यक्त की गई है कि कश्मीर के बाद अब पश्चिम बंगाल में गृहयुद्ध होगा और अलग देश की मांग की जाएगी। बड़े पैमाने पर हिंदुओं का कत्लेआम होगा और मुगलिस्तान की मांग की जाएगी। उन्होंने यह भी दावा किया है कि यह सब ममता बनर्जी की सहमति से होगा। जेनेट लेवी ने कहा है कि 2013 में पहली बार बंगाल के कुछ कट्टरपंथी मौलानाओं ने अलग मुगलिस्तान की मांग शुरू की। इसी साल बंगाल में हुए दंगों में सैकड़ों हिंदुओं के घर और दुकानें लूट ली गईं और कई मंदिरों को तोड़ दिया गया।

इन दंगों में सरकार द्वारा पुलिस को ये आदेश दिए गए कि वह दंगाइयों के खिलाफ कुछ ना करे। जेनेट लेवी ने इसके लिए बंगाल के जनसांख्यिकीय असंतुलन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने हिंदुओं की घटती और मुस्लिमों की तेजी से बढ़ती आबादी का जिक्र करते हुए देश के एक और विभाजन की तस्वीर प्रस्तुत की है।

अब कुछ तथ्यों पर गौर करें। स्वतंत्रता के समय पूर्वी बंगाल में हिंदुओं की आबादी 30 प्रतिशत थी, लेकिन अब यह घटकर 8 प्रतिशत से भी कम हो चुकी है। जबकि पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की आबादी 27 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। इतना ही नहीं, कई जिलों में तो यह आबादी 63 प्रतिशत तक है। दुनिया के जिस हिस्से में भी मुस्लिम संगठित होकर रहते हैं, वहां 27 फीसदी आबादी होते ही इस्लामिक शरिया कानून की मांग करते हुए अलग देश बनाने तक की मांग करने लगते हैं। इसलिए बंगाल में जनसांख्यिकीय बदलाव और ममता बनर्जी सरकार के रवैये को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वस्तुत: राज्य की जमीनी हकीकत इन तमाम अंदेशों से मेल खाती है। पश्चिम बंगाल में जहां मुसलमानों की सघन आबादी है, वहां हिंदू कारोबारियों का अघोषित बहिष्कार होता है। मालदा, मुर्शिदाबाद और उत्तरी दिनाजपुर जिलों में मुसलमान हिंदुओं की दुकानों से सामान नहीं खरीदते। इन इलाकों में जबरन कन्वर्जन अब सामान्य बात हो चुकी है। कन्वर्जन और बहिष्कार यहां से हिंदुओं के पलायन की बड़ी वजहें हैं। इन जिलों में हिंदू बहुसंख्यक से अल्पसंख्यक होने लगे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुसलमानों में अब कानून का डर नहीं रहा है। खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हिंदू त्योहारों को लेकर जैसा रवैया रहता है, वह भी इसकी बड़ी वजह है। मोहर्रम के जुलूस को परंपरा और रामनवमी की शोभायात्रा को साम्प्रदायिक कहने के पीछे मुस्लिम तुष्टीकरण वाली मानसिकता ही है। जय श्रीराम नारे को लेकर ममता की नफरत अब किसी से छिपी नहीं रही है। दशहरे की शोभायात्रा पर पाबंदी, हनुमान जयंती पर श्रद्धालुओं पर लाठीचार्ज, कई गांवों में दुर्गा पूजा और सरस्वती पूजा पर रोक जैसे हालात इसी मानसिकता की बानगी हैं।

ममता सरकार की मानसिकता ही नहीं, कुछ तथ्य भी पश्चिम बंगाल सरकार के सच को उजागर करते हैं। एक सच राज्य में हिंदुओं की आबादी में लगातार गिरावट से सामने आता है। पश्चिम बंगाल में 2011 की जनगणना ने खतरनाक जनसंख्यिकीय तथ्यों को उजागर किया था। जब सम्पूर्ण देश के स्तर पर हिंदू आबादी 0.7 प्रतिशत कम हुई है तो वहीं केवल बंगाल में ही हिंदुओं की आबादी में 1.94 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह बहुत ज्यादा है। राष्ट्रीय स्तर पर मुसलमानों की आबादी में 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि केवल बंगाल में मुसलमानों की आबादी 1.77 फीसदी की दर से बढ़ी है, जो राष्ट्रीय स्तर से दुगुनी से भी अधिक है।बंगाल की जनसांख्यिकी में आया बदलाव वाकई डरावना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक प. बंगाल के 38,000 गांवों में 8000 गांव ऐसे हैं, जहां एक भी हिंदू नहीं रहता। इसका मतलब यह है कि यहां से हिंदुओं को भगा दिया गया है। बंगाल के तीन जिले, जहां मुस्लिमों की जनसंख्या बहुमत में है, वे हैं मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तरी दिनाजपुर। मुर्शिदाबाद में 47 लाख मुस्लिम और 23 लाख हिंदू हैं। इसी तरह मालदा में 20 लाख मुस्लिम और 19 लाख हिंदू हैं तो उत्तरी दिनाजपुर में 15 लाख मुस्लिम और 14 लाख हिंदू हैं।दरअसल बांग्लादेश से आए घुसपैठिए पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों के मुसलमानों से हाथ मिलाकर गांवों से हिंदुओं को भगा रहे हैं और हिंदू डर के मारे अपना घर-दुकान-मकान छोड़कर शहरों में आकर बस रहे हैं। अब इसका बुरा असर तो होगा ही। हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार आम दिनचर्या है। मजहबी नफरत से भरे फतवे जारी होने आम हो गए हैं। मैं खुद इसकी भुक्तभोगी हूं, जिसे सिर तन से जुदा गिरोह के फतवे का सामना आए दिन करना पड़ता है।

जेपीसी की...

बैठक का बहिष्कार करने वाले सांसदों में शामिल कल्याण बनर्जी, गौरव गोगोई, संजय सिंह और असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि समिति ने जब अपना काम ही पूरा नहीं किया है तो कैसी रिपोर्ट पेश की जाएगी। सांसदों का कहना था कि तय कार्यक्रम के तहत समिति को बिहार, पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर का दौरा करना है। साथ ही कुछ और पक्षकारों से विधेयक पर चर्चा करनी है, ऐसे में इसे कैसे सत्ता पक्ष पेश करने की बात कर रहा है। इस बीच करीब घंटे भर तक चले हंगामे के बाद दोनों ओर से गतिरोध को खत्म करने की पहल शुरू हुई।इसके बाद समिति के कार्यकाल को बजट सत्र के पहले हफ्ते तक के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया। इसके बाद फिर से बैठक का बहिष्कार गए विपक्ष सांसद बैठक में लौटे। इसके बाद यह सहमति बनी कि समिति अब अगले सत्र के पहले हफ्ते में अपनी रिपोर्ट देगी। जो संभवत चार या पांच फरवरी को देगी। बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने भी समिति के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव की जानकारी दी। साथ ही कहा कि वह समिति के एजेंडे में कुछ और विषय है, जिन्हें सभी सदस्य जानना चाहते है। इसके साथ ही समिति कुछ राज्यों के अपने प्रस्तावित दौरे भी नहीं कर पायी थी। ऐसे में अब वह बढ़ी अवधि में इसे पूरा करेगी।

लब्बोलुबाब यह है कि वक्फ संशोधन विधेयक-2024 को लेकर केंद्र सरकार बैकफुट पर आ गई और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का कार्यकाल बढ़ा दिया। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल तक समिति की अवधि बढ़ाने का दबाव देने लगे, जबकि पाल सत्ता पक्ष के प्रतिनिधि थे। पाल भी कहने लगे कि जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए। जबकि इससे पहले समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने खुद कहा था कि समिति की रिपोर्ट तैयार है और इसे समय से सदन को भेजा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा में 8 अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024 पेश किया था। साथ ही इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2024 पेश किया था। नए विधेयक का नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा। विधेयक का विपक्ष ने विरोध किया था। उसके बाद 9 अगस्त को इसे आगे की चर्चा के लिए संसद की संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया गया था।

दक्षिण के...

यह मस्जिद जिस जगह पर है, वहां पहले एक छोटी-सी मजार होती थी। शबरीमाला मंदिर भगवान राम को बेर खिलाने वाली माता शबरी से जुड़ा है, लेकिन जेहादी तत्व माता शबरी को अब्बा बाबरी बता कर हिंदुओं की धार्मिक आस्था में इस्लामिक घालमेल कर रहे हैं।पहले हिंदू श्रद्धालुओं को उस मजार पर जाने के लिए प्रेरित किया जाता था। अब तो उन्हें उस मस्जिद में जबरन ले जाया जाता है। वहां हिंदू श्रद्धालुओं से चढ़ावा चढ़वाया जात है। हिंदुओं का चढ़ावा मस्जिद के लिए खर्च होता है। उस मस्जिद के निर्माण में हिंदू श्रद्धालुओं का पैसा लग रहा है। हैरानी की बात है कि अयप्पा मंदिर का चढ़ावा तो देवासम बोर्ड द्वारा सरकार के पास भेजा जाता है, किंतु वाबरी मस्जिद का चढ़ावा इस्लामी कार्यों में लगता है। यही कारण है कि मस्जिद के संचालक हिंदुओं यानी उनकी नजर में काफिरों को भी मस्जिद में प्रवेश करने से नहीं रोकते।अब सवाल है कि वाबर कौन है? इसके बारे में तो कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन उद्देश्य क्या है, इसे बताने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि जैसे-जैसे यह बात फैल रही है कि सबरीमला की यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के साथ छल-कपट हो रहा है, उन्हें एक मस्जिद में ले जाया जा रहा है, वैसे-वैसे हिंदू विरोध में आगे आ रहे हैं। उनका कहना है कि हिंदू किसी मस्जिद में क्यों जाएं और वहां इबादत क्यों करें? अब समय ही बताएगा कि यह मामला कैसे और कब सुलझेगा।केरल का सबरीमला मंदिर को सुनियोजित तरीके से विवादों में फंसाया जा रहा है। विवाद को उस समय ज्यादा हवा दी जाती है जब वहां तीर्थयात्रा शुरू होती है। 41 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा शनिवार को वृचिकम के पहले दिन शुरू हो गई। 41 दिवसीय कठिन व्रत और यात्रा के दौरान वाबर की मस्जिद में पूजा को लेकर विवाद शुरू हो गया है। विश्व हिंदू परिषद ने इसे हिंदू धर्म और परंपराओं का अपमान बताया है। इतना ही नहीं, उन्होंने इसे मनगढंत परंपरा बताते हुए बंद करने की मांग की है।वीएचपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि वाबर मस्जिद में पूजा एक षड्यंत्र है। उन्होंने कहा कि भगवान अय्यप्पा के भक्तों को वाबर की मस्जिद में पूजा-अर्चना करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। उन्होंने वाबर को भगवान अय्यप्पा का मित्र होने को मनगढ़ंत कहानी बताई। विनोद बंसल ने कहा कि वाबर की मस्जिद में हिंदू श्रद्धालुओं से अर्चना करवाना हिंदू धार्मिक मान्यताओं और परम्पराओं का अपमान है। इसके अलावा उन्होंने सबरीमला के लिए प्रसाद वितरण की दुकानें मुसलमानों को देने को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यह सरेआम श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास के साथ धोखाधड़ी है।

वीएचपी प्रवक्ता ने सबरीमला मंदिर मार्ग में मुस्लिम होटल्स को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हलाल भोजन और मुस्लिम होटलों में खाना खाने के लिए भक्तों को मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के इस पवित्र तीर्थ को खत्म करने का कम्युनिस्ट सरकार का यह प्रयास है। उन्होंने इसे जेहादी षडयंत्र बताया। सबरीमाला हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यहां हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान अयप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। साल में 41 दिनों के कठिन व्रत और निष्ठा का अनुष्ठान होता है। लोग जंगली रास्ते और पहाड़ी के रास्ते पैदल और नंगे पांव भगवान अयप्पा के मंदिर पहुंचते हैं।स्वामी अयप्पा मंदिर में जाने से पहले यहां आने वाले श्रद्धालुओं को करीब साठ किलोमीटर दूर इस वाबर मस्जिद में जाना पड़ता है। यह मस्जिद इरुमलै इलाके में स्थित है। सबरीमला यात्रा का नियम है कि लोगों को इस मस्जिद में रुकना जरूरी होता है। वह यहां अर्चना करते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। सफेद रंग की मस्जिद में आने के बाद भक्त मस्जिद की परिक्रमा करते हैं। यहां उन्हें प्रसाद में काली मिर्च और भभूति दी जाती है।

दिल्ली के प्रशांत...

आज दिन के 11.48 बजे पुलिस को प्रशांत विहार इलाके से विस्फोट की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। शुरुआती जांच में सामने आया कि मिठाई की दुकान के पास एक स्कूटर में जोरदार धमाका हुआ है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। विस्फोट स्थल पर एनएसजी कमांडो और डॉग स्क्वायड ने पहुंच कर जांच पड़ताल की।

प्रशांत विहार में धमाके की घटना के बाद पुलिस की तैनाती पर डीसीपी पूर्वी दिल्ली अपूर्वा गुप्ता ने कहा, तमाम जगह पर स्टाफ की तैनाती पहले ही की गई थी। चेकिंग भी हो रही थी। मार्केट इलाकों में तुरंत स्टाफ की तैनाती बढ़ाई गई है। हम इलाकों को सैनिटाइज भी कर रहे हैं। भीड़ भाड़ वाली मार्केट में मार्केट प्रबंधन को सचेत कर रहे हैं। हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं कि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

इससे पहले, रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में ही 20 अक्टूबर को धमाका हुआ था। सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास यह धमाका हुआ था। धमाका इतना जोरदार था कि करीब दो किलोमीटर तक इसकी आवाज सुनी गई थी। आसपास के क्षेत्रों में 10 मिनट तक धुआं छाया रहा था। कई गाड़ियों और दुकानों के शीशे टूट गए थे। उसमें भी कोई हताहत नहीं हुआ था।

मानव तस्कर और...

पुलिस अधिकारियों के अनुसार सरगना ने लड़कियों को रखने के लिए संगम विहार में सात से आठ कमरे किराए पर ले रखे थे। वह गिरोह के अन्य सदस्यों की मांग पर देश के अलग-अलग हिस्सों में लड़कियों को भेजता था। बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल से लाई गई लड़कियां गरीब परिवार से होती थीं। बांग्लादेश से इन लड़कियों को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से अवैध रूप से लाया जाता था। लड़कियों को देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता था। इस दौरान लड़कियों पर सख्त निगरानी रखी जाती थी। सरगना सिंटू शेख पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद का रहने वाला था। उसके गिरोह में पश्चिम बंगाल के साथ-साथ बांग्लादेश और नेपाल के भी मानव तस्कर शामिल थे।

चौथी बार...

शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार, मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) नेता महबूबा मुफ्ती, तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत कई अन्य नेता शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन ने भाजपा के गमलियाल हेम्ब्रम को 39 हजार 791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी थी। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा में 56 सीटें हासिल कर शानदार जीत हासिल की, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को 24 सीटें मिलीं। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने गठबंधन में सिर्फ 43 सीटों पर चुनाव लड़ा और 34 सीटें हासिल की थी। हेमंत सोरेन ने आज अकेले ही राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली है। कांग्रेस महासचिव और झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि विधानसभा में विश्वास मत के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।

चटगांव में लोकनाथ...

डंडे और तलवार लेकर चिल्लाते हुए मंदिर पर पत्थरबाजी करते हुए देखे जा सकते हैं। इस्कॉन प्रवक्ता ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप समेत दूसरे वैश्विक नेताओं से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। इसके साथ ही उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और कट्टरपंथियों द्वारा की जा रही हिंसा की आलोचना की। राधारमण दास ने कहा कि चिन्मय कृष्ण दास और सनातनी समुदाय नागरिक के रूप में सम्मान और न्याय के हकदार हैं।गौरतलब है कि इससे पहले भी 22 नवंबर को बांग्लादेश के उत्तर मगुरा में एक मुस्लिम कट्टरपंथी ने प्रसिद्ध काली मंदिर पर हमला कर दिया। उसने मूर्तियों को तोड़ दिया था। हालांकि, बाद में हिंदुओं ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। इसी तरह से 11 नवंबर को भी राजाबारी जिले के बलियाकांडी के अंतर्गत आने वाले चामाता गांव में हुमायूं ने मंदिर में घुसकर मूर्तियों में तोड़फोड़ की थी।

10 अक्टूबर 2024 को सतखिरा के श्याम नगर स्थित प्रसिद्ध काली मंदिर से स्वर्ण मुकुट को एक कट्टरपंथी ने चोरी कर लिया था। खास बात ये कि ये मुकुट पीएम मोदी ने 2021 में मां काली को समर्पित किया था। इसी प्रकार की एक अन्य वारदात 21 अगस्त 2024 को बांग्लादेश के ही गाजीपुर उप जिला के कलियाकैर स्थित राधा गोविंद लोकनाथ नट मंदिर में भी 50 मुस्लिम कट्टरपंथियों ने जमकर तोड़फोड़ की थी। उससे पहले चपैनवाबगंज जिले के शिबताला करमाकर स्थित हिंदू मंदिर में मुस्लिम कट्टरपंथियों ने तोड़फोड़ और श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की थी।

सीमा से चीनी ...

के बीच एक सकारात्मक बैठक हुई थी। उन्होंने कहा कि वे चीन और भारत के बीच सामंजस्यपूर्ण तालमेल की भी उम्मीद करते हैं।पूर्वी लद्दाख में गतिरोध समाप्त करने के लिए पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए समझौते के कार्यान्वयन की प्रगति को लेकर वू कियान से सवाल किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस समझौते को लागू कर रहे हैं। चीनी प्रवक्ता ने कहा, अब हम बहुत प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों मंत्री शीर्ष नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने और संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू कियान ने कहा, हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष अवसर का लाभ उठाएंगे और सैन्य संबंधों में नई प्रगति करने के लिए नई गति का निर्माण करेंगे।विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 21 अक्टूबर को दिल्ली में ऐलान किया था कि पिछले कई हफ्तों से चल रही बातचीत के बाद भारत और चीन के बीच एक समझौते को अंतिम रूप दिया गया है और इससे 2020 में उठे मुद्दों का समाधान निकलेगा। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त और सैनिकों के पीछे हटने पर समझौते को अंतिम रूप दिया गया, जो चार साल से चल रहे गतिरोध को खत्म करने की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

विवाह पंचमी पर विशेष बातों का रखें ध्यान विवाह से जुड़ी सभी बाधाएं होंगी दूर

विवाह पंचमी भगवान राम और माता सीता की शादी की सालगिरह का शुभ अवसर है, जो मार्गशीर्ष (अगहन) महीने में शुक्ल पक्ष के पांचवें दिन को मनाया जाता है। यह तिथि सनातन धर्म में बहुत महत्व रखती है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि इस मौके पर सीता-राम को समर्पित पूजा अनुष्ठान करने से वैवाहिक जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं। साथ ही आशीर्वाद प्राप्त होता है। जब इस पावन दिन को लेकर कुछ ही दिन शेष रह गए हैं, तो आइए इस दिन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए उनके बारे में जानते हैं।

विवाह पंचमी 2024 तिथि और समय

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 05 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 06 दिसंबर को दोपहर 12 बजकर 07 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए 06 दिसंबर को विवाह पंचमी मनाई जाएगी। शास्त्रों के अनुसार यह वही दिन है जब भगवान श्रीराम और मां सीता का विवाह हुआ था।

विवाह पंचमी पूजा विधि

विवाह पंचमी के दिन पूजा विधि का पालन बड़े श्रद्धा भाव से किया जाता है। सुबह स्नान के बाद सबसे पहले मंदिर की साफ-सफाई करें और सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें।

इसके बाद घर और मंदिर को गंगाजल से शुद्ध करें। पूजा की चौकी पर सफेद कपड़ा बिछाकर भगवान श्रीराम और माता सीता की मूर्ति स्थापित करें।

भगवान राम व माता सीता को सुंदर वस्त्र और आभूषण पहनाकर फूलों की माला अर्पित करें। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें और मंत्रों का जाप करें।

व्रत कथा का पाठ करें, फिर फल, दूध, दही, मिठाई समेत अन्य सामग्री का भोग लगाएं, जिसमें तुलसी पत्र का होना जरूरी है। पूजा के बाद भजन-कीर्तन करें और प्रसाद का वितरण करें।

विवाह पंचमी पर क्या करें?

विवाह पंचमी पर उपवास रखना शुभ माना जाता है।

इस दिन प्रभु राम और देवी सीता की विधिवत पूजा करनी चाहिए।

इस दिन ज्यादा से ज्यादा धार्मिक कार्य करने चाहिए।

इस दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

इस दिन गंगा नदी में पवित्र स्नान करना चाहिए।

इस पावन तिथि पर सात्विक भोजन ही ग्रहण करना चाहिए।

इस दिन असहाय लोगों की मदद करनी चाहिए।

इस दिन रामसीता के मंदिरों में दर्शन के लिए जाना चाहिए।

विवाह पंचमी पर क्या न करें?

इस शुभ दिन पर भूलकर भी तामसिक भोजन जैसे - अंडा, प्याज, लहसुन और मांस आदि का सेवन न करें।

इस तिथि पर शराब का सेवन करने से बचना चाहिए।

इस दिन बाल और नाखून नहीं काटने चाहिए।

इस दिन जीवनसाथी के साथ विवाद करने से भी बचना चाहिए।

इस दिन जुए नहीं खेलना चाहिए।

इस दिन बड़ों का अपमान करने से बचना चाहिए।

विवाह पंचमी पूजा मंत्र

जय श्री सीता राम

राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे। सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने

उद्भव स्थिति संहारकारिणीं हारिणीम् । सर्वश्रेयस्करीं सीतां नतोऽहं रामवल्लभाम्।।

घर में घड़ी लगाते समय वास्तु के इन नियमों का जरूर करें पालन, कभी नहीं रुकेगी तरक्की

सनातन धर्म में भूमि खरीदारी से लेकर गृह निर्माण और गृह प्रवेश के समय वास्तु नियमों का पालन किया जाता है। वास्तु नियमों के पालन करने से घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आती है। अनदेखी करने से जीवन में नाना प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही आर्थिक विषमता का भी सामना करना पड़ता है। इसके लिए ज्योतिष वास्तु नियमों का पालन करने की सलाह देते हैं। इसके लिए घर में घड़ी लगाते समय भी वास्तु नियमों का पालन करें। ऐसा करने से तरक्की कभी नहीं रुकती है।

वास्तु नियम

पूर्व दिशा में सूर्य देव का वास होता है। इस दिशा में घड़ी लगाने से व्यक्ति को करियर और कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है। व्यक्ति अपने जीवन में तरक्की के मार्ग पर अग्रसर रहता है। पेंडलूम वाली घड़ी लगाना उत्तम माना जाता है। इसके लिए पूर्व दिशा में पेंडलूम वाली घड़ी लगाएं।

वास्तु जानकारों की मानें तो दक्षिण दिशा में पितरों का वास होता है। इसके लिए दक्षिण दिशा में भूलकर भी घड़ी न लगाएं। इस दिशा में घड़ी लगाने से विकास में अवरोध पैदा होता है। साथ ही गृह स्वामी पर बुरा असर पड़ता है। अगर गलती से लगा देते हैं, तो उतार लें।

घर पर कभी बंद घड़ी न रखें। अगर घड़ी चलने वाली है, तो बैटरी लगा दें। अगर घड़ी खराब पड़ी है, तो घड़ी को घर से निकाल दें। घर में चलने वाली घड़ी जरूर लगाएं। इससे घर में सुख, समृद्धि एवं खुशहाली आती है। साथ ही समय भी सही रहता है।

अगर आप किसी को कोई गिफ्ट देना चाहते हैं और आप अपने प्रिय को घड़ी देने की सोच रहे हैं, तो ऐसा बिल्कुल न करें। गिफ्ट में घड़ी देना सही नहीं है। ऐसा करने से वक्त ठहर जाता है। ऐसा भी होता है कि आपके हाथ से सही वक्त निकल जाता है।

घर पर सफेद रंग की घड़ी लगाएं। इसके अलावा, अन्य रंगों की घड़ी लगाते समय वास्तु एक्सपर्ट की अवश्य सलाह लें। अनदेखी करने से वास्तु दोष लग सकता है। वास्तु जानकारों की मानें तो रात में सोते समय अपने पास में घड़ी बिल्कुल न रखें।

दशकों पुराना है मुरलीधर का यह मंदिर, जहां होती है कान्हा के अनोखे स्वरूप की पूजा

सनातन धर्म में भगवान कृष्ण की पूजा का अपना एक विशेष महत्व है। आज हम कान्हा के एक ऐसे धाम की बात करेंगे, जो विभिन्न प्रकार के रहस्यों से भरा हुआ है। इस धाम में भक्त दूर-दूर से दर्शन की अभिलाषा लेकर आते हैं। यहां पर मूछोंवाले श्रीकृष्ण विराजमान हैं। बता दें, यह धाम पूर्ण रूप से कृष्ण जी को समर्पित हैं। मान्यता है कि इस मंदिर एक बार दर्शन से भक्तों के सभी कष्टों का अंत हो जाता है,

यहां होती है मूछोंवाले श्रीकृष्ण की आराधना

यह चेन्नई का पार्थसारथी मंदिर है, जो तिरुवल्लीकेनी और ब्रिटिश दौर के ट्रिपलिकेन बीच में स्थित है। इसे मुख्य रूप से 8वीं शताब्दी में पल्लवों द्वारा बनाया गया था और बाद में इसका निर्माण विजयनगर के राजाओं ने किया था। इस धाम में मूछोंवाले श्रीकृष्ण की पूजा होती है। इसके अलावा भारत का यह इकलौता मंदिर है, जहां पर कृष्ण जी को गीता के उपदेशक के रूप में पूजा जाता है, जिसकी झलक मंदिर में देखने को मिलती है।

गंगा नदी से भी पवित्र है यहां के कुओं का जल

आपको बता दें, इस रहस्यमयी धाम की नींव राजा नरसिंहवर्मन प्रथम ने रखी थी। इसके साथ ही इसका नाम इसके आसपास के पवित्र तालाब से लिया गया है, जिसमें पांच पवित्र कुएं हैं। कहा जाता है कि इन चमत्कारी कुओं का जल गंगा नदी से भी ज्यादा पवित्र है।

वहीं, इस मंदिर में भगवान श्री हरि विष्णु के अन्य अवतारों की झलक भी मिलती है, जहां पर हर रोज भक्तों का भारी सैलाब उमड़ता है। कहते हैं कि जो भक्त इस मंदिर में अपनी अधूरी इच्छा लेकर आते हैं, उनकी वो सभी इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं।

तुलसी में जल देते समय भूलकर भी न करें यह गलतियाँ, घर में होती है कलह

हिंदू धर्म में तुलसी को अत्यंत पवित्र और पूजनीय माना जाता है। कहते हैं कि जिस घर में रोजाना तुलसी की पूजा होती है उस घर में सुख-समृद्धि और संपन्नता बनी रहती है। वहीं भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है। प्रभु नारायण की पूजा और भोग तुलसी के बिना अधूरी मानी जाती है। हर दिन सुबह के समय तुलसी में जल देने और शाम के वक्त तुलसी में दीया जलाने से घर में मां लक्ष्मी का वास रहता है। लेकिन तुलसी की पूजा करते समय इन गलतियों को करने से बचना चाहिए अन्यथा आपको पूजा का उचित फल प्राप्त नहीं होगा। जानते हैं कि तुलसी में जल देते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

तुलसी में जल देने का सही समय

तुलसी में हमेशा सूर्योदय यानी सुबह के समय जल देना चाहिए। यह वक्त सबसे अच्छा और फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्योदय के समय तुलसी में जल देने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। अगर घर में धन आदि से जुड़ी दिक्कतें हैं तो वो भी दूर हो जाती हैं।

तुलसी में इस दिन न चढ़ाएं जल

अगर आपके घर में तुलसी है तो उसमें रोजाना जल चढ़ाना चाहिए। लेकिन रविवार, एकादशी के दिन तुलसी में जल अर्पित नहीं करना चाहिए। एकादशी के दिन तुलसी माता का निर्जला उपवास रहता है और जल चढ़ाने से उनका व्रत भंग हो सकता है। एकादशी के दिन तुलसी में जल चढ़ाने से जीवन में कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

दिशा का जरूर रखें ध्यान

अगर आप अपने घर में तुलसी का पौधा लगा रहे हैं तो दिशा का खास ध्यान रखें। तुलसी को दक्षिण दिशा में भूलकर भी नहीं रखना चाहिए। कहते हैं कि इस दिशा में तुलसी रखने से नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

तुलसी में जल देने का सही नियम

तुलसी में अधिक मात्रा में जल नहीं देना चाहिए। ऐसा करने से तुलसी के पौधे की जड़ें खराब होने लगती हैं और तुलसी का पौधा जल्दी सूखने लग जाता है। कहा जाता है तुलसी का पौधा सूखना अच्छा नहीं होता है।

महिलाएं इन बातों का रखें ख्याल

तुलसी की पूजा करते समय महिलाओं को अपने बालों को खोलकर नहीं रखना चाहिए। महिलाओं को अपने बालों को बांधकर तुलसी की पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

खरमास 15 दिसंबर से, तुलसी पूजा का इस मास में क्या है महत्व

सूर्य जब बृहस्पति की राशि धनु या मीन में प्रवेश करते हैं तो उस दिन से खरमास की शुरुआत हो जाती है। खरमास साल में दो बार आते हैं। धार्मिक ग्रंथों में खरमास का महीना शुभ नहीं माना गया है। इस दौरान मांगलिक कार्य पर पाबंदी भी लग जाती है।

हालांकि खरमास में पूजा-पाठ का महत्व दोगुना बढ़ जाता है। मान्यता है कि इस महीने में तुलसी पूजा विशेषरूप से फलदायी होती है। खरमास में तुलसी से जुड़े कुछ काम जरुर करना चाहिए इससे व्यक्ति को मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

खरसमा 2024 में कब शुरू ?

इस साल 15 दिसंबर 2024 को खरमास का आरंभ हो रहा है, इस दिन सूर्य धनु राशि में प्रवेश करेंगे। खरमास में तुलसी पूजा, सूर्य को अर्घ्य और विष्णु जी की उपासना करने का विधान है।

खरमास में तुलसी पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में तुलसी को पूजनीय माना गया है। तुलसी पूजा से घर और परिवार वालों पर आने वाले संकटों का नाश हो जाता है। खरमास के समय नकारात्मकता ऊर्जा अधिक सक्रीय रहती है। किसी भी प्रकार की नकारात्मकता को दूर करने के लिए तुलसी पूजा सबसे सरल और अचूक समाधान है।

खरमास में तुलसी में जल चढ़ाना और शाम को दीपक लगाने से दोषों से मुक्ति मिलता है। तुलसी की पूजा करने से ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम हो जाते हैं और खुशहाली आती है।

इन बातों का रखें ध्यान

खरमास में तुलसी को दीपदान, जल दान और धूपदान दिया जा सकता है, लेकिन खरमास में तुलसी पर कुछ चीजों को अर्पित करने की मनाही है जैसे सिंदूर या कोई सुहाग की सामग्री अर्पित नहीं करनी चाहिए। तुलसी के पत्ते भी नहीं तोड़ें।

शशश कोई है..., ये संकेत मिलने पर समझ जाएं घर में है कोई खतरनाक

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि घर में दो तरह की ऊर्जा का साया होता है। एक सकारात्मक ऊर्जा होती है, जिससे घर में सुख समृद्धि आती है। दूसरी ऊर्जा नकारात्मक होती है, जिससे घर पूरी तरह से बर्बाद हो जाता है।

वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए हैं, जिनसे नकारात्मक ऊर्जा को दूर किया जा सकता है। आप यह तभी कर पाएंगे, जब आपको पता हो कि घर में नकारात्मक ऊर्जा का साया है। ऐसे में हम आपको इस आर्टिकल में बताने वाले हैं कि कैसे आप घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा की पहचान सकते हैं।

घर की ऊर्जा ऐसे महसूस करें

घर में आने पर हर व्यक्ति को शांति मिलती हैं। वह कितना भी थका हारा हो, लेकिन एक खुशी का अहसास होता है। अब अगर आप घर आते ही उदास रहने लगे। आपका मन अशांत रहने तो समझ लें कि घर में नकारात्मक ऊर्जा का साया है।

महसूस हो कुछ ऐसा

आप घर के बाहर निकलते ही ठीक महसूस करते हों, लेकिन घर आते ही मन अशांत रहने लगे। शरीर में भारीपन लगने लगे। ऐसी इच्छा हो कि बस रो ही दूं, तो समझ लें घर में कोई नेगेटिव एनर्जी मौजूद है। वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको नमक के पानी का घर में पोंछा लगाना चाहिए, बाथरूम में एक कटोरी में फिटकरी रख दें। घर की सजावट में वास्तु के नियमों का विशेष ध्यान रखें।

नेगेटिव एनर्जी को समझें

वास्तु मानें तो नकारात्म ऊर्जा का घर में होना भूत-प्रेत का संकेत नहीं होता है। घर का गलत तरह बनना, चीजों का गलत दिशा में रखना, यह सब वास्तु दोष को पैदा करते हैं। ऐसा होने पर नकारात्मक ऊर्जा का साया घर में रहता है।

पूजा या व्रत से पहले क्यों लेते हैं संकल्प

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ से जुड़े कई नियम बताए गए हैं। पूजा-व्रत से पूर्ण फल की प्राप्ति के लिए इन नियमों का पालन करना जरूरी होता है। शास्त्रों में बताया गया है कि पूजा पाठ की शुरुआत से पहले संकल्प लेना जरूरी होता है। व्रत की शुरुआत से पहले भी संकल्प लेने का विधान है क्योंकि संकल्प लेना भी पूजा प्रकिया का ही एक अनिवार्य अंग माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास कहते हैं कि, पूजा-व्रत से पहले यदि संकल्प लिया जाए तो इससे उसका शुभ फल शीघ्र प्राप्त होता है। आइये जानते हैं संकल्प कब और कैसे लिया जाता है और यह क्यों इतना जरूरी हो जाता है।

संकल्प के बिना पूजा का सारा फल देवराज इंद्र को प्राप्त होता है

धार्मिक विद्वानों का मानना है कि पूजा या व्रत से पहले यदि संकल्प न लिया जाए तो वह अधूरी मानी जाती है और पूजा का सकारात्मक फल नहीं मिलता है। वहीं धार्मिक मान्यता के अनुसार जो लोग बिना संकल्प के पूजा या व्रत करते हैं उनके पूजा का पूरा फल देवराज इंद्र को प्राप्त हो जाता है। इसलिए प्रतिदिन की सामान्य पूजा हो या फिर विशेष धार्मिक अनुष्ठान पूजा से पहले संकल्प जरूर लें।

क्या है संकल्प – संकल्प लेने का अर्थ होता है अपने इष्टदेव या फिर स्वयं को साक्षी मानकर यह संकल्प लेना कि हम जिस मनोकामना के लिए यह पूजा या व्रत करने जा रहे हैं उस पूजन को पूर्ण करें।

कैसे लेते हैं – संकल्प लेने की विशेष विधि होती है। इसमें सबसे पहले हाथ में जल, अक्षत और फूल लेकर भगवान गणेश (का ध्यान किया जाता है। क्योंकि श्रीगणेश ही सृष्टि के पंचमहाभूतों (अग्नि, पृथ्वी, जल, वायु और आकाश) के अधिपति हैं। इस प्रकार संकल्प लेकर पूजा करने से पूजा बिना किसी विघ्न के पूर्ण होती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि आपने जिस व्रत या पूजा के लिए संकल्प लिया हो उसे पूरा जरूर करें। संकल्प लेने के बाद व्रत या पूजा को अधूरा न छोड़ें।

भारत-चीन युद्ध के 62 साल पूरे, 120 बहादुर से फरहान अख्तर का फर्स्ट लुक आउट

एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर फरहान अख्तर ने मौजूदा साल की 4 सितंबर को वार बेस्ड फिल्म 120 बहादुर का एलान किया था। 120 बहादुर से फरहान अख्तर का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। 1962 में भारत और चीन के बीच हुए वार पर बेस्ड फिल्म में फरहान अख्तर भारतीय जवान की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फरहान अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर कर दिया है। साथ ही फिल्म किस साल में रिलीज होगी इसका भी खुलासा कर दिया है।फिल्म 120 बहादुर से फरहान अख्तर का फर्स्ट लुक देखते ही बन रहा है। बता दें, फरहान अख्तर ने भारत-चीन युद्ध के 62 साल पूरे होने के मौके पर फिल्म 120 बहादुर से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। भारत-चीन के बीच आज से 62 साल पहले 18 नवंबर 1662 को रेजांग ला युद्ध हुआ था। अपने पोस्ट में फरहान अख्तर ने लिखा है, आज 62 साल हो गये हैं, रेजांग ला का युद्ध, जिसमें 120 वीरों ने हजारों की फौज को टक्कर दी और इतिहास के पन्नो में अपने खून से लिखी भारतीय सैनिकों की हिम्मत की दास्तान।फरहान अख्तर ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, आज भारत-चीन युद्ध के 62 साल हो गए हैं, इसके सम्मान में मेजर शैतान सिंह के साहस को नमन करते हैं, जो विषम परिस्थितियों में दुश्मन के सामने डटे रहे, उनकी कहानी समय-समय पर गूंजती रहती है, हमें आजादी की कीमत और एकता की ताकत की याद दिलाती है, साथ ही अहीर समुदाय को विशेष सलाम, जिनके बेटों ने हमारे राष्ट्र की रक्षा में बेजोड़ बहादुरी का प्रदर्शन किया।फिल्म में परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर शैतान सिंह और चार्ली कंपनी के साथ-साथ कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिको का साहस देखने को मिलेगा। भारत और चीन के बीच रेजांग ला की लड़ाई लड़ी गई थी।रजनीश घई फिल्म 120 बहादुर को डायरेक्ट कर रहे हैं। राजीव मेनन ने फिल्म की स्टोरी और स्क्रीनप्ले को लिखा है। 120 बहादुर के डायलॉग सुमित अरोड़ा लिख रहे हैं। फिल्म में अमित त्रिवेदी म्यूजिक देंगे। वहीं, जावेद अख्तर फिल्म के गाने लिख रहे हैं। फरहान अख्तर, रितेश सिधवानी और अमित चंद्रा फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिलहाल फिल्म से बाकी की स्टारकास्ट के चेहरे सामने आना बाकी है। बता दें, फिल्म साल 2025 में रिलीज होने जा रही है।

पुष्पा : द रूल के सेट को छोड़ने पर भावुक हुईं रश्मिका मंदाना

जल्द ही 'पुष्पा: द रूल' में नजर आने वालीं अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने फिल्म के सेट पर अपने पांच साल के सफर को पूरा करने को लेकर एक नोट शेयर किया है। इस नोट में वह फिल्म के तीसरे पार्ट की ओर भी इशारा करती नजर आई।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने चाहने वालों के साथ अपनी भावनाएं शेयर की। उन्होंने कहा कि वह बेहद ही भावुक महसूस कर रही है।

उन्होंने लिखा, पूरे दिन की शूटिंग के बाद 24 तारीख की शाम को एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए चेन्नई की उड़ान भरी। कार्यक्रम बेहद ही अच्छा था। ठीक उसी रात वापस हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। घर जाकर लगभग 4 या 5 घंटे सोई। सुबह उठकर 'पुष्पा' के अपने आखिरी दिन की शूटिंग के लिए दौड़ी। हमने एक बेहतरीन गाना शूट किया।अभिनेत्री ने बताया कि उनका पूरा दिन शूटिंग में ही बीत गया।

रश्मिका ने पुष्पा 3 की ओर इशारा करते हुए कहा, 7/8 वर्षों में से, पिछले 5 साल इस सेट पर बिताने से यह मेरा घर बन गया। बेशक सेट पर आज मेरा आखिरी दिन था..मगर काम अभी भी बाकी है। अभी इसका तीसरा पार्ट भी आना है, लेकिन यह अलग लगा.. यह भारी लगा..ऐसा लगा जैसे यह खत्म हो रहा है।उन्होंने आगे कहा, एक उदासी जिसे मैं भी नहीं समझ पाई, और अचानक सभी भावनाएं एक साथ आ गईं, और कड़ी मेहनत के दिन मेरे पास वापस आ गए, और मैं थका हुआ महसूस कर रही थी, लेकिन साथ ही साथ बहुत आभारी भी थी।अभिनेत्री ने कहा कि वह टूट गई है और उन्हें समझ में नहीं आया कि वह इस तरह से प्रतिक्रिया क्यों कर रही थी। रश्मिका ने अल्लू अर्जुन, निर्देशक सुकुमार और पूरी टीम के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में भी कहा। उन्होंने कहा कि अल्लू अर्जुन और निर्देशक सुकुमार के साथ उन्होंने सालों तक काम किया। पुष्पा सेट मेरा होम ग्राउंड बन गया है और अब इसे छोड़ना बहुत मुश्किल हो रहा है।

एक ही फ्रेम में कैद हुए हाउसफुल 5 के सितारे

हाउसफुल फ्रेंचाइजी की मच अवेटेड पांचवीं इंस्टॉलमेंट को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट है। वहीं भारत की सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी में से एक, साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 अब अपनी शूटिंग के लास्ट शेड्यूल में एंट्री कर रही है। ये जानकारी मेकर्स ने एक्स पर एक पोस्ट शेयक कर दी है। इसी के साथ इस बात का जश्न मनाने के लिए मेकर्स ने, अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडीज और अभिषेक बच्चन सहित पूरी स्टार कास्ट का एक ग्रुप फोटो भी शेयर किया है। नाडियावाला ग्रैंडसन ने अपने एक्स अकाउंट पर हाउसफुल 5 की पूरी स्टार कास्ट क ा एक साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, हमारी सिनेमाई यात्रा के अंतिम शेड्यूल से गुजर रहे हैं! बता दें कि साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 अपनी पांचवीं किस्त तक पहुंचने वाली पहली फ्रेंचाइजी के रूप में एक मील का पत्थर है। यह पांच गुना मनोरंजन, मस्ती, कॉमेडी से भरपूर है। यह बड़े बजट की फिल्मों में से एक है, जिसकी शूटिंग लंदन से फ्रांस, स्पेन और ब्रिटेन तक एक शानदार क्रूज पर की गई है।हाउसफुल 5 युगों-युगों तक चलने वाली कॉमेडी है, जिसमें बॉलीवुड के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल हैं, जिनमें अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चंकी, पांडे शामिल हैं। जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, चित्रांगदा सिंह, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर ने भी फिल्म में अहम रोल प्ले किया है। इस फिल्म को तरूण मनसुखानी द्वारा निर्देशित किया गया है। बता दें कि हाउसफुल 5 या 6 जून, 2025 को रिलीज़ होने वाली है!

अवनीत कौर ने साड़ी पहन फैंस के बीच शेयर किया देसी लुक

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी हॉट तस्वीरें शेयर की हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।अवनीत कौर की इन लेटेस्ट फोटोशूट में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने येलो और व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं अवनीत कौर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में बलखाती हुई कमर के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं।कानों में बड़े इयररिंग्स, लाइट मेकअप और डार्क शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच ट्रेंड करता है।

रिश्ते में समझौता नहीं चाहतीं अनन्या पांडे

बोलीं-मैं चाहती हूं मेरा पार्टनर मेरी बात सुने

अभिनेत्री अनन्या पांडे एक पॉडकास्ट में अपनी कई निजी और मजेदार बातें साझा करती नजर आईं। उन्होंने बताया कि वह रिश्तों में कोई समझौता नहीं चाहती हैं।पॉडकास्ट में ड्रीम गर्ल 2ळ अभिनेत्री ने बताया कि अब किसी रिश्ते में समझौता नहीं करेंगी।इसके साथ ही उन्होंने रोमांस के बारे में भी अपने विचार रखे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री कथित तौर पर मार्च में अभिनेता आदित्य रॉय से अलग हुई हैं।पॉडकास्ट में होस्ट राज शमनी ने अभिनेत्री से पूछा कि क्या वह ऐसे रिश्ते में रही हैं, जहां उन्होंने खुद से समझौता किया हो?अनन्या ने कहा, हम सभी के साथ ऐसा होता है, मैंने अपने आसपास ऐसा देखा है और मैं भी उस परिस्थिति में रही हूं। मुझे यकीन है कि मैंने खुद को बहुत बदला है, लेकिन इस हद तक नहीं बदला कि ज्यादा बुरा हो। मुझे अहसास हुआ है कि हां, मैं जो हूं, मैं वह नहीं रही। यह मेरे लिए अच्छी स्थिति नहीं थी।होस्ट ने अभिनेत्री से पूछा कि उन्होंने खुद में क्या बदलाव किया है और वह जब पीछे मुड़कर देखती हैं तो उन्हें खुद में कितना बदलाव दिखता है?अभिनेत्री ने जवाब दिया कि उनकी मेरी पसंद और नापसंद में बदलाव हुआ है।

उदाहरण के लिए, वह क्या खाती हैं, कहां जा सकती हैं, यह सब भी उनके पार्टनर की मर्जी से तय होता है।उन्होंने कहा, मैं खाना भी उसी की पसंद का खाऊंगी और मैं बाहर नहीं जाऊंगी क्योंकि मेरे साथी को घर पर रहना पसंद है...।लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करूंगी। अब मैं चाहूंगी कि मेरा पार्टनर मुझे वैसा ही स्वीकार करे जैसी मैं हूं। मैं अपने पार्टनर को वैसा ही स्वीकार करूंगी जैसा कि वह है।रोमांस पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा, रोमांस के बारे में मेरी सोच यह है कि वह (मेरा साथी) जो मेरी बात सुनता है..., छोटी-छोटी बातों को याद रखता है और मेरी बात सुनता है। मैं हर समय समाधान नहीं चाहती। मैं चाहती हूं कि मेरा पार्टनर मेरी बात सुने।

अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर को लेकर अफवाहों का बाजार काफी गर्म रहा है। अनन्या और आदित्य के रिश्ते में होने की चर्चा सोशल मीडिया पर तब शुरू हुई जब दोनों को कृति सेनन के यहां आयोजित दीपावली पार्टी में एक साथ देखा गया था। इसके बाद दोनों अक्सर साथ में नजर आते थे।

यही नहीं, दोनों के रिश्ते को लेकर फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने टॉक शो कॉफी विद करण में संकेत भी दिया था। इस शो में अनन्या के साथ सारा अली खान भी थीं।करण जौहर ने अपने टॉक शो में सारा अली से पूछा था कि अनन्या में ऐसी कौन सी चीज है जो उनके पास नहीं है। इस पर अभिनेत्री ने कहा, नाइट मैनेजर। यह इसी नाम से आदित्य रॉय कपूर स्टारर शो की ओर इशारा था। इस बात अनन्या ने शरमाते हुए कहा था, मैं बिल्कुल अनन्या कोय कपूर जैसा महसूस कर रही हूं।

देवा के निर्माताओं ने भी बदली प्रदर्शन की तिथि

2025 दशहरे के स्थान पर जनवरी में होगा प्रदर्शन

अभिनेता शाहिद कपूर जल्द ही फिल्म 'देवा' के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। वैसे तो यह फिल्म अगले साल दशहरा के खास मौके पर 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब शाहिद के फैंस के लिए यह इंतजार घट गया है। 'देवा' निर्धारित समय से बहुत पहले सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इस फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान हो चुका है। अब यह फिल्म 31 जनवरी 2025 को रिलीज होगी।

इस थ्रिलर फिल्म में शाहिद की जोड़ी पहली बार दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस पूजा हेगड़े के साथ बनी है। इस फिल्म के डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज हैं। फिल्म में शाहिद एक पुलिस वाले की भूमिका निभाएंगे। ज़ी स्टूडियोज ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर 'देवा' की नई रिलीज की तारीख जारी की है।

पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया है, धैर्य से बैठे रहिए, क्योंकि इंतजार अब और छोटा हो गया है! देवा आपकी सोच से भी जल्दी आपके पास आ रही है- 31 जनवरी, 2025! गौरतलब है कि शाहिद को पिछली बार फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म इसी साल वेलेंटाइन वीक के दौरान रिलीज हुई थी। इसमें शाहिद के साथ कृति सेनन थीं।

रॉकस्टार डीएसपी की थंडेल की सोलफुल रचना बुज्जी थल्ली ने जीता लोगों का दिल

'थंडेल' का बहुप्रतीक्षित गाना 'बुज्जी थल्ली' हाल ही में रिलीज़ किया गया था। देवी श्री प्रसाद उर्फ रॉकस्टार डीएसपी द्वारा कम्पोज किया गया यह ट्रैक संगीत प्रेमियों के लिए एक मधुर प्रस्तुति है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर गाने की एक छोटी क्लिप साझा की, जिसमें फिल्म के मुख्य कलाकार नागा चैतन्य और साई पल्लवी के बीच मनमोहक केमिस्ट्री दिखाई गई। यह गाना रॉकस्टार डीएसपी की प्रतिभा का प्रमाण है। अपनी मनमोहक धुनों और दिल को छू लेने वाले गीतों के साथ, यह गाना प्रशंसकों के दिलों में घर कर गया है, जो इसे खूब प्यार दे रहे हैं और बार-बार सुन रहे हैं।

यह गाना मुख्य किरदारों की ऑन-स्क्रीन प्रेम कहानी को खूबसूरती से चित्रित करता है, जो प्रशंसकों को गुनगुनाने पर मजबूर कर देता है। अपनी मनमोहक धुन के साथ, 'बुज्जी थल्ली' रिलीज होते ही तुरंत पसंदीदा बन गया है और इसे अपार प्यार मिल रहा है।

फिल्म 'थंडेल' 7 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में, रॉकस्टार

डीएसपी ने हैदराबाद में शानदार प्रदर्शन के साथ अपने भारत दौरे की शुरुआत की, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। प्रशंसक उनके अगले दौरे की शहरों की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस बीच, डीएसपी का व्यस्त शेड्यूल है, जिसमें अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2: द रूल', धनुष की 'कुबेर', पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह', अजित की 'गुड बैड अग्ली' और राम चरण अभिनीत एक बेनाम फिल्म जैसी बहुप्रतीक्षित परियोजनाएं शामिल हैं।

पूरे विश्व को गीता उपदेशों के माध्यम से मिल रहा है शांति पथ पर चलने का संदेश : कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़,28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि गीता उपदेश स्थली कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर भगवान श्री कृष्ण ने अवतार के रूप में आकर पूरे विश्व को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश दिए। पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को जीवन में धारण कर हर समस्या का समाधान संभव हो सकता है। इन्हीं तमाम पहलुओं को जहन में रखकर पूरी मानवता को गीता उपदेशों के प्रति जागरूक करने के लिए ही कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव जैसे कार्यक्रमों का आयोजन सरकार की तरफ से बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

कृष्ण कुमार बेदी आज कुरुक्षेत्र ब्रह्मसरोवर के पुरुषोत्तमपुरा बाग में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड व जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 पर आयोजित गीता रन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी पुरुष वर्ग की 10 किलोमीटर और महिला वर्ग की 5 किलोमीटर दौड़ को हरी झंडी देकर रवाना किया। बेदी ने पुरुष और महिला वर्ग में पहले 10 स्थानों पर आने वाले खिलाड़ियों में से दोनों वर्गों में प्रथम स्थान पर आने वाले खिलाड़ी को 31 हजार रुपए, द्वितीय को 21 हजार रुपए, तृतीय को 11 हजार रुपए और अगले 7 स्थानों पर रहने वाले खिलाड़ियों को 2100-2100 रुपए की नकद राशि देकर सम्मानित किया।

उन्होंने प्रदेश वासियों को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार के रूप में कुरुक्षेत्र की धरा पर पहुंचकर महाभारत युद्ध से पहले अर्जुन के माध्यम से पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश दिए। यह उपदेश पूरी मानवता जाति के लिए आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को और अधिक बढ़ाया है। इस महोत्सव का आयोजन 5 देशों में भी किया जा चुका है और आने वाले समय में इस महोत्सव को और भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

फिट इंडिया मूवमेंट को सफल बनाने के लिए हरियाणा सरकार संकल्पबद्ध : सैनी

चंडीगढ,28 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को हिसार के महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में बने खेल परिसर और कन्या छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन को नमन करते हुए कहा कि यह कॉलेज महाराजा अग्रसेन जी के मानव सेवा के अभियान को निरंतर जारी रखेगा। ओपी जिंदल ने जो पौधा लगाया था, वो आज वट वृक्ष बन गया है, ये हमारे लिए गर्व की बात है। यह मेडिकल कॉलेज हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के हमारे लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में ये दो नई सुविधाएं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी रहेंगी। 4 एकड़ में बने खेल परिसर में तीन मल्टी पर्पस हॉल, स्विमिंग पूल, एक जिम, योग कक्ष व रेस्टोरेंट बनाए गए हैं। इस पर 10 करोड़ रुपये की लागत आई है। 5 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से तीन एकड़ में बने छात्रावास में 54 कमरे बनाये गये हैं, जिससे छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्थान को अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अग्रोहा के पुरातात्विक स्थल की खुदाई की मंजूरी दी है। इससे अग्रोहा की प्राचीन विरासत के जल्द की उजागर होने की उम्मीद जगी है। इस महान विरासत को राखीगढ़ी की तर्ज पर संरक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने हरियाणा की धरती से 'एक रुपया-एक ईंट' का सिद्धांत देकर समाजवाद और गणतंत्र को साकार किया। आज जब हम अपने गणतंत्र का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो अग्रोहा गणतंत्र पर हमें विशेष गर्व है। महाराजा अग्रसेन का यह गणतंत्र वर्तमान समय में दुनिया के सबसे बडे गणतंत्र भारत की नींव है। हरियाणा सरकार ने महाराजा अग्रसेन की शिक्षाओं और सिद्धांतों को याद रखते हुए हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर रखा है।

कार में आग लगने से चालक जिंदा जला

फतेहाबाद,28 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के टोहाना में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां एक कार में अचानक आग लगने से उसमें सवार व्यक्ति की जिंदा जलकर मौत हो गई। यह घटना टोहाना के नए बाईपास पर आधी रात के करीब हुई। मृतक की पहचान टोहाना के गांव हेदरवाला निवासी वेद प्रकाश के रूप में हुई है, जो कार का चालक था।

रात को जब आग की लपटें आस-पास के खेतों में काम कर रहे किसानों ने देखीं, तो उनमें हड़कंप मच गया। किसानों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी और चालक की मौत हो चुकी थी। जब आग बुझाई गई, तो कार के अंदर वेद प्रकाश की जलती हुई लाश मिली। बताया जा रहा है कि कार में पहले धमाका हुआ, जिसके बाद आग ने जोर पकड़ लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, लेकिन कार में आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने कार के नंबर प्लेट से मालिक की पहचान की, और पता चला कि कार टोहाना निवासी विजय गोयल की है। पुलिस के मुताबिक, मृतक वेद प्रकाश उसी कार का चालक था और टोहाना से अपने गांव वापस लौट रहा था। फिलहाल, पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है, और यह भी पता लगाया जा रहा है कि हादसे के समय और कार की स्थिति क्या थी।

बीजेपी सरकार में शहरी क्षेत्रों में लगा अनदेखी का ग्रहण : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,28 नवंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि जब से प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनी है तब से ही शहरी क्षेत्र की व्यवस्थाओं पर अनदेखी का ग्रहण लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के शहरी क्षेत्रों में लोगों को शुद्ध पेयजल भी मुहैया नहीं हो रहा। उन्होंने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सीवरेज व्यवस्था पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं पर किसी भी शहर को देख लो सीवर व्यवस्था का बुरा हाल है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता स्वच्छता का नारा देकर सफाई को लेकर बड़ी बड़ी बातें करते है पर शहरों में सफाई व्यवस्था का पुरी तरह से जनाजा निकला हुआ है। सफाई कर्मचारियों की हर शहर में कमी है। कूड़े के ढेर बदबू मारते हैं, मक्खियां व मच्छरों की भरमार होने के कारण लोग बीमार पड़ रहे हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि शहरी क्षेत्रों की व्यवस्थाएं राम भरोसे चल रही हैं।

एक तरफ तो बीजेपी वातावरण की शुद्धता को लेकर बातें कर रही है दूसरी तरफ वातावरण को दूषित करने में बीजेपी सरकार की अनदेखी बड़ी भूमिका निभा रही है। किसानों पर पराली जलाने पर केस दर्ज किए जाते हैं तो शहरों में प्रदूषण फैलाने में सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

राजस्थान में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का बढ़ेगा दायरा

जयपुर,28 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना का सुदृढीकरण करने के साथ ही इसका दायरा और बढ़ाया जाएगा। उपचार के लिए औषधियो का दायरा बढाने के उद्देश्य से तकनीकी सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार को प्रबंध निदेशक आरएमएससीएल श्रीमती नेहा गिरि की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में आवश्यक दवा सूची में नवीन औषधियों को शामिल करने, पूर्व से उपलब्ध औषधियों की श्रेणी परिवर्तन किये जाने से संबंधित निर्णय लिये लिए गए। बैठक में विभिन्न रोगों के उपचार के लिए जरूरी दवाओं को आवश्यक दवा सूची में शामिल करने पर विचार किया गया। बैठक में उपस्थित चिकित्सा एवं फार्मा विशेषज्ञों ने दवाओं की उपलब्धता, आवश्यकता, आपूर्ति आदि के बारे में सुझाव दिए। गिरि ने बताया कि बैठक में 390 औषधियों का परीक्षण कर किया गया। उन्होंने बताया कि बैठक में हुए निर्णयों के अनुरूप जल्द ही नवीन दवाओं को आवश्यक दवा सूची में शामिल किया जाएगा। इससे रोगियों को निकट के चिकित्सा संस्थान पर अधिक से अधिक औषधियां उपलब्ध हो सकेंगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी दवा योजना के तहत प्रतिदिन लगभग 4.50 लाख मरीज लाभान्वित हो रहे हैं। ई-औषधि सॉफ्टवेयर के माध्यम से दवाओं आपूर्ति, वितरण एवं संधारण की मजबूत व्यवस्था लागू की गई है। योजना में वर्तमान में 1240 दवाइयां, 428 सर्जिकल्स एवं 156 सूचर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुलिस का नवाचार

''राजकॉप सिटीजन एप'' में 'मदद चाहिए' का फीचर शामिल

जयपुर,28 नवंबर (एजेंसियां)। महिलाओं की सुरक्षा के लिए राजस्थान पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल की है, जिसमें संकटग्रस्त महिलाओं को तुरंत पुलिस सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत राजकॉप सिटीजन एप में मदद चाहिए फीचर को शामिल किया गया है, जिससे महिलाओं को किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत सहायता मिल सकेगी।

इस सुविधा का मुख्य उद्देश्य यह है कि किसी भी महिला को संकट के समय तत्काल मदद मिल सके, चाहे वह आपातकालीन स्थिति हो या गैर-आपातकालीन। इस पहल को लागू करने के लिए पुलिस मुख्यालय ने जिला स्तर पर विभिन्न जागरूकता अभियानों की शुरुआत की है, जिनमें सुरक्षा सखी, पुलिस मित्रों और जनसम्पर्क के माध्यम से इस एप के उपयोग का डेमो दिया जाएगा।

अगर कोई महिला आपात स्थिति में है और वह एप के माध्यम से मदद मांगती है, तो तुरंत जयपुर स्थित 1090 कंट्रोल रूम को एक नोटिफिकेशन भेजा जाएगा। इसके बाद, कंट्रोल रूम पर कार्यरत पुलिसकर्मी इस नोटिफिकेशन को स्वीकृत कर पीड़िता से संपर्क करेंगे। अगर वह फोन से संपर्क नहीं कर सकती तो उसकी लोकेशन पर तत्काल मदद भेजी जाएगी।

इसके बाद संबंधित थाने या 112 वाहन को पीड़िता के स्थान पर भेजा जाता है, और वह वाहन एप पर ट्रैक किया जा सकता है। पुलिस द्वारा मदद मिलने के बाद रिक्वेस्ट को बंद किया जाता है, या फिर पीड़िता खुद भी मदद मिलने पर इसे बंद कर सकती है। इस फीचर के तहत, यदि कोई महिला सामान्य मदद चाहती है, तो एप से एक रिक्वेस्ट भेजी जाती है। कंट्रोल रूम के पुलिसकर्मी इस रिक्वेस्ट को स्वीकार करते हैं और महिला से संपर्क करते हैं। इसके बाद संबंधित थाने को जानकारी दी जाती है, और जरूरत के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

महत्वपूर्ण पहल : यह कदम राजस्थान पुलिस के द्वारा उठाए गए कई प्रयासों का हिस्सा है, जो महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। पुलिस मुख्यालय की तरफ से सभी पुलिस अधीक्षकों और पुलिस उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि वे राजकॉप सिटीजन एप का प्रचार-प्रसार करें, ताकि महिलाएं इस एप का सही तरीके से इस्तेमाल कर सकें और आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत सहायता प्राप्त कर सकें। एडीजी श्रीमती मालिनी अग्रवाल ने बताया कि इस एप में दी गई सुविधाएं महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत बनाएंगी।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में एडीएम ने दिए सख्त निर्देश

कोटपूतली-बहरोड़,28 नवंबर (एजेंसियां)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण की अध्यक्षता में आज एडीएम कार्यालय में स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव और सभी ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

एडीएम सहारण ने सर्वप्रथम संपर्क पोर्टल पर दर्ज मामलों की समीक्षा की और सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी मामले को अनअटेंडेड नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग से संबंधित सभी मामलों का समय पर और गुणवत्तापूर्वक समाधान किया जाए, ताकि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव की निगरानी में चल रही मॉनिटरिंग में कोई भी कमी न आए।

साथ ही, एडीएम ने बताया कि जिला स्तर पर शिक्षा विभाग से जुड़े मामलों की संख्या और उनका औसत निस्तारण समय अधिक होने के कारण जिले की रैंकिंग पर असर पड़ रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर सख्त नाराजगी जताते हुए समयबद्ध निस्तारण और औसत डिस्पोजल टाइम को कम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसके अलावा, एडीएम ने सभी सीबीईओ से स्कूलों के खेल मैदान के रखरखाव पर ध्यान देने और जहां खेल मैदान नहीं हैं, वहां प्रस्ताव तैयार करके जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में भेजने को कहा। उन्होंने पालनहार योजना के तहत शैक्षिक प्रमाणपत्रों के शीघ्र वितरण के निर्देश दिए और सभी स्कूलों में शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा। मिड डे मील समेत अन्य विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा की गई और उनकी सही तरीके से क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश दिए गए।

युवती ने नारकोटिक्स अधिकारी पर फेंका एसिड

प्रतापगढ़,28 नवंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ के बमोतर क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवती और उसके साथी ने लिफ्ट के बहाने नारकोटिक्स विभाग के एक अधिकारी पर एसिड फेंक दिया। यह घटना गुरुवार दोपहर 3 बजे के आसपास हुई, जब हर्षवर्धन नामक नारकोटिक्स विभाग के सब इंस्पेक्टर अपनी कार से यात्रा कर रहे थे। घटना के बाद, अधिकारियों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवती ज्योति को डिटेन कर लिया। प्रतापगढ़ के एसपी विनीत बंसल ने जानकारी दी कि सब इंस्पेक्टर हर्षवर्धन (31) अपनी गाड़ी से प्रतापगढ़ के बमोतर के पास गुजर रहे थे, जब युवती ज्योति (27) और उसका साथी प्रियांशु टहलकर (29) ने उनकी गाड़ी रुकवाने का प्रयास किया। बातचीत के दौरान दोनों ने अचानक हर्षवर्धन पर एसिड फेंक दिया। जैसे ही अधिकारी ने कार को पीछे किया, उनका साथी भी कार की टक्कर से घायल हो गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने राइजिंग राजस्थान समिट की तैयारियों का लिया जायजा

जयपुर,28 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में आगामी 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड रही है। इस कड़ी में स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को समिट की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बस में बैठकर जयपुर शहर का दौरा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने जयपुर एयरपोर्ट से आयोजन स्थल जयपुर एक्जीहिबिशन एंड कन्वेन्शन सेंटर (जेईसीसी) तक विभिन्न तैयारियों का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को समिट के ऐतिहासिक आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

शर्मा ने इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार अपने पहले वर्ष में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं तथा यह आयोजन राज्य की औद्योगिक दिशा को गति देने में मील का पत्थर साबित होगा। यह समिट राजस्थान को खनन, स्टोन, शिक्षा, चिकित्सा, ऑटोमोबाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे लाने में महती भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समिट के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आएंगे। ऐसे में राज्य सरकार तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को पूरा करने में मिशन मोड में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि दुनिया में राजस्थान की अपनी एक पहचान है तथा प्रवासी राजस्थानियों की

खासियत है कि वह अपनी मिट्टी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपनी मेहमान नवाजी के लिए प्रसिद्ध है तथा इस समिट में राज्य के आतिथ्य, संस्कृति, परम्पराओं की अद्भुत झलक देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि समिट में देश-विदेश से शामिल होने वाले निवेशकों, उद्योगपति तथा अतिथिगणों के आतिथ्य में किसी भी तरह की कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने एयरपोर्ट से आयोजन स्थल तक पहुंचने के विभिन्न रूट का निरीक्षण किया तथा वहां साफ-सफाई, ट्रैफिक व्यवस्था, सड़कों का सुदृढीकरण, शहर का सौन्दर्यीकरण, आवागमन संबंधी संसाधन सहित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आयोजन स्थल जेईसीसी पहुंचकर उद्घाटन सत्र के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को तैयारियों को अन्तिम रूप देने के निर्देश दिए। इसके बाद मुख्यमंत्री समिट के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के लिए जयमहल पैलेस भी पहुंचे। मुख्यमंत्री को प्रमुख शासन सचिव उद्योग एवं वाणिज्य अजिताभ शर्मा ने समिट की तैयारियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी।

इस दौरान उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के के विश्नोई, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिल-चस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी । भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा-पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक़्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा ।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 29 नवंबर 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रात: 08:42 तक
नक्षत्र : स्वाति प्रात: 10:18 तक
योग : शोभन सायं 04:31 तक
करण : वणिज प्रात: 08:42 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा प्रात: 08:42 से रात्रि 09:39 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.